www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, सोमवार, 08 जून 2026 | कृष्ण पक्ष-अष्टमी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 119 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

भारत की जन्मदर फिनलैंड से भी नीचे! 10 साल में रिकॉर्ड गिरावट, एलन मस्क ने जताई चिंता

■ स्पेस एक्स के सीईओ ने भारत की बदलती जन सांख्यिकीय स्थिति पर सोशल मीडिया में किया ट्वीट

नई दिल्ली/ए.। दुनिया के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शामिल एलन मस्क ने भारत की घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताई है। स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने कहा है कि भारत की जन्म दर अब उस स्तर से नीचे पहुंच गई है, जो किसी देश की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए जरूरी मानी जाती है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह बात कही और भारत की बदलती जनसांख्यिकीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि भारत की जन्म दर अब रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे आ चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षित वर्ग में यह दर काफी पहले ही इस स्तर से नीचे पहुंच चुकी थी। मस्क ने अपने बयान में मीडिया संस्थान 'एएफ पोस्ट' के आंकड़ों का हवाला दिया, जिसमें भारत की प्रजनन दर में लगातार गिरावट की बात कही गई है।

क्या होता है रिप्लेसमेंट लेवल?

रिप्लेसमेंट लेवल वह न्यूनतम प्रजनन दर होती है, जो किसी देश की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए जरूरी मानी जाती है। आमतौर पर यह दर 2.1 मानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 2025 विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 जन्म प्रति महिला रह गई है, जो रिप्लेसमेंट रेट 2.1 से नीचे है। इसका मतलब है कि औसतन भारतीय महिलाएं अब उतने बच्चे पैदा नहीं कर रही हैं, जितने किसी पीढ़ी के आकार को अगली पीढ़ी तक बनाए रखने के लिए आवश्यक होते हैं।

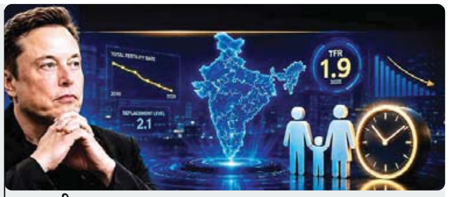

भारत की आबादी कितनी है?

वर्तमान में भारत की आबादी 1.46 अरब से अधिक है। वर्ष 2023 में भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने का स्थान हासिल किया था। हालांकि संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों से देश में प्रजनन दर लगातार घट रही है।

भारत की प्रजनन दर में आई बड़ी गिरावट

एएफ पोस्ट के अनुसार, भारत में पहली बार कुल प्रजनन दर (टोटल फर्टिलिटी रेट-टीएफआर) देश के इतिहास में काफी नीचे पहुंच गई है। आंकड़ों के मुताबिक केवल एक दशक में यह दर 2.3 से घटकर 1.9 पर आ गई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि देश की राजधानी दिल्ली में प्रजनन दर अब 1.2 तक पहुंच गई है, जो फिनलैंड जैसे कई विकसित देशों से भी कम है।

स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार, लेकिन चुनौतियां बरकरार

रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, लेकिन अब भी कई बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं। मातृ मृत्यु दर, लैंगिक असमानता, कम उम्र में विवाह और कम उम्र में गर्भधारण जैसी समस्याएं अभी भी चिंता का विषय बनी हुई हैं. विशेष रूप से 24 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं में जल्दी विवाह और गर्भधारण से जुड़े जोखिम गंभीर माने जा रहे हैं।

आज बेबाक

दिल तो है दिल, दिल का ऐतबार क्या कीजै, आ गया जो किसी पे प्यार क्या कीजै... गाते हुए साठ वर्षीय आमीर खान शादी की हैट्रिक लगाने जा रहे हैं। बूढ़ा घोड़ा लाल लगाम कहकर कुछ जलनखोर उन्हे चिढ़ा रहे हैं। ये नहीं जानते कि - ना उम्र की सीमा होती है न जन्मों का बंधन, जब प्यार करे कोई देखे केवल मन...। वैसे भी आशिक मिजाज फिल्म कलाकारों का दिल तो पागल होता है दीवाना होता है। अब हर बंदा सलमान खान तो नहीं होता जो सठियाने के बाद भी कुंवारा बैठा गा रहा है - दिल की किताब कोरी है...।

एक्सपर्ट्स सवाल तैयार करेंगे, लेकिन पता नहीं होगा किस एग्जाम के लिए प्रश्न बनाया

नीट पेपर लीक के बाद एनटीए बदलेगा सिस्टम, बड़ा डिजिटल बैंक भी बनाएगा

नई दिल्ली/ए.। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्पर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं।

नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। वहीं, शनिवार को इंडियन एक्सप्रेस के आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मंत्री जिम्मेदारी से नहीं भाग रहे, बल्कि व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री पर सीधा आरोप तो इस्तीफा मांगिए: रिजिजू

रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को नीट दोबारा देने की नौबत आई और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री या उसके स्टाफ पर सीधे भ्रष्टाचार, रिश्वत या गलत काम का आरोप हो तो इस्तीफे की मांग जायज होती है, लेकिन हश्वश्वअ पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री पर ऐसा कोई सीधा आरोप नहीं है।

एनटीए की नई प्लानिंग के बारे में जानिए

एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब 85% ट्रांसलेशन का काम एआई से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपर्ट्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं।

अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं। वहीं, एनटीए इस समय 21 जून को होने वाले नीट-यूजी की तैयारी भी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ बदलाव अभी से लागू किए जा चुके हैं। इसके तहत नए सब्जेट एक्सपर्ट्स को जोड़ा गया है। साथ ही पेपर छपने के बाद उसके ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज सिस्टम को और सुरक्षित बनाने पर भी काम चल रहा है।

नीट-यूजी री-एग्जाम का पेपर लीक नहीं हुआ: एनटीए

नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम से पहले सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स पर पेपर लीक होने और सवाल पहले से मिलने के कई दावे किए जा रहे हैं। एनटीए ने इन सभी दावों को गलत और भ्रामक बताया है। एजेंसी का कहना है कि कुछ ठग गिरोह छात्रों और उनके परिवारों को गुमराह कर पैसे कमाने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित पेपर और लीक से जुड़े मैसेज पूरी तरह फर्जी हैं। एनटीए ने कहा कि परीक्षा की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं और परीक्षा निष्पक्ष तरीके से कराई जाएगी। एजेंसी ने छात्रों से अफवाहों पर भरोसा न करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील की है। साथ ही, ऐसे फर्जी मैसेज और पोस्ट फैलाने वाले अकाउंट्स व चैनलों की पहचान की जा रही है। एनटीए उनकी जानकारी सोशल मीडिया कंपनियों और साइबर क्राइम एजेंसियों को दे रही है, ताकि उन्हें हटाया जा सके।

अमेरिका ने होर्मुज में दो ईरानी ड्रोन गिराए, तनाव फिर बढ़ने लगा

■ ईरान का आरोप- अमेरिका ने सीजफायर तोड़ा, इजराइल पर आतंकी हमला, एक की मौत

तेल अवीव/तेहरान/ए.। अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उसने आज होर्मुज में दो ईरानी ड्रोन मार गिराए हैं। सेना का कहना है कि ये ड्रोन वहां से गुजरने वाले जहाजों के लिए खतरा बन रहे थे।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों ने शनिवार को यह कार्रवाई की। सेना ने कहा कि वह इलाके में किसी भी तरह के खतरे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को अमेरिका पर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ईरान ने दागीं 7 बैलिस्टिक मिसाइलें कुवैत एयरपोर्ट पर ताबड़तोड़ हमला

दिल्ली/ए.। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष को एक बार फिर तेज हो गया। खाड़ी क्षेत्र में लागू अस्थायी युद्धविराम टूटने के बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन में स्थित रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे।

हमले के बाद बहरीन समेत कई खाड़ी देशों में एयर-रेड सायरन बजाए गए और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया। अमेरिकी अधिकारियों के

अनुसार ईरान ने कुल सात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें से अधिकांश को एयर डिफेंस सिस्टम ने रास्ते में ही नष्ट कर दिया। हमले का सबसे गंभीर असर कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखने को मिला। एक मिसाइल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सक्ती में सड़क हादसे में मामा-भांजे की मौत

सक्ती/नवप्रदेश। सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में मामा-भांजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दुर्घटना डभरा-खरसिया मुख्य सड़क मार्ग पर लक्ष्मणभांठा गांव के पास हुई, जहां बाइक और ईंट से भरे ट्रैक्टर की आमने-सामने टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, कोटमी गांव निवासी छोटेलाल बरेठ, संजू बरेठ और लीलावती बरेठ एक ही बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ईंट लोड ट्रैक्टर से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर का असर इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार संजू बरेठ और छोटेलाल बरेठ ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

छत्तीसगढ़ में घरेलू सिलेंडर 29 रुपए महंगा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 29 रुपए तक बढ़ गई है। रायपुर में पहले 14.2 किलोग्राम का घरेलू गैस सिलेंडर 984 रुपए में मिल रहा था, जो अब 1013 रुपए का हो गया है। नई दरें आज (रविवार) से लागू कर दी गई हैं। पिछले 3 महीनों में यह दूसरी बार है, जब घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 7 मार्च को सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। इस तरह तीन महीने के अंदर घरेलू गैस सिलेंडर कुल 89 रुपए महंगा हो चुका है। एक हफ्ते पहले कमर्शियल एलपीजी के दाम में भी 53 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी।

काली कमाई का कुबेर: इंजीनियर के लॉकरों में 2 करोड़ कैश मिला, करोड़ों की संपत्ति भी

■ ओडिशा में 5 मल्टीस्टोरी बिल्डिंग समेत 13 प्लॉट, 27 साल पहले 6000 सैलरी पर नियुक्ति हुई थी

भुवनेश्वर/नवप्रदेश। ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहरा के पास से करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) में पदस्थ हैं। उनका 1999 में जूनियर इंजीनियर के

पद पर अपॉइंटमेंट हुआ था। तब सैलरी 6 हजार रुपए थी।

ओडिशा विजिलेंस को बेहरा के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद भुवनेश्वर के विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) के सर्च वारंट के आधार पर विजिलेंस ने भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और कंधमाल जिले के कुल 9 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

इस दौरान 5 बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और बैंक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दो प्रेशर कुकर आईईडी और पाइप बम बरामद, जवानों ने किया डिफ्यूज

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। बारसूर थाना क्षेत्र के तोड़मा जंगल में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने दो प्रेशर कुकर आईईडी और एक पाइप बम बरामद कर सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया। सुरक्षा बलों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। दंतेवाड़ा के तोड़मा जंगल में सीआरपीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान दो प्रेशर कुकर आईईडी और एक पाइप बम बरामद किया।

धमतरी में पकड़ाया 400 किलो गांजा

■ 96 पैकेट्स में जगदलपुर से रायपुर ले जाई जा रही थी खेप, 4 आरोपी गिरफ्तार

■ महासमुंद में भी पकड़ाया 125 किलो गांजा, कटहल के नीचे छिपाकर तस्करी

धमतरी-महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 400 किलो से अधिक गांजा जब्त किया है। वनोपज नाके पर चेकिंग के दौरान एक पिकअप और एक कार से 96 पैकेट में पैक गांजे की खेप बरामद की गई। मामले में चार से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई अर्जुनी थाना क्षेत्र स्थित वनोपज नाके पर की गई। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

फोम और कंबलों के नीचे छिपा रखा था गांजा

पुलिस के अनुसार, तस्कर जगदलपुर की ओर से रायपुर जा रहे थे। पिकअप वाहन में गांजे को फोम और कंबलों के नीचे छिपाकर रखा गया था, ताकि पुलिस को भनक न लगे। श्यामतराई नाके के पास चेकिंग के दौरान दोनों वाहनों को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें गांजे की खेप पकड़ी गई।

सुशासन में घोषणा: सीएम विष्णुदेव साय ने 7 करोड़ के स्टॉप डैम एनीकेट को दी मंजूरी, ग्रामीणों में उत्साह

सुपेबेड़ा को मिलेगी स्वच्छ पेयजल की सौगात

■ खाद-बीज की कोई कमी न हो, छोटे किसानों को मिले प्राथमिकता: साय

गरियाबंद/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता के आधार पर खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी जवाबदेही संबंधित कलेक्टरों की होगी। मुख्यमंत्री ने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए तथा प्रशासन के प्रति जनता की शिकायतों को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए।

एआई आधारित तकनीकी शिक्षा पर जोर

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्कूलों में सीखने के स्तर में सुधार, नियमित मॉनिटरिंग तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी है, वहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तकनीकों का उपयोग कर शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और देश में लागू नए तीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए तथा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन और नशा मुक्ति अभियान को भी प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, रायपुर संभागायुक्त श्याम धावड़े, आईजी अमरेश मिश्रा सहित संबंधित जिलों के जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मानसून महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में पहुंचा गोवा, केरलम-तमिलनाडु में भारी बारिश

■ चेन्नई में पारा 40 डिग्री, राजस्थान में 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चली

दिल्ली /ए.। मानसून रविवार को चार और राज्यों त्रिपुरा, नगालैंड, असम और अरुणाचल प्रदेश में पहुंच गया। महाराष्ट्र में मानसून केवल दक्षिण कोंकण तक बढ़ा। इसके चलते 9 जून तक सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी में भारी बारिश हो सकती है। हालांकि अगले हफ्ते तक राज्य में बारिश का पैटर्न कमजोर रहने का अनुमान है।

आईएमडी के मुताबिक मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

अल्ट्राटेक सीमेंट वर्क्स में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस, संरक्षण का लिया संकल्प

बलौदाबाजार-भाटापारा/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रावन सीमेंट वर्क्स में ईस्ट क्लस्टर के सीओओ आशीष पनपलिया, इकाई प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

पूरे प्लांट परिसर में विभिन्न स्थानों पर टूल बॉक्स टॉक एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। सी ओ ओ के मार्गदर्शन में सभी कर्मचारियों को एक-एक पौधा वितरित किया गया। सभी कर्मचारियों ने अपने-अपने घरों में पौधारोपण कर उनकी देखभाल एवं उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया।

सी एस आर एवं पर्यावरण विभाग की टीम द्वारा आसपास के गांवों में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें ग्रामीणों को वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसके

अतिरिक्त ट्रक यार्ड में वाहन चालकों के बीच भी पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अंतर्गत कॉलोनी के बच्चों के लिए ड्राइंग एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली एवं स्वच्छ पृथ्वी जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही कंपनी के कर्मचारियों के लिए क्विज़, स्लोगन लेखन, पोस्टर निर्माण तथा अन्य विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत परिवार ने किया पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत बरबांधा में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत परिवार सहित पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नीम, जामुन एवं आम के पौधों का रोपण किया गया।

कन्हैया साहू 'अमित' की कृतियों पर लघु शोध कार्य संपन्न

भाटापारा / नवप्रदेश। नगर के साहित्यकार कन्हैया साहू 'अमित' की दो चर्चित कृतियों 'जयकारी जनऊला' एवं 'फुरफुन्दी' पर लघु शोध कार्य संपन्न हुआ है।बस्तर विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत भानुप्रतापदेव शासकीय महाविद्यालय, कांकेर में एम.ए. हिन्दी की छात्राओं यामिनी उइके एवं कंचल पटेल ने हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक श्री एन. आर. साव के मार्गदर्शन में यह शोध कार्य पूर्ण किया।शोध के दौरान छात्राओं ने साहित्यकार कन्हैया साहू 'अमित' से भेंट कर उनकी कृतियों, सृजन-प्रक्रिया एवं साहित्यिक योगदान से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की तथा आवश्यक अध्ययन सामग्री प्राप्त की। साहित्यकार ने भी शोध कार्य को सफल बनाने हेतु आवश्यक जानकारी एवं सहयोग प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि कन्हैया साहू 'अमित' की कृति 'जयकारी जनऊला' में 1111 छत्तीसगढ़ी जनऊला मौलिक सृजित हैं, जो जयकारी (चौपई) छंद में रचित हैं। वहीं 'फुरफुन्दी' छत्तीसगढ़ी भाषा का एक छंदबद्ध बाल काव्य संग्रह है, जिसमें 45 बाल कविताएँ शामिल हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृतियों में छत्तीसगढ़ के छत्तीस खेल, छत्तीसगढ़ के छत्तीस रतन, छत्तीसगढ़ के छत्तीस भाजी, छत्तीसगढ़ के खेल गीत, करता कौन कमाल, बचपन सतरंगा, बचपन के पचपन गीत, प्यारी-प्यारी पहेलियाँ तथा विज्ञान पहेलियाँ उल्लेखनीय हैं। हाल ही में इनकी एक कृति का प्रकाशन भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा रॉयल्टी अनुबंध के अंतर्गत किया गया है तथा अन्य कृतियों के प्रकाशन की प्रक्रिया भी जारी है।कन्हैया साहू 'अमित' की कृतियों पर हुए इस शोध कार्य को छत्तीसगढ़ी साहित्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर उनके परिवारजनों, साहित्यकारों, शिक्षकों एवं अभिव्यक्ति साहित्यिक परिवार के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों की विभागीय बैठक, विकास कार्यों पर चर्चा

बेमेतरा/नवप्रदेश। राज्य शहरी विकास अभिकरण के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं बेमेतरा जिले के नोडल अधिकारी सुनील अग्रहरि ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों की विभागीय बैठक लेकर शहरी विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया । बैठक में नगरीय निकायों के कार्यों, जनहित से जुड़ी योजनाओं, अधोसंरचना विकास, स्वच्छता, जलप्रदाय, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन तथा अन्य शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई।

उल्लेखनीय है कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव आर. शंगीता ने आज प्रदेश के 194 नगरीय निकायों के जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को समीक्षा बैठक लेकर शहरी विकास योजनाओं की निगरानी व स्थल निरीक्षण के निर्देश दिए हैं ।

बैठक के दौरान अग्रहरि ने निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित उप अभियंताओ, लेखापाल, स्वास्थ्य, राजस्व, पेयजल, विद्युत विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों व वार्ड प्रभारियों को योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं प्रभावी रूप से उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण, ओडीएफ, जीएफसी एवं वर्षा ऋतु के दौरान संभावित जलभराव की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा जलभराव की स्थिति से प्रभावी रूप से निपटने हेतु भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में विभाग के विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान योजनाओं के बेहतर संचालन, कार्यों में तेजी लाने तथा नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक के पूर्व सूडा के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं बेमेतरा जिले के नोडल अधिकारी सुनील अग्रहरि व मुख्य नगरपालिका अधिकारी नरेश वर्मा ने बेमेतरा का मार्निंग विजिट कर वार्डो में सफाई व्यवस्था का सघन जायजा लिया । इस दौरान पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में जीवीपी प्वाइंट, जल निकासी व्यवस्था, नाला, निर्माण क्षेत्र, डम्प साइट, एसएलआरएम सेंटर, तालाब, आईईसी गतिविधियों, स्वच्छता व्यवस्था एवं साफ-सफाई कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निर्माण कार्यों की कड़ी में नालंदा परिसर की प्रगति लगभग 25 प्रतिशत पाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अग्रहरि ने नगर पंचायत थानखम्हरिया पहुंचकर वार्ड प्रभारियों के साथ बैठक कर विभिन्न कार्यों की समीक्षा की।

हमारा पर्यावरण हमारी जिम्मेदारीः गिदवानी

भाटापारा / नवप्रदेश। पूज्य सेंट्रल सिंधी पंचायत भाटापारा के सचिव श्री अजय मंधान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए समाचार पत्र को बतलाया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के भाग्य विधाता भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनिल गिदवानी एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर विश्व के प्रकाशमान भविष्य हेतु प्रार्थना, आराधना की गई। मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए पूज्य सेंट्रल सिंधी पंचायत के अध्यक्ष अनिल गिदवानी ने कहा कि वनों की, अंधाधुंध कटाई, पहाड़ों की कटाई, उद्योगों के धुएं, केमिकल, अपशिष्ट पदार्थ,दूषितजल, वाहनों से प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, तापमान में वृद्धि, बेमौसम बरसात, सूखा आदि यह सब प्रकृति के साथ हुए खिलवाड़ का परिणाम है। प्रकृति का जितना अधिक शोषण होगा, मानव जीवन उतना ही संकट में पड़ेगा। पर्यावरण की रक्षा केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्तव्य है। वरिष्ठ सलाहकार प्रहलाद राय लछमानी ने उपस्थित जन समूह को आगाह किया कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक का उपयोग अवॉइड करना चाहिए और इस अलार्मिंग समय में वृक्षारोपण और संरक्षण नितांत आवश्यक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के लिए महाबल दास ने ली बैठक

भाटापारा / नवप्रदेश। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रुप में 12 साल का कार्यकाल पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी केन्द्रीय नेतृत्व के आव्हान पर पूरे देश में 5 जून पर्यावरण दिवस से 23 जून डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी के पुण्यतिथि बलिदान दिवस तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाना है ।इस कार्यक्रम के तैयारी के संबंध में भाजपा निपनिया मंडल की बैठक मंडल प्रभारी महाबल दास बघेल की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस बैठक में कार्यक्रम के संबंध में कार्यकर्ताओं से विस्तार से चर्चा के बाद कार्य योजना बनाकर पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के संचालन के लिए शक्ति केंद्र के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए महाबल बघेल ने कहा कि - मोदी जी इस देश के सबसे लंबे कार्यकाल पूर्ण करने वाले प्रधानमंत्री बन गये है, जिनके कुशल नेतृत्व में देश अपनी खोई हुई शक्ति सामर्थ्य और क्षमता पुनः प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। हजार साल पहले भारत विश्व का सबसे शक्तिशाली और सबसे बडी अर्थव्यवस्था थी। भारत का जो चित्र पूर्व में विश्व पटल पर था उस परम वैभव को प्राप्त करने विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी जी कार्य कर रहे हैं जिसमें हम सभी को अपनी भूमिका निभानी है। बैठक उपरांत एक पेड माँ के नाम पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्ष मथुरा यदु , पुर्व अध्यक्ष धनीराम साहु, महिला मोर्चा की जिला महामंत्री गीता अग्रवाल, मंडल महामंत्री राजेश पटेल व रोहित वर्मा, लक्ष्मीनारायण शर्मा, अश्वनी देवांगन, मनोज महाराज, रितेश श्रीवास्तव, तोरण साहु, ओमप्रकाश वर्मा, राजेश ध्रुव, निरेश सेन, बृजेश निषाद, राजेश कोसले , विनोद देवांगन, परदेश राम , परस राम साहु, मोतीलाल आडिल , लेखराम पटेल , आगेश्वर ध्रुव, बैजनाथ यदु, अमरनाथ ध्रुव, हिरा सिंग ध्रुव, आदर्श कुमार सहित बडी संख्या में मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घायल युवक से मिलने अस्पताल पहुंचीं छन्नी साहू

बेहतर उपचार के लिए अधिकारियों से की चर्चा

छुरिया / नवप्रदेश।। क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ी रहने वाली पूर्व विधायक श्रीमती छन्नी साहू ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। ग्राम गैंदाटोला निवासी सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चंद्रशेखर चंद्रवंशी का हालचाल जानने वे मेडिसिटी अस्पताल पहुंचीं और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। पूर्व विधायक छन्नी साहू ने अस्पताल में भर्ती युवक एवं उसके परिजनों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया तथा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने उपचार की स्थिति की जानकारी लेने के बाद कलेक्टर एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा

कर घायल युवक के बेहतर इलाज और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में परिवार को हरसंभव सहायता मिलनी चाहिए तथा उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। पूर्व विधायक ने चिकित्सकों से भी युवक के इलाज पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया।

गौरतलब है कि ग्राम गैंदाटोला निवासी चंद्रशेखर चंद्रवंशी सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनका उपचार मेडिसिटी अस्पताल में जारी है। पूर्व विधायक छन्नी साहू के अस्पताल पहुंचकर हालचाल जानने और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा करने की पहल की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है।

क्षेत्रवासियों ने कहा कि जनता के सुख-दुख में सहभागी बनना और जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहना ही छन्नी साहू की पहचान है। उनका यह मानवीय प्रयास जनप्रतिनिधि के संवेदनशील चेहरे को दर्शाता है।

भाजपा कौशलपुर मंडल की बैठक संपन्न

भाटापारा / नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी भाटापारा अंतर्गत कौशलपुर मंडल की एक बैठक सम्पन्न हुई,बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल एवं ऐतिहासिक 12वर्ष पूर्ण होने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी, गरीब कल्याणकारी एवंलोकहितकारी योजनाओं की उपलब्धियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के मूल मंत्र के अनुरूप केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे घर-घर जाकर सरकार की जनहितकारी

योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाएं तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य करें।

इसके अतिरिक्त बैठक में कौशलपुर मंडल के अंतर्गत सातों मोर्चों के गठन पर भी चर्चा की गई। सभी मोर्चों का गठन सर्वसम्मति से पारित किया गया तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया गया।

बैठक का समापन संगठन की मजबूती, जनसेवा एवं राष्ट्रहित के प्रति समर्पण के संकल्प के साथ हुआ। सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर परजिला अध्यक्ष आनंद यादव , जिला उपाध्यक्ष सहित मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नई प्राथमिक शाला भवन का भूमिपूजन, ग्रामीणों में हर्ष का माहौल

नगरी / नवप्रदेश। ग्राम पांवद्वार में आज नई प्राथमिक शाला भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम उत्साह एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। यह अवसर पूरे ग्रामवासियों के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण रहा। ग्रामीणों ने इसे शिक्षा और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कहा कि किसी भी समाज और गांव की प्रगति का मार्ग शिक्षा से होकर गुजरता है। नई शाला भवन का निर्माण केवल एक इमारत की नींव नहीं, बल्कि गांव के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, उनके सपनों और समग्र विकास की मजबूत आधारशिला है। इससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा तथा शिक्षा के प्रति उनकी रुचि और अधिक बढ़ेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमा नेताम (जिला पंचायत सदस्य),सरपंच राकेश नेताम पन्नालाल मरकाम (कृषि सभापति, जनपद पंचायत नगरी), हमीत लिमजा (मंडल अध्यक्ष, बेलरगांव) अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।मुख्य श्रवण मरकाम ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की सबसे बड़ी ताकत है। नई शाला भवन के निर्माण से गांव के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी तथा यह भवन आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का केंद्र बनेगा।कार्यक्रम में सरपंच, पंचगण, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, पालकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। भूमि पूजन के साथ ही ग्रामवासियों ने शाला भवन के शीघ्र निर्माण एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया

बेमेतरा/नवप्रदेश। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू का जन्मदिन आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अत्यंत हर्षोल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर केक काट कर जिले के पुलिस परिवार सहित राजपत्रित अधिकारी एवं थाना/चौकी प्रभारी व पुलिस जवानों द्वारा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं एवं मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

उल्लेखनीय है कि पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने हेतु एक अभिनव पहल की गई है, जिसके अंतर्गत जिले में पदस्थ समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का व्हाट्सएप

ग्रुप तैयार कर उनके जन्मदिन पर शुभकामना संदेश प्रेषित किए जा रहे हैं। इन संदेशों के माध्यम से दीर्घायु, यशस्वी जीवन, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

कार्यक्रम में जिले के समस्त राजपत्रित- अधिकारीगण, थाना/चौकी प्रभारीगण तथा पुलिस बल के जवानों ने सहभागिता कर जन्मदिन को विशेष बनाया। इस प्रकार के आयोजन पुलिस विभाग में पारस्परिक सौहार्द और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय एवं मनोबल में वृद्धि होती है।

इस पहल का उद्देश्य* अधिकारी एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करना तथा उनके मध्य आपसी सौहार्द एवं मधुर संबंध स्थापित करना है। ऐसे आयोजनों से कार्य के प्रति जिम्मेदारी की भावना सुदृढ़ होती है ।

गुहारः पुलिस कार्रवाई नहीं होने पर मुख्यमंत्री निवास के सामने परिवार सहित आत्मदाह की चेतावनी

कोटवार का आरोपः जाति के कारण गांव से बहिष्कृत किया

पिथौरा / नवप्रदेश। । पिथौरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पाटनदादर के कोटवार एवं अनुसूचित जाति (गांडा) समुदाय के सदस्य भागीरथी चौहान ने गांव के कुछ प्रभावशाली लोगों पर जातिगत भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार, धमकी और संविधान प्रदत्त अधिकारों के हनन का गंभीर आरोप लगाया है।

मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक महासमुंद, पुलिस महानिरीक्षक रायपुर, राज्य अनुसूचित जाति आयोग, थाना सांकरा, पुलिस के ऑनलाइन शिकायत पोर्टल तथा व्हाट्सएप माध्यम से भी की गई है।भागीरथी चौहान ने अपनी शिकायत में बताया है कि जुलाई 2024 में ग्राम पाटनदादर में आयोजित हरी नाम कीर्तन यज्ञ के दौरान गांव के लोग चंदा एकत्र कर रहे थे। उन्होंने भी धार्मिक आयोजन में सहयोग स्वरूप 1000 रुपये नकद एवं पांच किलो चावल देने की इच्छा जताई थी। आरोप है कि गांव के नरेश साहू पिता कुंजराम साहू, दुर्योधन साहू पिता वासुदेव साहू, हराधन साहू पिता धोबा साहू, कृष्ण कुमार नायक पिता सुरेन्द्र नायक, दुष्टि पिता अमरनाथ, रंजीत साहू पिता चंद्रसीखो साहू, पुस्तम नायक पिता अरखित नायक तथा प्रमोद साहू पिता बिहारी साहू ने एकमत होकर उनका सहयोग लेने से इनकार कर दिया।शिकायत के अनुसार उक्त लोगों ने उन्हें उनकी जाति को लेकर अपमानित करते हुए कहा कि वे गांडा जाति के निम्न व्यक्ति हैं और उनके द्वारा दिए गए पैसे एवं चावल का उपयोग करने से उनका धर्म भ्रष्ट हो जाएगा। आरोप है कि उन्हें यह भी कहा गया कि वे केवल कोटवार हैं और अपनी औकात में रहें। भागीरथी चौहान का कहना है कि जब उन्होंने कहा कि संविधान और कानून के तहत जातिगत भेदभाव समाप्त हो चुका है तथा वे भी गांव के अन्य लोगों की तरह धार्मिक आयोजन में सहयोग देना चाहते हैं, तब उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया।

पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद गांव के कुछ लोगों ने खाप पंचायत जैसी व्यवस्था बनाकर उन्हें, उनके परिवार तथा उनके समाज के लोगों का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। गांव में उनके घर आने-जाने, बातचीत करने अथवा मजदूरी करने वालों पर भी दबाव बनाया जाने लगा। शिकायत में उल्लेख है कि उनके समाज के एक व्यक्ति कृष्ण कुमार चौहान से गांव में पुनः शामिल करने के नाम पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला गया। वहीं उनके मकान निर्माण कार्य में मजदूरी करने पहुंचे देवकुमार नामक मजदूर को 1100 रुपये का जुर्माना लगाकर वापस लौटा दिया गया। भागीरथी चौहान ने आरोप लगाया है कि वे पिछले कई महीनों से थाना सांकरा में लगातार शिकायतें दे रहे हैं, लेकिन अब तक किसी भी आरोपी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

उनका कहना है कि कार्रवाई नहीं होने से आरोपियों के हौसले बढ़ गए हैं।शिकायत में यह भी कहा गया है कि 5 जून 2026 को पंचायत भवन के सामने आरोपियों ने फिर से उन्हें धमकाया और कहा कि उन्हें कोटवार पद से हटवाकर ही चैन से बैठेंगे।

पीड़ित ने इसे अपनी सुरक्षा एवं सम्मान के लिए गंभीर खतरा बताया है।मामले को लेकर भागीरथी चौहान ने राज्य अनुसूचित जाति आयोग से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

रायपुर बना देश का पहला शहर, 15 हजार ऑटो-ई-रिक्शा का हुआ डिजिटल पंजीयन

रायपुर / नवप्रदेश रायपुर शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए ऑटो एवं ई-रिक्शा डिजिटल पंजीयन अभियान को बड़ी सफलता मिली है। निर्धारित अवधि में लगभग 15 हजार ऑटो और ई-रिक्शा वाहनों का पंजीयन किया गया है। इसके साथ ही रायपुर सार्वजनिक परिवहन में संचालित ऑटो और ई-रिक्शा वाहनों का व्यापक स्तर पर डिजिटल पंजीयन कराने वाला देश का पहला शहर बन गया है।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रभारी डीसीपी यातायात एवं प्रोटोकॉल विवेक शुक्ला के नेतृत्व में यह विशेष अभियान 20 मई से 5 जून 2026 तक चलाया गया। अभियान के लिए एसीपी यातायात सतीश कुमार ठाकुर को नोडल अधिकारी बनाया गया था। यातायात पुलिस और ऑटो-ई रिक्शा संगठनों के संयुक्त प्रयासों से 15 दिनों के भीतर लगभग 15 हजार वाहनों का पंजीयन किया गया। अभियान में एसीपी यातायात गुरजीत सिंह, रमेश येरवार, सीमा अहिरवार और सुरेंद्र साय पैकरा सहित सभी यातायात थाना प्रभारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

क्यूआर कोड स्कैन कर घर बैठे हुआ पंजीयन : अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वाहन चालकों को किसी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े। क्यूआर कोड स्कैन कर मोबाइल फोन के माध्यम से निःशुल्क पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इससे चालकों को समय और संसाधनों की बचत हुई तथा पूरी प्रक्रिया डिजिटल और सरल बनी रही।

यूनियन के अनुरोध पर 7 दिन बढ़ी अवधि

5 जून को पंजीयन अवधि समाप्त होने के बाद कुछ वाहन चालकों के बाहर होने या अन्य कारणों से पंजीयन नहीं करा पाने की जानकारी सामने आई। इस पर ऑटो एवं ई-रिक्शा यूनियन के पदाधिकारियों ने अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया। इसे स्वीकार करते हुए पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने पंजीयन अवधि को अतिरिक्त 7 दिन बढ़ाने की मंजूरी दी है।

यातायात पुलिस के अनुसार यह उन चालकों के लिए अंतिम अवसर होगा जो अब तक पंजीयन नहीं करा सके हैं। अतिरिक्त अवधि समाप्त होने के बाद केवल नए ऑटो और ई-रिक्शा वाहनों का पंजीयन पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल को प्रस्तुत आवेदन के आधार पर किया जाएगा।

एक क्लिक में 15 हजार पंजीयन को मंजूरी

अब तक पंजीयन करा चुके लगभग 15 हजार ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों के ऑनलाइन आवेदन पत्रों को पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने एक साथ डिजिटल रूप से अनुमोदित किया है।

अगले चरण में लगेंगे क्यूआर कोड

पंजीकृत वाहनों में अब क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। वाहन पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करने पर यात्रियों को वाहन मालिक और चालक की आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इससे सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ेगी।

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल उन्हीं ऑटो और ई-रिक्शा का उपयोग करें जिन पर अधिकृत क्यूआर कोड लगा हो।

बिना पंजीयन वाले वाहनों पर होगी कार्रवाई

यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अतिरिक्त 7 दिन की अवधि समाप्त होने के बाद बिना पंजीयन वाले ऑटो और ई-रिक्शा शहर में संचालित नहीं हो सकेंगे। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बस्तर दौरे के तीसरे दिन दंतेवाड़ा पहुंचे उप मुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर / नवप्रदेश बस्तर संभाग में विकास कार्यों के निरीक्षण और प्रगति समीक्षा पर निकले उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने दौरे के तीसरे दिन दंतेवाड़ा जिले में विभिन्न निर्माण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने जावंगा शासकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन, जल जीवन मिशन के कार्यों तथा स्वच्छता दीदियों की गतिविधियों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने गीदम के समीप जावंगा स्थित शासकीय महाविद्यालय के नए भवन निर्माण कार्य का अवलोकन किया। लगभग 4 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से बन रहे इस सर्वसुविधायुक्त भवन के संबंध में उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन का निर्माण शीघ्र पूरा कर कॉलेज का संचालन शुरू किया जाए, जिससे दंतेवाड़ा क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें।

दौरे के दौरान श्री साव ने ग्राम टेकनार में जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने दो घरों में जाकर नल के माध्यम से जल आपूर्ति की स्थिति देखी और जल अर्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को ग्राम पंचायत एवं जनभागीदारी के सहयोग से नल-जल योजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए प्रेरित किया।उप मुख्यमंत्री ने दंतेवाड़ा नगर पालिका क्षेत्र में संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण भी किया। इसके बाद उन्होंने मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) केंद्र पहुंचकर स्वच्छता दीदियों के कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने घर-घर से कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण (सेग्रीगेशन) तथा स्वच्छता कार्यों की प्रक्रिया की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता दीदियों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान चैतराम अटामी, देवेश ध्रुव तथा पायल गुप्ता सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

राजधानी में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए बढ़ाई गई उपकेंद्र की क्षमता

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीटीसीएल) ने राजधानी सहित दुर्ग की विद्युत पारेषण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। 220/132 केवी उपकेंद्र, भिलाई में 160 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफॉर्मर की स्थापना की गई। इसे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बटन दबाकर ऊर्जीकृत कर दिया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री शुक्ला ने परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सीएसपीटीसीएल राज्य की विद्युत पारेषण प्रणाली को आधुनिक, सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता (सब-स्टेशन) अब्राहम वर्गीज, मुख्य अभियंता (सिविल) संजय तिवारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर. के. तिवारी सहित सीएसपीटीसीएल एवं सीएसपीडीसीएल के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उपकेंद्र की क्षमता वृद्धि योजना के अंतर्गत पूर्व स्थापित 125 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता को बढ़ाकर 160 एमवीए किया गया है।

प्री-मानसून बारिश से मौसम हुआ सुहाना रायपुर-दुर्ग समेत कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

रायपुर / नवप्रदेश छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक से पहले ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है। प्री-मानसून गतिविधियों के सक्रिय होने से प्रदेशभर में आंधी, गरज-चमक और बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटों के दौरान लगभग पूरे राज्य में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है।मौसम विभाग के अनुसार जगदलपुर में तेज बारिश दर्ज की गई। वहीं सक्ती जिले के चंद्रपुर में 20 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। गरियाबंद जिले के देवभोग, बस्तर और जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ में 10-10 मिमी बारिश हुई है।

पेंड्रा रोड रहा सबसे ठंडा, बिलासपुर सबसे गर्म-बारिश और बादलों की वजह से तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शनिवार को पेंड्रा रोड प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दूसरी ओर बिलासपुर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रायपुर के लालपुर में अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री, पेंड्रा रोड में 36.4 डिग्री, अंबिकापुर में 37.1 डिग्री, जगदलपुर में 36.9 डिग्री, दुर्ग में 41 डिग्री और राजनांदगांव में 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, महासमुंद, गरियाबंद, बेमेतरा और बालोद सहित कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई गई है।इसके अलावा सरगुजा और बस्तर संभाग के सभी जिलों में भी मौसम को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। विभाग का अनुमान है कि अगले पांच दिनों तक प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा।

मानसून की एंट्री में हो सकती है देरी

आमतौर पर छत्तीसगढ़ में मानसून 12 जून के आसपास बस्तर के रास्ते प्रवेश करता है और 18 जून तक सरगुजा संभाग पहुंच जाता है। हालांकि इस वर्ष मानसून की रफ्तार धीमी बताई जा रही है। मौसम एजेंसी के अनुसार केरल में दस्तक देने के बाद मानसून कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और मिजोरम तक पहुंच चुका है, लेकिन इसकी गति कमजोर होने के कारण छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री सामान्य तिथि से 4 से 5 दिन देर से हो सकती है।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय रहेंगी, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रहने की संभावना है।

एनआईटी रायपुर ने शुरू किया रिसर्च प्रोजेक्ट

■ एआई से आदिवासी खनन क्षेत्रों में भूजल संरक्षण की पहल

रायपुर / नवप्रदेश छत्तीसगढ़ के आदिवासी खनन क्षेत्रों में भूजल संरक्षण के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद ली जाएगी। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर ने एआई आधारित फ्रेमवर्क विकसित करने के लिए विशेष अनुसंधान परियोजना शुरू करने की तैयारी की है। परियोजना का उद्देश्य खनन गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों में भूजल स्तर की निगरानी और संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकी समाधान विकसित करना है।इस प्रोजेक्ट के तहत एनआईटी रायपुर का सिविल इंजीनियरिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग दो जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) की नियुक्ति करेगा। इनमें एक पद एनआईटी रायपुर और दूसरा सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज (जीईसी) जगदलपुर के लिए होगा।

परियोजना से जुड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए यह अनुसंधान क्षेत्र में करियर बनाने का अच्छा अवसर माना जा रहा है। आवेदन के लिए कंप्यूटर साइंस, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, सिविल इंजीनियरिंग या माइनिंग इंजीनियरिंग में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ एमई या एमटेक की योग्यता आवश्यक है। इसके अलावा आईआईटी या एनआईटी से 80 प्रतिशत अंकों के साथ बीई या बीटेक करने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन के पात्र होंगे। उम्मीदवारों को एआई, डीप लर्निंग तथा पायथन या आर प्रोग्रामिंग का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

इच्छुक अभ्यर्थियों को अपना आवेदन पत्र और बायोडाटा 17 जून 2026 तक ई-मेल mmurmu.ce@nitrr.ac.in ÂÚU भेजना होगा।

मैनपाट के ग्रामीणों की मौत, नहीं मिले पीलिया और हेपेटाइटिस के लक्षण

■ स्वास्थ्य विभाग की जांच में सामने आए अलग-अलग कारण

रायपुर / नवप्रदेश। विकासखंड मैनपाट में पीलिया से पांच लोगों की मृत्यु होने संबंधी जानकारी आने के बाद स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण एवं जांच की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि सभी मृतकों की मृत्यु के कारण अलग-अलग थे तथा इन्हें सामूहिक रूप से पीलिया या जलजनित संक्रमण से जोड़ना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं है। संयुक्त दल द्वारा मृतकों के परिजनों से चर्चा, वर्बल ऑटोप्सी, संभावित मरीजों की स्वास्थ्य जांच तथा पेयजल स्रोतों का परीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि ग्राम कुनिया निवासी जितेन्द्र यादव की मृत्यु अस्पताल की रिपोर्ट एवं वर्बल ऑटोप्सी के अनुसार सेप्टिक शॉक (एमओडीएस) के कारण हुई थी। वहीं ग्राम बरिमा निवासी श्रीमती भगवती यादव में हेपेटाइटिस-ए की पुष्टि हुई थी, जबकि रायपुर स्थित चिकित्सकीय संस्थानों की रिपोर्ट में उनकी मृत्यु का कारण यकृत संबंधी जटिलताएं एवं कार्डियो-रेस्पिरेटरी अरेस्ट बताया गया है। इसी प्रकार ग्राम बरिमा के विकास यादव की मृत्यु के संबंध में प्राप्त चिकित्सकीय रिपोर्टों में अलग-अलग चिकित्सकीय कारणों का उल्लेख है। वहीं ग्राम नर्मदापुर निवासी विकास यादव को हेपेटाइटिस नहीं था तथा वे बचपन से सिकल सेल रोग से पीड़ित थे। रायपुर में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हुई। ग्राम केसरा निवासी आकांक्षा यादव भी हेपेटाइटिस से प्रभावित नहीं थीं।

वे लंबे समय से टीबी एवं श्वसन संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं तथा उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हुई।

जेल में चार कैदी एचआईवी संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग व जेल प्रशासन के समन्वय पर उठे सवाल

जांजगीर-चांपा रायपुर / नवप्रदेश। जिले की जिला जेल में चार कैदियों के एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और विभागीय समन्वय को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस संबंध में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को आधिकारिक जानकारी नहीं होने की बात सामने आई है।मामले के उजागर होने के बाद एचआईवी संक्रमित कैदियों के उपचार, नियमित स्वास्थ्य जांच और निगरानी व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार एचआईवी संक्रमित मरीजों को समय पर एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) और निरंतर चिकित्सकीय देखरेख की आवश्यकता होती है, ताकि उनकी स्वास्थ्य स्थिति नियंत्रित बनी रहे।

जानकारी के मुताबिक जिला जेल में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चार कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। जेल प्रशासन का दावा है कि सभी संक्रमित कैदियों का उपचार जारी है और उनकी नियमित निगरानी की जा रही है।हालांकि, जिला स्तर के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी को इस मामले की जानकारी नहीं होने से विभागीय समन्वय पर प्रश्नचिह्न लग गया है। स्वास्थ्य विभाग और जेल प्रशासन के बीच सूचना के आदान-प्रदान में कमी को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं।

यह भी सवाल उठ रहा है कि यदि इतनी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी संबंधित अधिकारियों तक नहीं पहुंच रही है, तो कैदियों की चिकित्सा सुरक्षा और उपचार व्यवस्था की प्रभावी निगरानी कैसे सुनिश्चित की जा रही है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि एचआईवी जैसे संवेदनशील मामलों में जेल प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और एआरटी केंद्रों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है, ताकि संक्रमित व्यक्तियों को समय पर उपचार, परामर्श और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा सकें।

सीजीएमएससी के गोदामों में 400 से अधिक दवाइयों का भंडार

रायपुर/ नवप्रदेश । राज्य के शासकीय अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) लगातार प्रयासरत है। निगम के विभिन्न गोदामों में वर्तमान में 400 से अधिक प्रकार की दवाइयाँ उपलब्ध हैं, जबकि 150 से अधिक दवाओं के लिए क्रय आदेश जारी कर उनकी आपूर्ति प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है।

सीजीएमएससी के अनुसार स्वास्थ्य संस्थानों से प्राप्त मांग के अनुरूप दवाओं का नियमित वितरण किया जा रहा है। गोदामों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों के उपचार में उपयोग होने वाली आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। इनमें एम्लोडिपिन, एनालाप्रिल, टेल्मिसार्टन, ग्लाइमिप्राइड, इंसुलिन, पैरासिटामोल, डाइक्लोफेनाक, एमोक्सिसिलिन, सेफिक्सिम, मेट्रोनिडाजोल, ओमेप्राजोल, पैंटोप्राजोल, सेट्रिजिन और एल्बेंडाजोल जैसी दवाएँ शामिल हैं।

ट्रॉमा केयर और आपातकालीन उपचार के लिए एंटीरेबीज, एंटीस्नेक, अमिकासिन, हायर एंटीबायोटिक्स और हेमोफिलिक फैक्टर्स सहित जीवनरक्षक दवाओं का भी पर्याप्त भंडारण किया गया है। इसके अलावा डीएनएस, डेक्सट्रोज, ओआरएस और अन्य जरूरी इंजेक्शन भी उपलब्ध हैं।

वर्षा ऋतु को देखते हुए सीजीएमएससी ने मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए विशेष तैयारी की है। मलेरिया, डायरिया, वायरल बुखार और श्वसन संक्रमण के उपचार में उपयोग होने वाली दवाओं का पर्याप्त स्टॉक गोदामों में रखा गया है। प्राइमाक्वीन, क्वीनिन सल्फेट सहित मलेरिया रोधी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और अतिरिक्त आपूर्ति भी शीघ्र मिलने वाली है।

दवाओं के साथ-साथ सिरिंज, नीडल, गॉज, कॉटन, ग्लव्स, ऑपरेशन थिएटर में उपयोग होने वाली सामग्रियां और अन्य सर्जिकल कंज्यूमेबल्स का भी पर्याप्त भंडार सभी वेयरहाउसों में मौजूद है।

स्वास्थ्य विभाग और सीजीएमएससी राज्य के पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पतालों और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग 100 महत्वपूर्ण जीवनरक्षक एवं अत्यावश्यक दवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष योजना पर काम कर रहे हैं। इसके तहत इन दवाओं का पर्याप्त स्टॉक सभी गोदामों में हर समय उपलब्ध रखने की व्यवस्था विकसित की जा रही है।

सीजीएमएससी ने स्पष्ट किया है कि दवा उपलब्धता की निगरानी के लिए आईटी आधारित डैशबोर्ड मॉनिटरिंग प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। साथ ही लोगों से अपूर्ण और भ्रामक जानकारी पर भरोसा न करने तथा दवाओं की उपलब्धता संबंधी जानकारी सीजीएमएससी के सार्वजनिक पोर्टल पर स्वयं देखने की अपील की गई है।

निगम ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क उपचार के लिए आवश्यक दवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रसमड़ा स्टेशन में मेगाब्लॉक: 10 से 12 जून तक 8 मेमू-डेमू ट्रेनें रद्द, यात्रियों को होगी परेशानी

रायपुर / नवप्रदेश छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों को 10 से 12 जून के बीच यात्रा के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत रसमड़ा स्टेशन पर मालगोदाम लाइन से जुड़े कार्यों के लिए विशेष नॉन-इंटरलॉकिंग और प्री-नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किए जाने हैं। इसके चलते रेलवे ने 8 मेमू और डेमू ट्रेनों को रद्द करने के साथ ही दो पैसेंजर ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है।रेलवे अधिकारियों के अनुसार मुख्य नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य 11 जून को सुबह 11:30 बजे से शुरू होकर 12 जून को दोपहर 2:30 बजे तक चलेगा। इस दौरान करीब 15 घंटे का मेगाब्लॉक रहेगा। वहीं, प्री-नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य 9 और 10 जून को किया जाएगा।

ये ट्रेनें रहेंगी प्रभावित-कार्य के कारण रायपुर-डोंगरगढ़, डोंगरगढ़-रायपुर, डोंगरगढ़-गोंदिया, गोंदिया-डोंगरगढ़, गोंदिया-इतवारी, इतवारी-

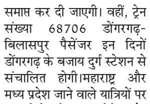

गोंदिया, इतवारी-बालाघाट और बालाघाट-इतवारी मार्गों पर संचालित मेमू और डेमू ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

इसके अलावा ट्रेन संख्या 68705 रायपुर-डोंगरगढ़ पैसेंजर 10 एवं 11 जून को अपने निर्धारित गंतव्य तक नहीं जाएगी और दुर्ग स्टेशन पर ही समाप्त कर दी जाएगी। वहीं, ट्रेन संख्या 68706 डोंगरगढ़-बिलासपुर पैसेंजर इन दिनों डोंगरगढ़ के बजाय दुर्ग स्टेशन से संचालित होगी।महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जाने वाले यात्रियों पर असरट्रेनों के रद्द होने और आंशिक संचालन के कारण छत्तीसगढ़ के भीतर यात्रा करने वाले यात्रियों के साथ-साथ महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की ओर जाने वाले यात्रियों को भी परेशानी उठानी पड़ सकती है। विशेष रूप से दैनिक यात्रियों और कामकाजी लोगों पर इसका प्रभाव पड़ेगा।रेलवे की अपील-रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेन का ताजा शेड्यूल जांचने की अपील की है। साथ ही वैकल्पिक ट्रेनों का उपयोग करने और किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए रेलवे हेल्पलाइन 139 पर संपर्क करने की सलाह दी है।रेलवे का कहना है कि यह कार्य रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है ।

यात्रियों को राहत : बिलासपुर-बेंगलूरु छावनी के बीच चलेगी वन-वे समर स्पेशल ट्रेन

रायपुर/ नवप्रदेश। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए बिलासपुर और बेंगलूरु छावनी के मध्य एक फेरे के लिए विशेष समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस विशेष ट्रेन के संचालन से यात्रियों को कन्फर्म बर्थ उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 08263 बिलासपुर-बेंगलूरु छावनी समर स्पेशल 12 जून 2026 (शुक्रवार) को बिलासपुर से रवाना होगी। यह ट्रेन एक तरफा (वन-वे) सेवा के रूप में संचालित की जाएगी।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र में इस विशेष ट्रेन का वाणिज्यिक ठहराव बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़ और गोंदिया स्टेशनों पर दिया गया है, जिससे छत्तीसगढ़ के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

18 कोचों की होगी सुविधा-समर स्पेशल ट्रेन में कुल 18 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 2 एसएलआरडी, 6 सामान्य (जनरल) तथा 10 स्लीपर कोच शामिल हैं। रेलवे का मानना है कि इससे दक्षिण भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हो सकेंगी।

सुविचार

कामयाब लोग अपने फैसले से दुनिया को बदल देते हैं और नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल देते हैं।

ममता के अपने हुए पराये

वाकई राजनीति बड़ी निर्मम होती है जब तक कोई सत्ता में रहता है तो बेगाने भी उसके अपने बन जाते हैं और सत्ता से बाहर होते ही उनके अपने भी पलक झपकते ही पराये हो जाते हैं। बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस पार्टी की हार के बाद वहां की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमों ममता बनर्जी की हालत आज ऐसी हो गई है कि एक माह पूर्व तक उनके साथ जो हजारों की भीड़ चलती थी और उनके साथ चलने में गर्व महसूस करती थी वह अब उनके साथ चलने में शर्म महसूस करने लगी है। नतीजतन अब भीड़ पूरी तरह छट गई है। उन्होंने टीएमसी में उठी बगावत की आंधी को मद्देनजर रखकर अपने घर पर सभी विधायकों और सांसदों की बैठक बुलाई तो उसमें मात्र छह सांसद और आठ विधायक ही पहुंचे जबकि टीएमसी के कम से कम 20 विधायक तो अभी भी उनके साथ होने का दावा किया जा रहा है। वहीं लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर टीएमसी के 41 सांसद हैं लेकिन ममता बनर्जी के बुलावे पर सिर्फ छह सांसद पहुंचे और इनमें भी एक उनका भतीजा अभिषेक बनर्जी है। इसका मतलब यह कि अब उनके साथ सिर्फ पांच सांसद ही बचे हैं। इसी से स्पष्ट है कि टीएमसी में बगावत की आंधी अब प्रचंड तूफान के रूप में तब्दील होती जा रही है। ममता बनर्जी अब राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने का मन बना चुकी है क्योंकि अब बंगाल में उनके लिए करने को कुछ नहीं रखा है। राष्ट्रीय राजनीति में जाने के लिए जरूरी है कि वे लोकसभा या राज्यसभा की सदस्य बने। टीएमसी के 60 विधायकों के अलग गुट बनाने के बाद अब उनके राज्य सभा में जाने का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता। ऐसे में लोकसभा में जाने के लिए उन्हें टीएमसी के किसी एक सांसद से इस्तीफा दिलाना होगा और वह भी ऐसा सांसद जो मुस्लिम बहुल लोकसभा सीट से जीता हो ताकि ममता बनर्जी आसानी से चुनाव जीत सके। इसके लिए उन्होंने पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान से बहरामपुर लोकसभा सीट से इस्तीफा देने को कहा तो उन्होंने साफ मना कर दिया। जिस युसूफ पठान को ममता बनर्जी ने गुजरात से बुलाकर अपने दम पर बंगाल से सांसद बनाया आज वो भी ममता बनर्जी के लिए अपनी सीट खाली करने को तैयार नहीं है। ऐसे में कोई और वरिष्ठ सांसद ममता बनर्जी के लिए अपनी लोकसभा सीट छोड़ेगा ऐसी संभावना दूर दूर तक नजर नहीं आ रही है। ममता बनर्जी के सामने एक ही विकल्प बचता है कि वे अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी से डॉयमंड हार्बर लोकसभा सीट खाली करवा दें और वहां से उपचुनाव लड़ें। किन्तु यहां से भी शायद ही अभिषेक बनर्जी इस्तीफा देने को तैयार हो यदि हो भी गये तो वहां बुआ भतीजे के खिलाफ जो भारी असंतोष है उसे देखते हुए ममता बनर्जी की जीत की कोई गारंटी नहीं होगी। यदि वे वहां से लोकसभा चुनाव हार गई तो उनके लिए यह और भी बड़ा झटका होगा। जिससे वे कभी उबर नहीं पाएंगी और केन्द्रीय राजनीति में सक्रिय होने का उनका सपना भी चकनाचूर हो जाएगा। वैसे भी इंडी गठबंधन में ममता बनर्जी को अब उतना महत्व नहीं मिलेगा। इस बीच जिस हुमांयू कबीर को ममता बनर्जी ने टीएमसी से हकाल दिया था और उन्होंने अपनी अलग पार्टी बनाकर ममता बनर्जी को अपनी ताकत दिखा दी थी उन्होंने ममता बनर्जी के जले पर नमक छिड़कते हुए यह ऑफर दिया है कि वे चाहे तो हुमांयू कबीर की एक विधानसभा सीट रेजी नगर से चुनाव लड़ सकती हैं। वे वहां से अपनी पार्टी का उम्मीदवार खड़ा नहीं करेंगे। गौरतलब है कि हुमांयू कबीर ने दो सीटों से जीत दर्ज की थी जिसमें से एक उन्हें छोड़ना है। हुमांयू कबीर ने ममता बनर्जी को ऑफर देकर यह साबित कर दिया कि भले ही ममता बनर्जी के अपने अब पराये हो गये हों लेकिन वे पराये होकर भी उनके अपने हैं। बहरहाल अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बड़े संकट से गुजर रही ममता बनर्जी अब अपनी पार्टी को बचाने और खुद अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए क्या रणनीति बनाती हैं और इसमें वे कितनी कामयाब हो पाती हैं।

नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज होने जा रहा एक नया रिकॉर्ड

महेन्द्र तिवारी

भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। यहाँ जनता समय-समय पर अपने नेताओं का चयन करती है और सत्ता परिवर्तन के माध्यम से लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाती है। स्वतंत्रता के बाद से देश ने अनेक प्रधानमंत्रियों को देखा, लेकिन कुछ नेता ऐसे रहे जिन्होंने केवल शासन नहीं किया बल्कि भारतीय राजनीति की दिशा और स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं के बाद यदि किसी प्रधानमंत्री ने सबसे अधिक प्रभाव छोड़ा है तो वह नरेंद्र मोदी हैं। 10 जून 2026 का दिन इसी कारण राजनीतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे रिकॉर्ड के साथ चर्चा के केंद्र में होंगे जो भारतीय राजनीति में उनके लंबे और प्रभावशाली सफर का प्रतीक माना जा रहा है।

नरेंद्र मोदी ने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उस समय भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था। यह जीत इसलिए ऐतिहासिक थी क्योंकि लगभग 30 वर्षों बाद किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिला था। उस दौर में देश भ्रष्टाचार, आर्थिक सुस्ती और राजनीतिक अस्थिरता जैसे मुद्दों से जूझ रहा था। जनता एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में थी जो निर्णायक दिखाई दे और देश को नई दिशा दे सके। नरेंद्र मोदी ने विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व के नारों के साथ चुनाव अभियान चलाया और जनता ने उन्हें भारी समर्थन दिया।

2014 की जीत केवल एक चुनावी विजय नहीं थी बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत थी। लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहने वाली कांग्रेस पार्टी पहली बार इतनी कमजोर स्थिति में पहुँच गई। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी। नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व इस परिवर्तन का मुख्य केंद्र बन गया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पहचान पहले से ही एक विकासवादी नेता की बन चुकी थी और उसी छवि को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार मिला।

इसके बाद 2019 का लोकसभा चुनाव आया। सामान्यतः किसी सरकार के 5 वर्षों के बाद सत्ता विरोधी लहर देखी जाती है, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहले से भी अधिक सीटें जीत लीं। इस विजय ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी केवल एक लोकप्रिय नेता नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्व बन चुके हैं। 2019 की जीत के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, तीन तलाक कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी सरकार ने कई ऐसे फैसले लिए जिनका व्यापक राजनीतिक प्रभाव पड़ा।

2024 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। लगातार तीन बार सत्ता में लौटना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आसान नहीं होता। इसके लिए केवल चुनावी रणनीति ही नहीं बल्कि व्यापक जनसमर्थन, मजबूत संगठन और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि मोदी की तीसरी पारी को भारतीय राजनीति के बड़े घटनाक्रमों में गिना जाता है।

10 जून 2026 को नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन को लेकर चर्चा इसलिए तेज है क्योंकि वे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री बने रहने वाले नेताओं की सूची में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करेंगे। भारतीय राजनीति में लंबे कार्यकाल का विशेष महत्व माना जाता है क्योंकि लोकतंत्र में जनता हर चुनाव में सरकार को बदलने का अधिकार रखती है। ऐसे में यदि कोई नेता लगातार वर्षों तक जनता का समर्थन बनाए रखता है तो यह उसकी राजनीतिक क्षमता और जनस्वीकार्यता को दर्शाता है।

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू लगभग 16 वर्ष 286 दिन तक लगातार प्रधानमंत्री रहे। यह रिकॉर्ड आज भी सबसे लंबा लगातार प्रधानमंत्रित्व माना जाता है। नेहरू ने 15 अगस्त 1947 से लेकर 27 मई 1964 तक देश का नेतृत्व किया। उनके सामने विभाजन की त्रासदी, आर्थिक कमजोरी, संस्थाओं के निर्माण और अंतरराष्ट्रीय पहचान जैसी अनेक चुनौतियाँ थीं। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव मजबूत करने, सार्वजनिक क्षेत्र के विकास और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने का प्रयास किया। आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी ऐसे समय में प्रधानमंत्री बने जब भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका था। उनके सामने चुनौती थी कि भारत को आर्थिक, सामरिक और तकनीकी दृष्टि से और अधिक शक्तिशाली बनाया जाए। मोदी ने राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और मजबूत नेतृत्व को अपनी राजनीति का मुख्य आधार बनाया। उन्होंने विदेश नीति में भी सक्रियता दिखाई। अमेरिका, फ्रांस, रूस, जापान और खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को नई गति मिली। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली दिखाई देने लगी।

मोदी सरकार के दौरान अनेक कल्याणकारी योजनाएँ भी शुरू की गईं। जन धन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोले गए। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। आयुष्मान योजना के जरिए गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने का प्रयास हुआ। स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया। कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन योजना ने करोड़ों लोगों को राहत दी। इन योजनाओं ने गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के बीच मोदी सरकार की लोकप्रियता बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई।

हालांकि विपक्ष लगातार सरकार की आलोचना भी करता रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट और सामाजिक तनाव जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश की गई। कई विश्लेषकों का मानना है कि आर्थिक असमानता अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराना आने वाले समय में सरकार के सामने सबसे कठिन कार्यों में से एक होगा। किसान आंदोलन ने भी यह दिखाया कि बड़े जनसमूह सरकार की नीतियों का विरोध कर सकते हैं। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद नरेंद्र मोदी की राजनीतिक लोकप्रियता लंबे समय तक बनी रही।

भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक शक्ति भी मोदी की सफलता का एक बड़ा कारण रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा का विशाल कार्यकर्ता तंत्र बूथ स्तर तक सक्रिय रहता है। चुनाव प्रबंधन, प्रचार अभियान और मतदाताओं तक सीधा संपर्क भाजपा की विशेषता बन चुके हैं। इसके अलावा विपक्ष की एकजुटता की कमी ने भी भाजपा को लाभ पहुँचाया। कई राज्यों में विपक्षी दल आपसी मतभेदों के कारण मजबूत चुनौती प्रस्तुत नहीं कर सके।

एफएम नेटवर्क का विस्तार हमारी प्राथमिकता है

आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन से यू चतुर्वेदी की बातचीत

उमेश चतुर्वेदी

अपनी शुरूआत से ही खेत-खलिहानों से लेकर घर और दफ्तरों तक आकाशवाणी देश की धड़कन बनी रही है। एक दौर में आकाशवाणी से जब सुर गूंजते थे, जब कोई संदेश प्रसारित किया जाता था, तब माना जाता था कि संगीत की लहरियों में देश झूम रहा है, संदेशों के जरिए देश बोल रहा है..आकाशवाणी ने अपनी यात्रा में लोगों का मनोरंजन भी किया है, सूचनाएं भी दी हैं, संकट के क्षणों में राष्ट्र को आगाह भी किया है, खेती-बाड़ी से लेकर शिक्षा जगत से जुड़ी जरूरी और फायदेमंद सूचनाएं भी दी हैं..अपनी सहज उपलब्धता और तकनीक के जरिए देश के हर वर्ग, हर आयु के लिए आकाशवाणी के सुर सजते रहे हैं..यही आकाशवाणी आठ जून को अपनी गौरवशाली यात्रा के नब्बे वर्ष पूरे करने जा रही है। इस अहम मौके हमने आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन से विशेष बातचीत की है। प्रस्तुत है, इसी बातचीत के अंश...

प्रश्न– आकाशवाणी की नब्बे वर्ष की गौरवशाली यात्रा के लिए आपको बधाई..आकाशवाणी ने अब तक कई सोपान पूरे किए हैं..इस मौके पर आप क्या कहना चाहेंगे..

महानिदेशक ङ्क बधाई आपको भी..आकाशवाणी को यहां तक पहुंचाने में हमारे प्रोग्राम प्रोड्यूसरों, तकनीशियनों और इंजीनियरों के साथ इससे जुड़े रहे हर शख्स का योगदान है..लेकिन चाहे इंजीनियर हों या फिर प्रोग्राम बनाने वाले हमारे प्रतिभाशाली और योग्य लोग या फिर तकनीशियन..उन्होंने अपनी पूरी ऊर्जा देश के सूचना संपन्न बनाने, राष्ट्र का मनोरंजन करने, हमारे संगीत, हमारे गायन और वादन जैसी ललित कलाओं से दुनिया को परिचित कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने यह सब देश के लिए किया, देश के लोगों के लिए किया, इसलिए आकाशवाणी की नब्बे साल की यह यात्रा सिर्फआकाशवाणी या प्रसार भारती या फिर उसके कर्मचारियों-अधिकारियों, तकनीशियनों और प्रोग्राम बनाने वालों के लिए ही गर्व का क्षण नहीं है, बल्कि देश के लिए गौरव की बात है।

प्रश्न : जब आकाशवाणी यहां तक पहुंच गई है, आप इस यात्रा को किस रूप में देखते हैं?

महानिदेशक- नब्बे साल जब भारतीय परिदृश्य में ऑल इंडिया रेडियो के रूप में रेडियो आया, उस समय यह नया माध्यम था। तब इसे ऑल इंडिया रेडियो के नाम से ही जाना जाता था...1956 में पंडित नरेंद्र शर्मा के सुझाव पर इसका नाम आकाशवाणी रखा गया। जब आकाशवाणी आया, तब आज की तरह अखबार ना तो चमकीले थे और न ही उनकी छपाई आज की तरह सुरूचि पूर्ण थी। ऐसे में बुनियादी रूप से तकनीक प्रधान रेडियो माध्यम का आना लोगों के लिए पहले कौतूहल का विषय बना। लेकिन इसके जरिए जब सुदूर स्थित आवाजें लोगों के घरों, दफ्तरों, खेतों-खलिहानों, बाग-बगीचों तक पहुंचने लगी, तब इसका लोगों ने जोरदार स्वागत किया। पहले रेडियो के जरिए सूचनाएं और समाचार दिए जाते थे। लेकिन धीरे-धीरे रेडियो पर गीत-संगीत और नाटक जैसे कार्यक्रम प्रसारित किए जाने लगे। शुरू में रेडियो सेट बड़े थे, इसलिए सबके लिए उन्हें खरीदना मुश्किल था। शुरूआत में रेडियो पर लाइसेंस फीस भी लगती थी। शुरू में रेडियो प्रसारण और कार्यक्रम निर्माण की तकनीक जटिल थी। फिर भी चूंकि यह माध्यम नया था, नया होने के साथ चमत्कारी भी था..लिहाजा लोगों में इसका आकर्षण बढ़ने लगा। फिर जैसे ही प्रसारण और रिसिवर तकनीक में सुधार हुआ, लोगों तक सस्ते ट्रांजिस्टरों की पहुंच बढ़ी, आकाशवाणी को लोगों ने हाथोंहाथ लिया। देखते ही देखते रेडियो देश की धड़कन बन गया।

प्रश्न : आज आकाशवाणी आपके नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। इस मुकाम पर आप आकाशवाणी को किस रूप में देखते हैं?

महानिदेशक- चूंकि रेडियो सहज माध्यम है, इसके जरिए सूचनाओं को तत्काल सुदूर जगहों तक पहुंचाया जा सकता है, इसलिए आज भी आपात् स्थिति में यही सबसे सहज माध्यम है। मैं कह सकता हूं कि आकाशवाणी की यही ताकत है। आज का इंटरनेट का बोलबाला है। इंटरनेट पर कंन्वर्जेंस के जरिए आज हर माध्यम यानी अखबार, रेडियो और टीवी उपलब्ध हैं। रेडियो का जब भी हम जिक्र करते हैं तो हमारे सामने सिर्फ आवाज केंद्रित माध्यम की छवि उभरती है। आकाशवाणी अब भी पारंपरिक तकनीक पर रेडियो सेटों के जरिए उपलब्ध है। लेकिन तकनीकी क्रांति के साथ यह नए रूप में भी उपलब्ध है। अब आकाशवाणी पॉडकास्ट भी कर रहा है। आकाशवाणी इंटरनेट के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। पारंपरिक ऑडियो माध्यम के रूप में उपलब्ध होने के साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट्स मसलन ट्वीटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर भी उपलब्ध है। इसके साथ ही यू ट्यूब पर भी हमारे चैनल काम कर रहे हैं। हर जगह रेडियो का प्रसारण हो रहा है। बेशक ये सारे प्रसारण पारंपरिक प्रसारण जैसे नहीं हैं, लेकिन उनसे अलग भी नहीं है। पारंपरिक प्रसारण में एक बार समाचार या सूचना या दूसरा कोई संदेश सुनने से व्यक्ति चूक जाए तो दोबारा उसके लिए उसे सुन पाना कठिन होता है, लेकिन इंटरनेट की तेजी और सोशल मीडिया मंचों के जरिए निर्धारित वक्त पर प्रसारित हो चुके समाचारों और कार्यक्रमों को बाद में भी सुना जा सकता है। अब तो हमारा एप भी है, न्यूज ऑन एआईआर..इस पर आप आकाशवाणी के तकरीबन सारे चैनलों को सुन सकते हैं...आज आकाशवाणी देश की 23 भाषाओं और 183 बोलियों में लगातार प्रसारण कर रहा है...इसके साथ ही विदेश सेवा प्रभाग द्वारा 16 विदेशी और 11 भारतीय भाषाओं में प्रसारण कर रहा है।

प्रश्न: आकाशवाणी पर गीत-संगीत से लेकर समाचार तक के ढेरों प्रसारण होते हैं। आकाशवाणी समाचारों के प्रसारण, उनके चयन को लेकर क्या नीति है?

महानिदेशक : आकाशवाणी का ध्येय वाक्य है, बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय..यानी अधिकतर लोगों के हित और अधिकतर लोगों के सुख के लिए...यानी आकाशवाणी का उद्देश्य ज्यादातर लोगों के हितों और आनंद को ध्यान में रखते हुए प्रसारण करना। चाहे गीत-संगीत के कार्यक्रम हों या फिर समाचार, सबके पीछे यही विचार काम करता है। जहां तक समाचारों की बात है तो आकाशवाणी का ध्येय है, जल्दीबाजी में गलत समाचार देने की बजाय सही और सटीक समाचार प्रसारित किए जाएं।

सद्गुरू बोधामृतम्

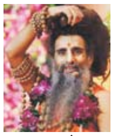

सदगुरू ऋतेश्वर

प्रयास करो काम क्षेत्र में न रहकर राम क्षेत्र में रहो। साधक को कभी रिस्क नहीं लेना चाहिए; पूर्णता जैसे एक शिशु अपने मां पर आश्रित रहती है, शिष्य को भी पूर्ण रूप से उस शिशु की तरह समर्पित अपने गुरु के रहना चाहिए। जा पर कृपा साहिब की होई। ता पर कृपा करे सब कोई।। जो शब्दों से परिचय करा दे उन्हें शब्द गुरु कहते हैं. टीचर ! पर जो आत्मा से परिचय करा दे उसे सद्?गुरु कहते हैं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1893: महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्सबर्ग में ट्रेन से बाहर फेंके जाने के बाद, रंगभेद के खिलाफअपने पहले सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा की शुरुआत की।

1979: भारत के दूसरे प्रायोगिक रिमोट सेंसिंग उपग्रह 'भास्कर-प्रथम' का सोवियत संघ के कॉसमॉस-3 एम रॉकेट की मदद से सफल प्रक्षेपण किया गया।

1955: अमेरिका के लॉस एंजिल्स में पहले 'ड्राइव-इन' मूवी थियेटर (गाड़ी में बैठकर फिल्म देखने की सुविधा) की शुरुआत हुई।

1998: अमेरिका के टेक्सास में जेम्स बर्ड जूनियर नामक अश्वेत व्यक्ति के साथ नस्लीय घृणा के कारण दिल दहला देने वाली घटना घटी, जिसने बाद में अमेरिकी नागरिक अधिकार कानूनों को मजबूत करने में मुख्य भूमिका निभाई।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

दृश्य मनोरम प्रकृति के मन को भाते कितने हैं, हरे भरे कोमल पत्ते भी सपने भरमाते कितने हैं। कल कल नाद ये नदियों का गम्भीर प्रकति पर्वत न्यारी निस्तब्ध से नीले अम्बर में छिपी हुई है कथा हमारी। फूलों की क्षणभंगुर मुस्कान जीवन का संदेश सुनाती, जो खिलकर भी झरना जाने वो सच्ची सुंदरता पाती। पत्तों की सरसाहट में समय का मर्म छिपा रहता, सुन ले प्रकृति की वाणी जो उसका ही अंतर्मन जगता। दृश्य मनोरम प्रकृति के मन को भाते कितने हैं, पर उनसे भी सुंदर वे क्षण जब हम स्वयं से मिलते हैं। **– मधुलिका शुक्ला**

संवेदनाओं से उलझती पल-पल चलती सांसें गहन चिंतन है मांगती ज़ब्त होती उच्छ्वासें नज़रों का खालीपन शुन्य बस उपजा रही बौद्धिकता में श्रेष्ठ है कहा-सुना झूठला रही एक दीवाना वीराने में खुद सा कोई ढुंढता है पत्थर के बुत को चुम दिल की बात कहता है छोड़ आया हूँ वह शहर कंक्रीटों से बना जंगल है तू सुन सकता है बात मेरी सुकून यहां पल-पल है। **– सपना चन्द्रा**

पहन कर रँग मौसम के गुलाबों सी महकती हूँ। झटकती जुल्फ से बादल मैं सावन सी बरसती हूँ, खिली ज्यों धूप बासन्ती पिया पहलू में आ तेरे, लगा कर प्रीति का काजल मैं कोयल सी चहकती हूँ। **– डॉ किरण मिश्रा**

कभी हँसते हुए छोड़ देती है ये जिंदगी कभी रोते हुए छोड़ देती है ये जिंदगी। *न पूर्ण विराम सुख में, न पूर्ण विराम दुःख में, बस जहाँ देखो वहाँ अल्पविराम छोड़ देती है ये जिंदगी। प्यार की डोर सजाये रखो, दिल को दिल से मिलाये रखो, क्या लेकर जाना है साथ मे इस दुनिया से, मीठे बोल और अच्छे व्यवहार से रिश्तों को बनाए रखो। **– पितांबर श्रीवास्तव**

मासूम था बचपन खेल थे निराले, मन के थे गोरे तन के थे काले, सोते थे छत पर गिनते थे तारे, तारे जो होते थे ढेर सारे, कब गुजरती थी शाम शाम से रात वक्त का नहीं था कोई हिसाब , सांथ हमारे होती थी सपनों की किताब, पन्ने किताब के वो भूले ना भुलाये, काश वो दिन फिर लौट आये, बस चले तो पहिया वक्त का वापस घुमां दूं, आसान नहीं कि वो बचपन भुला दूं। **– प्रशांत श्रीवास्तव**

सूरज मत छू, उँगलियाँ जल जाएँगी। चाँद पकड़ना मत मुट्ठियाँ जम जाएँगी। रात बहुत हुआ अब सो जा, तारों से तो खेलो मत, हथेलियों छिल जाएँगी। परेशान हूँ मैं तेरी शरारतों से, और समंदर मत ला देहरी पर, घड़े सब भरे पड़े हैं नमकीन पानी से। बस एक लोटकी पोखर का पानी भर ला, नहीं तो ये प्यास नहीं बुझ पाएगी। **– राकेश मिश्रा**

ये मत पूछो कहाँ उलझी हुई हूँ मैं खुद से खुद में ही जकड़ी हुई हूँ नहीं है होश कुछ मुझको मेरा ही किसी अहसास में लिपटी हुई हूँ ये दुनिया हो चुकी बेमानी तबसे तेरे दिल की मैं जब क़ैदी हुई हूँ ग़ज़ल बन कर मैं उसकी हो न पाई रुबाई बन के ही छाई हुई हूँ दिखाई कैसे मैं दूँगी किसी को तेरी आग़ोश में पिघली हुई हूँ सुनाओ मत मुझे दुनिया के किस्से किसी किस्से की मैं रानी हुई हूँ मेरी 'ममता' पे मत इल्ज़ाम देना मैं जो भी हूँ...तेरी ढाली हुई हूँ। **– ममता लड़ीवाल**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि - आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज कॉलेज से जुड़े किसी काम की भागदौड़ रहेगी। आज परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों में आप व्यस्त रहेंगे।

वृष राशि– आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज किसी को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे, जिनको आप अपने बिजनेस में इन्वेस्ट करके बिजनेस बढ़ाएंगे।

मिथुन राशि– आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापार में आपको कम मेहनत के उपरांत भी अ'छा लाभ होगा। कंपनी में कोई इम्पोर्टेन्ट काम की जिम्मेदारी आपको दी जाएगी, जिसको आप पूरी मेहनत से पूरा करेंगे।

कर्क राशि– आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस में आपको कोई बड़ा टारगेट मिलेगा। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई करने के तरीके को चेंज करेंगे जिससे उनको बेहतर परिणाम मिलेंगे।

सिंह राशि– आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी बढ़िया कंपनी से जॉब का बड़ा ऑफर आयेगा। आपके गृहस्थ जीवन में खुशियां भरी रहेंगी।

कन्या राशि– आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आपको अपनी वाणी में मधुरता रखने की जरूरत है। अपने व्यवहार को आज नम्र बनाये रखें।

तुला राशि– आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। कार्यों को पूरा करने में आ रही अड़चनें आज समाप्त होंगी। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी।

वृश्चिक राशि – आज आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा। बिजली विभाग के कर्मचारियों का आज दिन अ'छा रहेगा।

धनु राशि – आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल रहेगा। आज दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर जाने का मन बनायेंगे।

मकर राशि – आज आपका दिन बढ़िया गुजरने वाला है। आज घरवाले आपकी तरक्की से प्रसन्न होंगे। लाईब्रेरियन की सैलरी में आज इन्क्रीमेंट होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में वृद्धि होगी।

कुम्भ राशि– आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई भी निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए।

मीन राशि– आज आपका दिन उत्तम रहेगा। वर्किंग पेरेंट्स आज अपने ब'चो के लिए समय निकालेंगे और ब'चों के साथ गेम खेलेंगे। सिंगर्स को आज किसी बड़े एल्बम में गाने का मौका मिल सकता है।

QUIZ TIME

1) एच.आई.वी में पाया जाने वाला न्यूक्लिक अम्ल होता है

2) 1955 में बांडुंग सम्मेलन कहाँ हुआ था?

3) शिव समुद्र एक द्वीप है जो बनाया गया है-

4) आर्य समाज की स्थापना 1875 में पहली बार कहां हुई थी?

5) हाल ही में किस राज्य में दुर्लभ प्रवासी पक्षी पल्लास्स गल को देखा गया?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) आरएनए (2) इंडोनेशिया (3) कावेरी नदी (4) बंबई (5) झारखण्ड

पहेली

शब्द सामर्थ्य -062

पुलिस पर 2 लाख रिश्वत लेने का आरोप, एसपी से जांच की मांग

दुर्ग/नवप्रदेश। चिट्टा केस में गिरफ्तार महिला के परिचित एक युवक ने पुलिस पर कस्टडी में हथकड़ी पहनाकर रखने, मारपीट और छोडऩे के एवज में 2 लाख रुपए मांगने का आरोप लगाया है। युवक ने कहा कि पुलिस ने कॉल रिकॉर्डिंग डिलीट कराने की शर्त पर उसे छोड़ा है। युवक ने मामले की लिखित शिकायत दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल से की है और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

आरोपी पक्ष से पैसे मांगने का वीडियो-ऑडियो सामने आने के बाद दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने पुरानी भिलाई थाना में पदस्थ उप निरीक्षक तुलसीराम साहू और खुर्सीपार थाना में पदस्थ उप निरीक्षक देवलाल साहू को निलंबित कर दिया था। दोनों को रक्षित केंद्र में अटैच करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। शिकायतकर्ता सुनील महाराणा ने बताया कि 1 जून को उसकी परिचित महिला ने उसे साथ चलने कहा था। महिला ने कहा कि एक व्यक्ति के पास मोबाइल के बदले दिया गया पैसा वापस लेना है। वाहन न होने के कारण उसने सुनील से साथ चलने का आग्रह किया। दोनों सिरसा गेट के पास पहुंचे, जहां अमित नामक युवक से मोबाइल

और पैसों को लेकर बातचीत हुई। पहले 2000 रुपए देने की बात हुई थी, लेकिन सामने वाला 1500 रुपए दे रहा था। इसी दौरान रकम को लेकर विवाद और बहस शुरू हो गई।

सुनील ने आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान कुछ लोग सिविल ड्रेस में पहुंचे और खुद को क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बताते हुए उसे व अन्य लोगों को साथ लेकर गए। उसे भिलाई-3 थाना ले जाया गया, जबकि जिस व्यक्ति को लेकर विवाद था, उसे बाद में छोड़ दिया गया। अमित नामक युवक के पास से कथित तौर पर नशीला पदार्थ मिला था, लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उलटे उसे थाने लाकर पूछताछ करते हुए मारपीट की गई। सुनील का कहना है कि उसने पुलिस को बताया था कि अमित के साथ उसका कोई संबंध नहीं है और वह केवल महिला की मदद के लिए गया था, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई। पुलिसकर्मियों ने कहा कि 2 लाख रुपए देने पर उसे छोड़ दिया जाएगा। पैसे न देने पर गांजा और चिट्टा के मामले में फंसाकर 10 साल तक जेल भेजने की धमकी दी गई। हिरासत के दौरान मारपीट कर उसके हाथ-पैर और सिर पर चोट पहुंचाई गई। रात करीब साढ़े 9 बजे उसे छोड़ दिया गया।

पुलिस को गिरफ्तार महिला रज्जो कौर की बेटी जसबीर कौर के पास रकम की डिमांड किये जाने की रिकॉर्डिंग होने का पता चलने पर उसे इस शर्त पर छोड़ा गया कि वह सभी रिकॉर्डिंग डिलीट कराएगा।

घरेलू सिलेंडर की कीमत दूसरी बार बढ़ने पर अरुण वोरा ने किया केंद्र सरकार पर प्रहार

■ महंगाई पर नियंत्रण करने में मोदी सरकार पूरी तरह विफल : वोरा

दुर्ग/नवप्रदेश। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर 29 रुपये की वृद्धि होने पर पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया है। वोरा ने कहा कि भाजपा सरकार ने महंगाई को जनता की नियति मान लिया है। रसोई गैस, खाद्य तेल, दाल, सब्जियां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। आम नागरिकों की आय का बड़ा हिस्सा केवल घर चलाने में खर्च करना पड़ रहा है। भाजपा सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। वोरा ने कहा कि पिछले पिछले कुछ दिनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। आज देश की गृहिणियां सबसे ज्यादा परेशान हैं। घरेलू गैस की कीमतें पिछले 12 वर्षों में लगभग 530 रुपये तक बढ़ चुकी हैं। घरेलू गैस, सीएनजी, कॉमर्शियल सिलेंडर महंगे होने और परिवहन खर्च बढऩे से रोजमर्रा की वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं। इसका सीधा असर मध्यम वर्ग, मजदूर, किसान, छोटे व्यापारी और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में पश्चिम एशिया संकट के दौरान 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण को लेकर बड़-बड़े दावे किए थे। अगर सरकार ने इतने व्यापक स्तर पर वैकल्पिक ईंधन स्रोतों की व्यवस्था कर ली थी, तो आज गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि क्यों हो रही है?

न्यूज गैलरी

ईस्ट एंड वेस्ट डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर परियोजना 25 गांवों में जमीन खरीदी-बिक्री प्रतिबंधित

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा विगत 3 जून को जारी आदेश के माध्यम से दुर्ग जिले में प्रस्तावित ईस्ट एण्ड वेस्ट डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर परियोजना के निर्माण हेतु तहसील दुर्ग और पाटन के ग्रामों के निजी भूमि का खाता विभाजन, अंतरण, व्यपवर्तन, खरीदी-बिक्री आदि को प्रभावित ग्रामीणों के हितों की रक्षा और परियोजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश पर्यन्त अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किये जाने के संबंध में आदेश जारी किया था। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आदेश में संशोधन करते हुए उक्त आदेश की कंडिका-4 में उल्लेखित ग्रामों के स्थान पर दुर्ग तहसील अंतर्गत ग्राम बिरेझर, चंगोरी, कोनारी, चंदखुरी, हनोदा, खम्हरिया, उमरपोटी, उतई, डुमरडीह, पाटन तहसील अंतर्गत ग्राम परेवाडीह, पहंडोर, औंधी, मगरघटा, बेन्द्री, नारधी, महकाकला, महकाखुर्द, कुरूदडीह, बटंग और भिलाई-3 तहसील अंतर्गत सिरसाकला, परसदा (पाहंदा), सोमनी, गनियारी, देवबलोदा, उरला के कुल 25 ग्राम शामिल किया है। आदेश की शेष शर्ते यथावत रहेगी।

बाबा रुक्खडनाथ धाम में सांसद विजय बघेल ने की पूजा-अर्चना

भिलाई। लोकसभा सांसद विजय बघेल ने ग्राम नारदा स्थित प्रसिद्ध बाबा रुक्खडनाथ धाम पहुंचकर पश्चिममुखी हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की सुख, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। ग्राम नारदा स्थित यह पश्चिममुखी हनुमान मंदिर विशेष पहचान रखता है। यह मंदिर हिन्दुस्तान का पहला ऐसा मंदिर है, जहां भगवान हनुमान की प्रतिमा गाय के गोबर से निर्मित है। मंदिर की इस अनूठी विशेषता का उल्लेख प्रसिद्ध कथा वाचक दिलेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी कथा के दौरान किया था, जिसके बाद इस धाम की ख्याति और अधिक बढ़ी है। सांसद विजय बघेल ने मंदिर परिसर का अवलोकन करते हुए इसकी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक स्थल भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और गौ-संवर्धन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

साहू समाज ने किया वृक्षारोपण

पाटन। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू के आह्वान पर पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा और स्थानीय साहू समाज सेलूद के संयुक्त तत्वावधान में धान खरीदी केंद्र सेलूद परिसर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख सलाहकार खेमलाल साहू ने कहा कि प्रदेश साहू संघ द्वारा प्रकृति संरक्षण-संवर्धन के लिए सामाजिक सरोकार से जुड़ी यह पहल अत्यंत सराहनीय है। सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन केवल सरकारी प्रयासों से यह कार्य संभव नहीं है। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी ने कहा कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए प्रदेश साहू संघ द्वारा शुरू किया गया यह अभियान समाज को जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर न्याय प्रकोष्ठ संयोजक कौशल बनपेला, उपाध्यक्ष संतोष साहू, अंकेक्षक शशिभूषण साहू, संगठन सचिव अर्जुन साहू, सोसायटी अध्यक्ष टामन साहू, महिला संयोजिका खेमीन साहू, रवि साहू, अनिल बनपेला, स्थानीय अध्यक्ष जयंत साहू, उपसरपंच राकेश साहू, जयप्रकाश साहू, शैल साहू, ललिता बनपेला, पीतांबरी साहू, धनंजय साहू, लेखराम साहू, अमरचंद साहू, भोज साहू, विक्रांत साहू सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि योजना की बैंकवार समीक्षा, पेंडिंग आवेदन स्वीकृत करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

■ जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभागवार समीक्षा

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक 6 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष दुर्ग में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कलेक्टर ने विभिन्न शासकीय विभागीय योजनाओं का विभागवार और बैंकवार समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान कई विभागों की योजनाओं की प्रगति में कमी का पता चलने पर वित्तीय वर्ष में पूर्ण करने के निर्देश दिये। विभागों और बैंक के मध्य उचित समन्वय स्थापित कर दुर्ग जिले में चल रही

विभिन्न योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति के लिये निर्देशित किया।

बैठक में प्राथमिकता क्षेत्र अंतर्गत दिए जाने वाले लोन, जनसुरक्षा योजना बीमा, पेंशन और विभिन्न विभागों के शासकीय योजनाओं की बैंकों में लंबित आवेदनों की विस्तृत चर्चा कर समीक्षा की गई, जिसमें चारों नगर निगम दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई चरौदा के कमिश्नर की उपस्थिति में कलेक्टर द्वारा पीएम स्वनिधि योजना की बैंकवार समीक्षा की गई। 15 जून तक सभी लंबित आवेदनों को निराकृत कर पोर्टल में अपडेट करने के निर्देश दिए गए। पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना पीएम एफएमई, पीएम ईजीपी, खादी ग्रामोद्योग व पीएम अजय योजना अंत्यावसायी विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, मछली पालन, पशु पालन अंतर्गत बैंकों में लंबित आवेदनों की प्रगति व शिकायतों की समीक्षा की गई।

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर से एलडीओ सदानंद बास्की, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग, नाबार्ड से अंशु गोयल, बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी निदेशक गुलशन कुमार, एफएलसी दुर्ग लेखराम ध्रुव, सीईओ अंत्यावसायी आदर्श साव, डीपीएम एनआरएलएम सागर पंसारी व बैंकों के जिला समन्वयक, शाखा प्रबंधक, विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

राम रसोई ने 18.72 लाख थालियों के वितरण का बनाया कीर्तिमान

■ द्वितीय वर्षगांठ को यादगार बनाने आज हनुमान मंदिर मालवीय नगर में समारोह

दुर्ग/नवप्रदेश। सेवा, समर्पण और मानवता की मिसाल बन चुकी श्री राधाकृष्ण मंदिर, महेश नगर दुर्ग द्वारा संचालित श्री राम रसोई के सफल संचालन के दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर को यादगार बनाने संस्था द्वारा 8 जून को संकट मोचन हनुमान मंदिर मालवीय नगर चौक में द्वितीय वर्षगांठ समारोह का भव्य आयोजन किया गया है। समारोह सुबह 11.45 बजे शुरू होगा। संस्था के प्रमुख चतुर्भुज राठी ने बताया कि श्रीराम रसोई के माध्यम से दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव और गुण्डरदेही सहित कुल 25 स्थानों पर जरूरतमंद लोगों को मात्र 20 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। सेवा के इस अभियान ने दो वर्षों में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 18 लाख 72 हजार 700 थालियों का वितरण किया है, जो अपने आप में उल्लेखनीय कीर्तिमान है। राठी ने बताया कि श्री राम रसोई का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सम्मानपूर्वक भोजन पहुंचाना है। इसी भावना के साथ हजारों स्वयंसेवक और कार्यकर्ता निरंतर सेवा कार्य में जुटे हुए हैं। उनकी मेहनत और समर्पण के कारण अभियान लगातार विस्तार पा रहा है और आमजन का विश्वास अर्जित कर रहा है। द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में राम रसोई से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान व उत्साहवर्धन किया जाएगा।

स्क्रैप चोरी के मास्टरमाइंड की तलाश जारी

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी स्क्रैप चोरी मामले में फरार मास्टरमाइंड संजय सिंह (50) और उसके बेटे अभय सिंह (28) की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस दोनों आरोपियों की लगातार तलाश कर रही है। पुलिस द्वारा आरोपियों की सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखने की बात कही गई है। हाल ही में भिलाई स्टील प्लांट से फ्लू डस्ट परिवहन की आड़ में बीएसपी से चोरी किए गए स्क्रैप के अवैध परिवहन और कारोबार से जुड़े मामले में दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है। 26 मई को पुलिस ने ग्राम अकलोरडीह, खदान पारा स्थित एके ट्रेडर्स और प्लॉट नंबर 18 ए/05, एचआईए हथखोज, भिलाई में जांच की थी।

जांच के दौरान कई हाईवा और ट्रकों में फ्लू डस्ट के साथ बीएसपी से चोरी की गई लोहे की प्लेटें, बीम और कटिंग सामग्री लोड मिली। मौके से बड़ी मात्रा में लोहे का स्क्रैप भी बरामद किया गया। इसके अलावा स्क्रैप की लोडिंग और परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन और मशीनें भी जब्त की गई।

डॉक्टरों ने मृत बताया, अंतिम-संस्कार से पहले जिंदा हुआ

भिलाई/नवप्रदेश। स्टील सिटी में अजब वाकया हुआ। भिलाई के युवक को राजधानी रायपुर के एक निजी अस्पताल ने मृत घोषित कर रिश्तेदारों को बॉडी सौंप दी। जब रिश्तेदार अंतिम संस्कार के लिए उसे लेकर जा रहे थे, तभी युवक के शरीर में हरकत होने लगी। रिश्तेदार उसे दोबारा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज शुरू किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रिश्तेदारों ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें युवक जीवित नजर आ रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर

वायरल हो रहा है। इस मामले में रिश्तेदारों ने अस्पताल मैनेजमेंट पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉ. आशीष मित्तल ने कहा कि मरीज की हालत गंभीर थी, लेकिन उसे मृत घोषित नहीं किया गया था। परिवार वाले अपनी मर्जी से मरीज को ले गए थे और इसके लिए उन्होंने लीव अगेंस्ट मेडिकल एडवाइस) फॉर्म पर हस्ताक्षर किए थे।

अस्पताल परिसर से बाहर निकलने के कुछ समय बाद एम्बुलेंस में अचानक युवक के शरीर में हलचल होने पर रिश्तेदार घबरा गए। युवक के हाथ-पैर हिलने लगे थे। उन्हें यकीन नहीं हुआ कि जिस युवक को मृत घोषित किया गया था, उसके शरीर में हरकत कैसे हो सकती है।

युवक के घर पर अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं। अर्थी सजाई जा चुकी थी और टेंट लग चुका था। शरीर में हलचल देखने के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार रोक दिया। रिश्तेदार उसे लेकर फौरन मेकाहारा पहुंचे, जहां युवक को भर्ती किया गया। बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

युवक के परिवारजनों का कहना है कि युवक के शरीर में हरकत होने के बावजूद उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिये।

महापौर ने तीन वार्डों में किया भूमिपूजन

जलभराव और आवागमन की समस्या होगी दूर, विकास कार्यों से बदलेगी वार्डों की तस्वीर

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। शुक्रवार शाम महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, पार्षद आरएन वर्मा, गोविंद देवांगन, अजीत वैद्य, रंजीता पाटिल, ममता देवांगन सहित बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों के साथ विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। महापौर ने वार्ड 2 राजीव नगर में सड़क सीमेंटीकरण कार्य, वार्ड 12 मोहन नगर में पुलिया और नाली निर्माण कार्य और वार्ड 26 संतरा बाड़ी में नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास की महत्वपूर्ण सौगात दी। इन कार्यों के पूर्ण होने से नागरिकों

को वर्षों से चली आ रही जलभराव, गंदे पानी की निकासी और आवागमन संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कर नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली और पुलिया जैसी मूलभूत संरचनाएं किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। निगम प्रशासन नागरिकों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्यों को गति दे रहा है।

महापौर ने अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

माटरा को मिली 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की सौगात

■ मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया लोकार्पण

दुर्ग/नवप्रदेश। छग के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिले के ग्राम माटरा में नवनिर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया। लगभग 2 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से तैयार उपकेंद्र क्षेत्र के 16 गांवों पेण्ड्रीतराई, कोकड़ी, हरदी, गोता, खजरी, ठेंगाभाठ, माटरा, दारगांव, बिरोदा, मोहलाई, मोहरेंगा, कंदई, टठिया, तारकोरी, दौराभाटा और छिराही के हजारों उपभोक्ताओं और किसानों के लिए वरदान साबित होगा। उपकेंद्र के शुरू होने से अब इन क्षेत्रों में कम वोल्टेज और बार-बार बिजली गुल होने की समस्या का स्थायी समाधान हो गया है, जिससे क्षेत्र में विकास की गति और तेज होगी। मंत्री गजेन्द्र यादव ने बिजली विभाग के अधिकारियों

और कर्मचारियों की कार्यक्षमता की सराहना करते हुए कहा कि मात्र छह महीने के रिकॉर्ड समय में भूमिपूजन से लेकर लोकार्पण तक का सफर पूरा करना विभाग की तत्परता को दर्शाता है। इस क्षेत्र में खेती और सब्जी-भाजी के उत्पादन के लिए बोरवेल की संख्या अधिक होने से बिजली का लोड लगातार बढ़ रहा था। नए उपकेंद्र के माध्यम से किसानों को कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त और उच्च गुणवत्ता वाली निर्बाध बिजली उपलब्ध हो सकेगी, जिससे फसलों की पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सरकार आने वाले समय में दारगांव में सोलर पैनल लगाने की योजना पर काम कर रही है, ताकि बिजली की उपलब्धता और बेहतर हो सके। भविष्य में प्रस्तावित नए 33/11 केवी और 132 केवी उपकेंद्रों के कार्यों को भी इसी तत्परता से पूर्ण किया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बेमेतरा के विधायक दीपेश साहू ने कहा कि उपकेंद्र का निर्माण क्षेत्र की जनता की बड़ी मांग थी, जो अब पूरी हुई है। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में बिजली की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करने छह और नए उपकेंद्रों की सौगात मिलेगी।

उरला-बघेरा में प्रस्तावित रेलवे का ओवरब्रिज और अंडरब्रिज निर्माण अधर में लटका, लोगों में आक्रोश

दुर्ग/नवप्रदेश। पटरीपार क्षेत्र में लगातार आबादी बढऩे से आवागमन की समस्या लगातार बढ़ रही है। कांग्रेस के पूर्व पार्षदों ने उरला और बघेरा रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज और अंडरब्रिज निर्माण की मांग की है। पूर्व पार्षदों ने कहा कि हर पांच-दस मिनट में क्रासिंग का गेट बंद होता है। भीषण गर्मी में रेलवे क्रासिंग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार में बच्चे, बूढ़े और महिलाएं परेशान होती हैं। रेलवे क्रासिंग के कारण पटरीपार क्षेत्र में 24 घंटे चक्काजाम की स्थिति बनी रहती है। क्षेत्र के लोगों की मांग पर रेलवे ने उरला और बघेरा रेलवे क्रासिंग को बंद कर वहां अंडरब्रिज और ओवरब्रिज बनाने का फैसला किया था। डेढ़ साल पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्माण कार्य के लिये वर्चुअल शिलान्यास भी किया था। लेकिन, इसके बाद प्रस्तावित स्थल के पास साफ सफाई और गड्ढे भरने के सिवा कोई काम नहीं किया गया। ओवरब्रिज और अंडरब्रिज निर्माण शुरू करने के बारे में रेलवे प्रशासन कोई जवाब नहीं दे रहा है। इसके कारण पटरीपार के बाशिंदों में असंतोष बढ़ रहा है। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अब्दुल गनी, देवकुमार जंघेल, लिखन साहू, पूर्व पार्षद अमृत लोढ़ा, डॉ. छत्रसाल गायकवाड, संजय सिंह, भोला महोबिया, मनोज चंद्राकर, अनिल देवांगन, मनीष यादव, सुरेंद्र ठाकुर, राजकुमार वर्मा, युवराज ठाकुर, जमुना साहू ने मांग की है कि तत्काल ओवरब्रिज बनाने का काम शुरू किया जाए।

आयोजन: पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने प्रकृति-आधारित समाधानों और विकास की आवश्यकता

भिलाई इस्पात संयंत्र में उत्साह से मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

भिलाई/नवप्रदेश। सेल-बीएसपी के पर्यावरण प्रबंधन विभाग द्वारा मानव संसाधन विकास केंद्र में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का आयोजन किया गया। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), भिलाई लोकल सेंटर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (संकार्य) बीके बेहरा, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अधिकारी, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंड सीसी), रायपुर डॉ. सौरभ उपाध्याय और मुख्य वक्ता प्रोफेसर (एनआईटी रायपुर) डॉ. शोभा

लता सिन्हा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सर्विसेज) पीआर भल्ला ने की।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा घोषित वर्ष 2026 की थीम इंस्पायर्ड बाई नेचर फॉर क्लाइमेट फॉर अवर फ्यूचर के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु प्रकृति-आधारित समाधानों और सतत विकास की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

पर्यावरण प्रबंधन की महाप्रबंधक प्रभारी उमा कटोच ने पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक दायित्व बताते हुए बीएसपी की सतत विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इसके बाद महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन) संजय शर्मा द्वारा उपस्थितजनों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन) के प्रवीण ने बीएसपी के पर्यावरणीय प्रदर्शन पर प्रस्तुति देते हुए वायु एवं जल प्रदूषण नियंत्रण, जल संरक्षण, संसाधन दक्षता और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में संयंत्र की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने संयंत्र की डी-कार्बोनाइजेशन कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला, जिसमें अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, कच्चे माल के उन्नयन, कार्बन कैप्चर और उपयोग व भविष्य में हाइड्रोजन आधारित इस्पात निर्माण तकनीकों को अपनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास शामिल हैं।

मुख्य व्याख्यान में डॉ. शोभा लता सिन्हा ने वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों, अक्षय ऊर्जा, स्थिरता के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका और औद्योगिकीकरण के पर्यावरणीय प्रभावों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने सतत विकास और जलवायु अनुकूलन के लिए तकनीकी प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

न्यूज गैलरी

पंजीकृत निर्माण श्रमिक के बच्चों के लिए नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के प्रथम दो बच्चो हेतु नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना संचालित है। इसके अंतर्गत कक्षा 1 से स्नातकोत्तर एवं व्यवसायिक में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं को रूपये 1000 से 10000 तक कक्षा अनुसार छात्रवृत्ति प्रदाय किया जाता है।इसके अतिरिक्त नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना लाभ प्राप्त करने वाले बच्चों को पृथक से स्टेशनरी एवं गणवेश हेतु 2000 रुपए प्रदाय किया जाता है। विभाग के द्वारा ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से उपरोक्त योजना अंतर्गत अधिक से अधिक आवेदन प्रस्तुत करने हेतु अपील किया गया है।च्वॉईस सेन्टर, श्रम संसाधन केन्द्र, विभाग का वेबसाईट श्रमेव जयते ऐप या श्रम कार्यालय कक्ष क्रमांक 117 कलेक्टर परिसर के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

गुडेलिया में समाधान शिविर आज 22 ग्राम पंचायत होंगे शामिल

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत सोमवार 8 जून को विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम पंचायत गुडेलिया में समाधान शिविर आयोजित की जाएगी जिसमें 22 ग्राम पंचायत के लोग शामिल होंगे।शिविर प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित होगा। गुडेलिया शिविर में ग्राम पंचायत बिटकुली, करहीबाजार, पथरिया, पासीद, रामपुर, लालपुर, ओटेबंद, केसला, मेकरी, लच्छनपुर, कोसमंदा, मोपका, धनेली, मोपकी, पाटन, खैरी (क), खपरी (आर), खैरा, चिचपोल, गुडेलिया, बोरसी (ध), राजपुर शामिल होंगे।।कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को शिविर की बेहतर तैयारी करने और विभागीय जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं। इस दौरान विभागीय स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

सड़क हादसे में नाबालिग समेत दो युवकों की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के गोडमर्रा मोड़ के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक नाबालिग सहित दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 5 जून को जबलपुर निवासी कृष्णा राणा (16), कुदारीदादर निवासी सूरज बरिहा (18) तथा सागर यादव (18) हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 11 बीएम 4314 से जबलपुर से बसना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गोडमर्रा मोड़ के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कृष्णा राणा और सूरज बरिहा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सागर यादव घायल हो गया। मर्ग जांच के बाद बसना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

स्कूटी को मारी टक्कर, चालक घायल

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना नगर के वीर नारायण चौक के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी चालक घायल हो गया। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 27 मई की शाम करीब 7.30 बजे विष्णुदत्त साव अपनी स्कूटी से बसना से सरायपाली मार्ग की ओर जा रहे थे। आदियोगी शिव मंदिर के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे वे घायल हो गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर बसना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफबीएनएस की धारा 125(ए) एवं 281 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

जुआ एक्ट के तहत 1 प्रकरण में चार जुआड़ियों से नगदी व पत्ती तास जब्त

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला एवं थाना पुलिस टीम द्वारा जरिए मुखबिर सुचना पर स्नष्टद्ध गोडाऊन के किनारे, नहर पार आम जगह, ग्राम बीजाभाठ में रेड कार्यवाही कर 04 जुआड़ी से नगदी रकम 3,480/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त किया गया। 06 जून को थाना सिटी कोतवाली पुलिस टीम को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम बीजाभाठ स्नष्टद्ध गोडाऊन के किनारे, नहर पार आम जगह में कुछ जुआडियान ताश पत्ती से रूपये पैसे का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सुचना पर थाना सिटी कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर 04 जुआड़ी पकड़े गए। जिसमें थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा में* 01 प्रकरण दर्ज कर 04 जुआडियानो 01. केशव बंजारे उम्र 25 वर्ष, निवासी बीजाभाठ, 02. सुरेश कुर्रे उम्र 25 वर्ष, निवासी बीजाभाठ, 03. समलिया साहू उम्र 45 वर्ष, निवासी नयापारा बेमेतरा, 04. संतोष देवांगन उम्र 46 वर्ष, निवासी बीजाभाठ थाना व जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 3(2),छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यावाही की गई हैं। जुआडियों के पास एवं फ्ड से कुल जुमला नगदी रकम 3,480/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, प्रशिक्षु उप निरीक्षक सुरज प्रकाश, विजयेन्द्र सिंह कश्यप, प्रधान आरक्षक रघुराज यदु, नरेन्द्र सिंह, आरक्षक शिव कुमार सेन, इंद्रजीत पांडेय, महेश जांगडे, सौरभ सिंह सहित सभी स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाजपा मंडल की मासिक बैठक संपन्न, विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

नगरी/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी मंडल नगरी की मासिक बैठक ग्राम सिरसिदा स्थित कर्मा भवन में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों तथा आगामी अभियानों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही पार्टी की योजनाओं एवं कार्यक्रमों को मंडल, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ रणनीति तैयार की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए मंडल प्रभारी मोहन नाहटा ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं ÷मोदी के 12 साल बेमिसाल÷ अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए सभी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक सफलतापूर्वक संचालित करने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बैठक उपरांत स्कूल परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। जनपद पंचायत सभापति प्रेमलता नागवंशी ने अपने उद्बोधन में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, शुद्ध वायु उपलब्ध कराने तथा आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रामसभा ने पेश की मिशाल

धमतरी जिले के नगरी विकासखण्ड के वनांचल गॉव मे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उदन्ती सीतानदी टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले ग्राम तूमड़ीबहार, अरसीकन्हार, ठेनहीं, खल्लारी, मांदागिरी, मसूलखोई, करका, जोरातराई, गाताबाहरा, भीरागाँव, चारगाँव नयापारा, खूदूरपानी, चंदनबाहरा, जूनवानी, तांगापानी और गोरसानाला में सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र मिलने के बाद वन संरक्षण की दिशा में खोज संस्था और ग्रामसभा के नेतृत्व में जंगल संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन की प्रक्रिया में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृहद अभियान चलाया गया, जिसमें 20000 सीडबाल, 55000 नर्सरी का निर्माण व पौधारोपण किया गया और पेड़ों को सुरक्षा संकल्प रक्षासूत्र बाँधा गया। इस कार्यक्रम में ग्रामसभा सदस्य सरपंच मोतिन बाई, सुरेश परदे ग्राम पटेल, प्रकाश ध्रुव, सुशील ध्रुव, बच्चन ध्रुव, आश्विनध्रुव, परमेश्वरी भण्डारी, पुष्पा देवी विश्वकर्मा तूमड़ीबहार, श्रीधन नेताम चारगाँव उपसरपंच,विष्णु नेताम सचिव करही, राकेश कश्यप, सुरेन्द्र गौर ठेनहीं, हेमराज कुंजाम, अजय नेताम, बिसरीबाई, जयसुला उपस्थित रहे।

5 दिवसीय विशेष अभियान में 29 स्थायी और 91 गिरफ्तारी वारंट तामील

120 वारंटियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय में किया पेश

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में अपराध नियंत्रण और लंबे समय से फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा 1 जून से 5 जून 2026 तक चले पांच दिवसीय अभियान के दौरान 120 वारंटियों को गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालयों में पेश किया। इनमें 29 स्थायी वारंटी और 91 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान स्थानीय न्यायालयों के साथ-साथ अन्य जिलों के न्यायालयों से प्राप्त वारंटों की भी तामील की गई। विशेष रूप से थाना सरायपाली क्षेत्र का वर्ष 2017 से लंबित 9 वर्ष पुराना स्थायी वारंट भी निष्पादित किया गया। इसके अलावा चेक बाउंस (एनआई एक्ट) के 7 वारंटियों को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। आबकारी अधिनियम के 9, मारपीट एवं गाली-गलौच जैसे अन्य मामलों के 9, एनआई एक्ट के 8, दुर्घटना का 1, चोरी का 1 तथा एनडीपीएस एक्ट का 1 मामला शामिल है। सभी वारंटियों को गिरफ्तार कर संबंधितन्यायालयों के समक्ष पेश किया गया।

अनुविभागवार कार्रवाई का विवरण महासमुंद : सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के 8 स्थायी एवं 7 गिरफ्तारी वारंट है। इसी तरह थाना तुमगांव में 2 स्थायी एवं 1 गिरफ्तारी वारंट, थाना खल्लारी में 1 स्थायी एवं 3 गिरफ्तारी वारंट, थाना बागबाहरा के 1 स्थायी एवं 10 गिरफ्तारी वारंट, थाना कोमाखान के 2 स्थायी एवं 10 गिरफ्तारी वारंट, थाना तेंदुकोना के 2 स्थायी एवं 2 गिरफ्तारी वारंट, थाना पिथौरा के 1 स्थायी एवं 4 गिरफ्तारी वारंट, थाना साकरा के 2 स्थायी एवं 9 गिरफ्तारी वारंट, थाना पटेवा के 2 स्थायी वारंट, थाना बसना के 1 स्थायी एवं 14 गिरफ्तारी वारंट, थाना सरायपाली के 5 स्थायी एवं 13 गिरफ्तारी वारंट, थाना सिंघोड़ा के 2 स्थायी एवं 13 गिरफ्तारी वारंट, थाना बलौदा के 5 गिरफ्तारी वारंट शामिल है।

पहले चरण में भी हुई थी बड़ी कार्रवाई

गौरतलब है कि इससे पहले 1 मई से 5 मई तक चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने 65 वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। लगातार दूसरे चरण में और अधिक प्रभावी कार्रवाई करते हुए इस बार 120 वारंटियों की गिरफ्तारी की गई है।

अपराधियों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी

पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि न्यायालयों द्वारा जारी स्थायी, जमानती वारंटों और समनों की त्वरित तामील सुनिश्चित की जा रही है। जिले में शांति व्यवस्था भंग करने वाले तथा कानून से बचने का प्रयास करने वाले तत्वों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

तस्करों की नई तरकीब फेलः कटहल के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 125 किलो गांजा, जब्त

पकड़े गए दो अंतरराज्यीय तस्कर, 70.93 लाख रुपये की गांजा, वाहन और मोबाइल जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। ओडिशा से उत्तर प्रदेश गांजा की बड़ी खेप लेकर जा रहे दो अंतरराज्यीय तस्करों को महासमुंद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्करों ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए पिकअप वाहन में कटहल के नीचे गांजा छिपा रखा था, लेकिन सटीक सूचना और पुलिस की मुस्तैदी के चलते उनका यह प्लान नाकाम हो गया। कार्रवाई में 125.700 किलोग्राम गांजा समेत करीब 70.93 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स एवं पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन क्रमांक यूपी-70 एलटी-0860 में दो व्यक्ति कटहल की आड़ में गांजा छिपाकर ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जा रहे हैं।

सूचना के आधार पर सिंघोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत रेहटीखोल चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच शुरू की गई। इसी दौरान संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई। वाहन चालक ने अपना नाम धीरेंद्र कुमार गौतम (42 वर्ष), निवासी करछना, जिला प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) तथा उसके साथ बैठे युवक ने अपना नाम लवकुश गौतम (22 वर्ष), निवासी बारा, जिला प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) बताया।

तलाशी के दौरान वाहन में लदे कटहल के नीचे छिपाकर रखी गई चार प्लास्टिक बोरियों से कुल 125.700 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजा ओडिशा के बलांगीर जिले से लाया गया था और उसे प्रयागराज में खपाने की योजना थी।

कृषि विभाग द्वारा अनियमितता पर अग्रवाल कृषि सेवा केंद्र सील

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार तथा उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक के मार्गदर्शन में कृषि केन्द्रों का सघन निरिक्षण की कार्यवाही करते हुए रविवार को उर्वरक निरीक्षण के दौरान एक कृषि सेवा केन्द्र में भारी अनियमितता पाए जाने पर केंद्र को सील बंद कर नोटिस जारी किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड कसडोल के उर्वरक निरीक्षक धनेश्वर साय के द्वारा ग्राम बया में संचालित अग्रवाल कृषि सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रय केंद्र में भारी अनियमितता पाई गई। कृषि केंद्र में उपलब्ध भौतिक उर्वरक स्कंध तथा पॉस मशीन में उपलब्ध स्कंध में भिन्नता पाई गई।इसके अलावा विक्रय केंद्र में स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक का उचित संधारण नहीं पाया गया। स्कंध एवं मूल्य सूची का प्रदर्शन अद्यतन नहीं किया गया था। इस कारण विक्रय केंद्र को सील करते हुए उर्वरक विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है।साथ ही विक्रय केंद्र को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया है। विकासखंड बलौदा बाजार के उर्वरक निरीक्षक लोकनाथ दीवान द्वारा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सरखोर का औचक निरीक्षण किया गया।

भाजपा गरियाबंद मंडल की मासिक बैठक संपन्न

संगठनात्मक कार्यक्रमों पर हुई विस्तृत चर्चा

गरियाबंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी गरियाबंद मंडल की मासिक बैठक आहूत की गई उक्त बैठक मे मुख्य रूप से भाजपा के जिलाध्यक्ष अनिल चन्द्राकर मंडल प्रभारी चंद्रशेखर साहू मंडल अध्यक्ष सुमित पारख नगर पालिका के अध्यक्ष रिखी राम यादव जिला पंचायत की उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर जिला पंचायत के सभापति शिवांगी चतुर्वेदी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा वरिष्ठ भाजपा नेता बलदेव सिंह हुंदल पूर्व मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिन्हा एवं अनूप भोसले मंच पर उपस्थित ढ्ढ रहे स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष सुमित पारख ने दिया एवं जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने मोदी जी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 8 जून से 21 जून तक होने वाले कार्यक्रमों को विस्तार से बतलाया मंडल प्रभारी चंद्रशेखर साहू जी ने मंडल के अंतर्गत शक्ति केंद्र एवं बूथ में होने वाले कार्यक्रम एवं बैठकों के बारे में बतलाया कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री प्रहलाद सिंह ठाकुर ने किया एवं बैठक का आभार मंडल मंत्री प्रकाश सोनी ने किया मंडल के बैठक में गरियाबंद मंडल के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पारस ठाकुर जिला प्रवक्ता नपा उपाध्यक्ष आसिफ़ मेमन विष्णु मरकाम मंडल महामंत्री किसान कांडरा लेखराम साहू सूरज सिन्हा सागर मयानी प्रतीक तिवारी गोविंद तिवारी टीकम साहू वीरेंद्र तिवारी तरुण ठाकुर प्रतीक सिंह परमानंद नेताम अमित बखरिया भुनेश्वर मांडवी उमेश राजपूत मोनू सिन्हा दुलारी मंझरी प्रियंका सोनी अर्चना गायत्री मोहित हरपाल क एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रोजगार दिवस धूमधाम से मनाया, श्रमिकों को दी जानकारी

नगरी/नवप्रदेश। जनपद पंचायत नगरी अंतर्गत ग्राम पंचायत ठेनही के आश्रित ग्राम अर्जुनी स्थित गणेश घाट रोड पर निर्माणाधीन नवीन तालाब कार्यस्थल में रोजगार दिवस का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत संचालित कार्यो की समीक्षा करते हुए श्रमिकों को रोजगार संबंधी अधिकारों, योजनाओं के लाभ तथा ग्रामीण विकास में जनभागीदारी के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने रोजगार दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनरेगा जैसी योजनाएं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नवीन तालाब निर्माण से क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों एवं ग्रामीणों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर जनपद सदस्य सिरधन सोम, सरपंच ज्योति सोम, उपसरपंच रुपेश नाग, पंचगण सुरेश सोरी एवं सुनती बाई नाग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेट साथी असकरण नाग, सुरेश नाग, जीवन ओटी, राकेश कश्यप, सुशील ओटी, महेश ठाकुर, घनाराम गौर, ग्राम पटेल आलम सिंह नेताम, गणेश नेताम, रायचंद सोरी, दर्शन लाल नेताम, गजानंद अहिर, रोजगार सहायक विशाल मरकाम, दिनेश यादव तथा अन्य ग्रामीणों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों एवं ग्रामीणों को रोजगार सृजन, जल संरक्षण तथा ग्राम विकास के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। रोजगार दिवस के आयोजन से ग्रामीणों में योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा विकास कार्यों को गति देने का संकल्प लिया गया।

बरगांव नदी में कार्रवाई आतरगांव में खुली छूट

राजस्व एवं खनिज विभाग की कार्रवाई पर सवाल?

डोंगरगांव /नवप्रदेश। अंचल के गांवों में समान्तर सरकार कोई नई बात तो नहीं है, बनिस्बत अवैध कृत्य कर शासन प्रशासन को चुनौती दी जा रही है। उल्लेखनीय है अवैध उत्खनन व परिवहन मामले में राजस्व विभाग के माध्यम से खनिज विभाग ने डोंगरगांव ब्लॉक के बरगांव नदी में जरूर कार्रवाई कर वाहनों को जब्त किया। वहीं आतरगांव नदी में अवैध खनन को खुली छूट मिली हुई है।

अनुभाग मुख्यालय से महज 7 किलोमीटर दूर स्थित कुमरदा तहसील के ग्राम आतरगांव में इन दिनों रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। आतरगांव में राजस्व व खनिज विभाग को धता बताते हुए रेत का दिन व रात अवैध परिवहन किया जा रहा है। ट्रैक्टरों के माध्यम से नदी से अनियंत्रित तौर से रेत निकाली जा रही है। नाम नहीं छापने की शर्त पर गांव के सूत्रों ने बताया कि एक माफिया ने ट्रैक्टर वाहन मालिकों की टीम बनाकर गांव के एक गुट को 26 हजार रकम देकर नदी से रेत निकालने की तथाकथित स्वीकृति हासिल की है। इसके बाद से दिन रात रेत निकासी की जा रही है। आलम ये है कि रेत माफिया था संबंधित गुट द्वारा शासन को देय राजस्व की भी चिंता नहीं करते हुए गांव में अवैध कृत्य के लिए समांतर सरकार चलाई जा रही है। सूत्रों की माने तो आतरगांव में लगभग 6 ट्रैक्टरों से नियमित रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है।

आँख बंद कर बैठे अफसर

आतरगांव के कुछ जागरूक ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की प्राकृतिक संपदा का खुलेआम दोहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार लोग मूकदर्शक बने हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इस विषय पर पखवाड़ेभर पुर्व ही समाचार पत्रों के माध्यम से राजस्व अफसर को सूचना दी गई थी, लेकिन विभागीय नुमाइंदे आख बंद कर बैठ गए।

आवास के नाम पर कालाबाजारी ?

ग्रामीणों के मध्य यह चर्चा भी जोरों पर है कि आवास निर्माण के नाम पर रेत निकाली जा रही है। लोगों का आरोप है कि जरूरत से अधिक मात्रा में रेत का उत्खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा है। इससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या आवास कार्य की आड़ में अवैध रेत कारोबार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कार्यक्रम: फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश, कलेक्टर समेत सैकड़ों लोग हुए शामिल

विश्व साइकिल दिवस पर निकली भव्य साइकिल रैली

महासमुंद/नवप्रदेश। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग महासमुंद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विविध खेल एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। मिनी स्टेडियम महासमुंद से आयोजित कार्यक्रम में साइकिल रैली, योग, जुंबा तथा आत्मरक्षा प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को फिटनेस, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7 बजे हिट हॉप जुंबा टीम के हितेश यादव एवं वैशाली ठाकुर के नेतृत्व में जुंबा सत्र से हुई। इसमें खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

इसके बाद सुबह 8 बजे मिनी स्टेडियम से भव्य साइकिल रैली का शुभारंभ किया गया। रैली बारोंडा चौक, शास्त्री चौक और गांधी चौक होते हुए पुनः मिनी स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं, नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

रैली में वन विद्यालय, फिजिकल अकादमी, नेटबॉल, बास्केटबॉल, कराते, बैडमिंटन, फुटबॉल, हैंडबॉल, योगा एवं एनसीसी से जुड़े प्रतिभागियों के साथ माई भारत संगठन, विभिन्न खेल संघों एवं सामाजिक संस्थाओं के सदस्य भी शामिल रहे।इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देकर न केवल स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और हरित वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

विश्व साइकिल दिवस पर संडे ऑन साइकिल रैली का आयोजन

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया मूवमेंट के तहत बलौदाबाजार में एक शानदार साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत योग भवन से भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, पार्षद जितेंद्र डड़सेना और वरिष्ठ नागरिक जयनारायण केशरवानी ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। फिट रहने,पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देती हुई यह रैली योग भवन से निकलकर ज्ञान गंगा स्कूल मार्ग से होते हुए वापस योग भवन में आकर संपन्न हुई। रैली में बड़ी संख्या में जिले के युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। साइकिल रैली के समापन के बाद योग भवन में ही जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर शिविर के दौरान विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण लेने वाले बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें मलखंभ के खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए हैरतअंगेज और साहसिक करतब मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे।

आरसेटी में किया गया पौधरोपण

राजनांदगांव। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं एनएसडीआर के निर्देशानुसार बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) राजनांदगांव में हमारी जमीन, हमारा भविष्य थीम पर पर्यावरण जागरूकता और पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक मुनीश शर्मा, डीडीएम नाबार्ड मनोज नायक, निदेशक आरसेटी अमित मिश्रा उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा द्वारा संस्थान परिसर में फलदार, छायादार और औषधीय पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पौधरोपण, भूमिगत जल संरक्षण के लिए ग्राउंड वाटर रिचार्ज और रेन वॉटर मैनेजमेंट की आवश्यकता के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि पर्यावरण संतुलन और ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज के लिए प्रत्येक व्यक्ति को हर साल एक पौधा लगाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का पौधरोपण अभियान नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को पौधरोपण और भूमिगत जल संरक्षण की सतत जिम्मेदारी उठानी चाहिए। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य ऋषभ मिश्रा व प्रेमचंद साहू, सेलफ़ोन रिपेयर के मास्टर ट्रेनर प्रशांत मिश्रा, संस्थान के स्टाफ इंदेश ठाकुर सहित आरसेटी में पशु सखी व मोबाइल रिपेयरिंग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे।

खाद-बीज की शिकायतों पर मुख्यमंत्री गंभीर : शिवसेना

राजनांदगांव। जून माह शुरू होते ही किसान खेती-किसानी के कार्य में जुट जाते हैं। बारिश की शुरुआत के साथ ही बोआई का कार्य प्रारंभ हो जाता है। खाद और बीज की आवश्यकता बढ़ जाती है। कई स्थानों पर सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कुछ निजी दुकानदारों द्वारा खाद की कालाबाजारी किए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इससे किसानों को अधिक कीमत पर खाद खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। शिवसेना के ग्रामीण जिलाध्यक्ष मुकेश साहू ने बताया कि इस विषय को लेकर शिवसेना प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के आह्वान पर किसान सेना प्रदेश अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव और शिवसेना प्रदेश सचिव कमल सोनी के नेतृत्व में प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधीशों को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से शासकीय सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने और निजी दुकानों में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई। दुकानों में संबंधित अधिकारियों के संपर्क नंबर सहित शिकायत सूचना बोर्ड लगाने की मांग भी की गई। इस संबंध में विभिन्न जिलों के कलेक्टरों और कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। शिवसेना द्वारा प्रदेशव्यापी आंदोलन व ज्ञापन अभियान के बाद मुख्यमंत्री ने खाद-बीज की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के सभी जिलाधीशों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। ग्रामीण जिलाध्यक्ष मुकेश साहू ने जिले के सभी शिवसैनिकों से अपील की है कि वे निजी खाद-बीज दुकानों पर नजर रखें और निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर सामग्री बेचने पर संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हुए शिक्षक लक्ष्मीकांत शर्मा

राजनांदगांव। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचारी शिक्षण पद्धतियों के सफल प्रयोग और विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए शिक्षक लक्ष्मीकांत शर्मा को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। उन्हें 6 जून को नई दिल्ली के द्वारका स्थित आईटीसी वेलकम होटल में आयोजित शिक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय शिक्षक परामर्श कार्यक्रम में प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। लक्ष्मीकांत शर्मा वर्तमान में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खपरीकला, विकासखंड डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव में गणित और संस्कृत विषय के शिक्षक के रूप में कक्षा 6 वीं से 8 वीं के विद्यार्थियों को शिक्षण कार्य करा रहे हैं। सम्मान का कार्यक्रम भारती एयरटेल फाउंडेशन और द टीचर ऐप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से चयनित शिक्षकों, शिक्षा विशेषज्ञों और नवाचारों से जुड़े शिक्षाविदों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल शिक्षण संसाधनों और नवाचार आधारित शिक्षण प्रक्रियाओं के प्रभावी उपयोग पर शिक्षकों के अनुभव, सुझाव और विचार प्राप्त करना था। कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मीकांत शर्मा ने शिक्षा में तकनीकी नवाचारों के प्रयोग, विद्यार्थियों में रचनात्मकता और तार्किक सोच विकसित करने के प्रयासों व आधुनिक शिक्षण विधियों के माध्यम से सीखने को अधिक प्रभावी और रोचक बनाने संबंधी अपने अनुभव साझा किए। उनके कार्यों और शिक्षा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रशंसा प्रमाण-पत्र भारती एयरटेल फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नूरिया अंसारी द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करते हुए लक्ष्मीकांत शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि उनके विद्यालय, विद्यार्थियों, अभिभावकों और समस्त शिक्षक समुदाय के सामूहिक प्रयासों और सहयोग का परिणाम है। यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण व नवाचार के साथ कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेगा। वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। शिक्षकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

श्री रामलला के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ में बनी रहे सुख-समृद्धि और खुशहाली: डॉ. रमन

■ **अयोध्या धाम से लौटे श्रद्धालुओं का भव्य सम्मान**

■ **रामायण मंडलियों को 3-3 हजार रुपए देने की घोषणा**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा है कि भगवान श्रीराम का आशीर्वाद छत्तीसगढ़ पर सदैव बना रहे और प्रदेश सुख-समृद्धि व खुशहाली के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और भगवान श्रीराम को छत्तीसगढ़ का भांजा माना जाता है। डॉ. सिंह रविवार को पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम में आयोजित श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के यात्रियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ के दर्शन कर लौटे श्रद्धालुओं का रामचरितमानस, शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान जय श्रीराम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के भव्य मंदिर का निर्माण वर्षों के संघर्ष और संकल्प का परिणाम है। यह करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से पहले बुजुर्गों को तीर्थाटन का अवसर मिला और अब श्री रामलला दर्शन योजना के जरिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर दर्शन का लाभ ले रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ. रमन सिंह ने जिले की सभी रामायण मंडली समितियों को स्वेच्छानुदान मद से तीन-तीन हजार रुपये देने और सभी तीर्थयात्रियों को श्रीरामलला की फोटो फ्रेम भेंट करने की घोषणा की। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा श्रद्धालुओं के लिए यात्रा के दौरान की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय अनुभव साबित हो रही है।

कार्यक्रम में कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से 5,950 श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा कराई जा चुकी है। इस योजना का संचालन छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, आईआरसीटीसी और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जाती है।

सम्मान समारोह में अयोध्या धाम से लौटे श्रद्धालुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए यात्रा को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने यात्रा के दौरान उपलब्ध कराई गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राम भक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। समारोह में महापौर मधुसूदन यादव, श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष योगेश दत्त शर्मा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल, राजगामी संपदा न्यास अध्यक्ष पूर्णिमा साहू सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

■ **फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए साइकिलिंग जरूरी**

बेमेतरा/नवप्रदेश। भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संडे ऑन साइकिल अभियान का आयोजन किया गया। इसी अवसर पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, फिटनेस व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

साइकिल रैली में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, डीआईजी रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर, नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा, जनपद पंचायत बेमेतरा की अध्यक्ष हेमा दिवाकर सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, खिलाड़ी, विद्यार्थी व नागरिक शामिल हुए। रैली के दौरान सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि साइकिल चलाना स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का एक सरल और प्रभावी माध्यम है। इससे शरीर में स्फूर्ति आती है। हृदय स्वस्थ रहता है और व्यक्ति शारीरिक रूप से सक्रिय रहता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि साइकिलिंग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ फिट इंडिया मूवमेंट देशवासियों को स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। साइकिल चलाना केवल व्यायाम नहीं बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत का सशक्त माध्यम है।

विश्व साइकिल दिवस व ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर भारत माता चौक में पहली बार जुम्बा डांस का आयोजन किया गया। फिटनेस और मनोरंजन के अनूठे संगम के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, खिलाड़ियों और स्कूली बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। ऊर्जावान संगीत की धुनों पर सभी प्रतिभागियों ने जमकर जुम्बा डांस किया। कार्यक्रम का यह आकर्षक आयोजन लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा और फिटनेस को आनंद के साथ जोड़ने का सफल प्रयास साबित हुआ।

समापन अवसर पर प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, संघर्ष, समर्पण और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। शिविर के माध्यम से बच्चों व युवाओं को विभिन्न खेल विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। यह उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होगा।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर दिया फिट इंडिया का संदेश

बालोद/नवप्रदेश। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बालोद में 'फिट इंडिया मूवमेंट' के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित रैली सुबह 6.30 बजे से जिला मुख्यालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान से शुरू हुई। संडे ऑन सायकल सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान से प्रारंभ होकर, घड़ी चौक, पुराना बस स्टैण्ड, सदर मार्केट से होते हुए मधु चौक, कचहरी चौक से होकर वापस घड़ी चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में समाप्त हुई।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बालोद के उपाध्यक्ष कमलेश सोनी ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाई। आयोजन में पार्षद गिरिजेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों व युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में साइकिल अपनाने, शारीरिक रूप से एक्टिव रहने और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करना था।

डिप्टी सीएम शर्मा ने अभिषेक को दी बधाई

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के होनहार छात्र अभिषेक खरे की उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपने कवर्धा निवास कार्यालय में उनसे मुलाकात की और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महाराजपुर के कक्षा 10वीं के छात्र अभिषेक का चयन इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईजेशन के प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (युविका) के लिए हुआ है।

वृद्धजनों, विधवाओं व दिव्यांगों को पेंशन राशि दिलाएं राज्यपाल: अकबर

■ **रमेन डेका से अपनी शक्तियों का प्रयोग करने किया आग्रह**

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पिछले कई माह से वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन व सभी प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि पेंशनधारियों को नहीं मिल पा रही है। इसे लेकर प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने राज्यपाल को पत्र लिखा है। अकबर ने राज्यपाल से पेंशनधारियों को बकाया पेंशन राशि तत्काल दिलाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित करें कि भारत सरकार से इस मद की राशि आने तक किसी अन्य मद से नियमानुसार पेंशनधारियों को पेंशन का भुगतान करें। बाद में राशि का समायोजन किया जाए। ऐसा पहले भी किया जा चुका है। राज्यपाल रमन डेका को लिखे पत्र में अकबर ने कहा है कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन के साथ-साथ सभी प्रकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि केन्द्र व राज्य सरकार के राज्यांशों से दी जाती है। प्रदेश के लगभग 2270000 पेंशनधारियों को पिछले पांच माह से पेंशन राशि न मिलने से वे दर-दर भटक रहे हैं। कमरतोड़ महंगाई के चलते इन गरीबों का गुजारा बड़ी मुश्किल से हो रहा है। अब तो फूटी कौड़ी भी न होने से इन लोगों के समक्ष भूखे मरने की नौबत आ गई है। भीषण गर्मी में गरीब पेंशनधारी अपनी गुहार लेकर शासकीय कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। सुशासन तिहार के शिविर में मिल रहे आवेदनों व शिकायतों में सर्वाधिक संख्या पेंशन की राशि के लिए भटक रहे हितग्राहियों की है। इन सभी को सुशासन तिहार में शामिल करने की आवश्यकता है। यदि सुशासन तिहार समय अवधि में पेंशन ना मिलने पर सुशासन तिहार के बाद किसी का ध्यान इस ओर नहीं जाएगा।

संवैधानिक अधिकार का दिया हवाला

अकबर ने राज्यपाल के संवैधानिक अधिकार का हवाला देते हुए कहा है कि 'संविधान के अनुच्छेद 154 में राज्य की कार्यपालिका शक्ति परिभाषित की गई है। जिसके अनुसार राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी और वह इसका प्रयोग इस संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा करेंगे।

सांसद पांडेय ने लालपुरखुर्द में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

कवर्धा/नवप्रदेश। क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय ने पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत ग्राम लालपुर खुर्द में 16 लाख रुपए के विकास निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें 11 लाख रुपए का पुलिया निर्माण व 5 लाख रुपए का सीसी सड़क निर्माण कार्य शामिल है। इस अवसर पर सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि पुलिया व सीसी सड़क के निर्माण होने से ग्रामीणों को आवश्यक मूलभूत सुविधा उपलब्ध होगी। आवागमन सुगम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार सभी वर्गों की चिंता कर उल्लेखनीय कार्य कर रही है। सभी क्षेत्रों का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में विकास की गाथा लिखी जा रही है। भाजपा सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है।

सांसद पांडे ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को फोन कर निर्देशित किया। इस दौरान भाजपा के मंडल प्रभारी कल्याण सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष फलित साहू, पंडरिया मंडल अध्यक्ष रवीश ठाकुर, महामंत्री महेश यादव, नवलकिशोर पांडेय, तिवारी साहू, रोहित भास्कर, विशाल शर्मा, रमेश साहू, राजकुमार यादव, सरपंच अमृता रामकुमार यादव, पूरन राजपूत, अमन पाठक, स्वारथ साहू, रूपेश तिवारी सहित ग्रामीणजन मौजूद थे।

सांसद पांडेय ने पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम दुल्लापुर बाजार के सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया।

चोरी का सामान बरामद, एक गिरफ्तार

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम पुलिस ने नवीन बाजार स्थित यादव बर्तन भंडार में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। थाना कवर्धा पुलिस ने यह कार्रवाई की। मठपारा निवासी रूपचंद यादव ने थाना कवर्धा में शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 और 5 जून की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने उनके संस्थान यादव बर्तन भंडार की दुकान का शटर उठाकर कांसे, तांबे, पीतल और स्टील के बर्तनों सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। प्रकरण दर्ज होने के बाद थाना कवर्धा पुलिस ने जांच शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने रेवाबंध तालाब के पास घेराबंदी कर संदेही परमेश्वर धुर्वे को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी बादल सतनामी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। जांच में परमेश्वर धुर्वे और बादल सतनामी के विरुद्ध अपराध प्रमाणित पाया गया। पुलिस ने आरोपी परमेश्वर धुर्वे को 6 जून 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

विश्व सायकल दिवस: अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में आयोजन, महापौर मधुसूदन यादव रहे मुख्य अतिथि

फिट इंडिया संडे ऑन सायकल रैली में नागरिकों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन और छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजनांदगांव एवं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) राजनांदगांव के संयुक्त तत्वावधान में विश्व सायकल दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में फिट इंडिया संडे ऑन सायकल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को स्वास्थ्य, फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सायकलिंग के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों, विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों, आईटीबीपी के जवानों, पुलिस विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने सायकल रैली में शामिल होकर नियमित व्यायाम और सायकलिंग के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं, जिसके कारण अनेक प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। फिट इंडिया अभियान का

उद्देश्य लोगों को नियमित शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना है। सेहत की डोज, आधा घंटा रोज का संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा सायकल चलाने पर शरीर स्वस्थ, सक्रिय और ऊर्जावान रहता है। सायकल चलाना केवल एक खेल या शौक नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा पूरे देश में प्रत्येक रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन सायकल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लोगों को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक करने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम में खिलाड़ियों के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता यह दर्शाती है कि लोग अब स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हो रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से दैनिक जीवन में सायकलिंग को शामिल करने का आग्रह किया। आईटीबीपी कमांडेंट मनोज बहुगुणा ने कहा कि अनुशासित जीवनशैली ही स्वस्थ जीवन का आधार है। नियमित व्यायाम, खेल गतिविधियों और सायकलिंग के माध्यम से हम स्वयं को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और ईंधन की खपत को देखते हुए सायकल का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। सायकल न केवल स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। समाजसेवी प्रदीप शर्मा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा संचालित फिट इंडिया अभियान ने लोगों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बड़ी संख्या में लोग नियमित व्यायाम और सायकलिंग अपना रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम परिसर व निर्धारित मार्गों पर सायकल रैली निकालकर फिटनेस, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यालय संपदा अधिकारी
छ.ग. गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री पी. रामाराव आ. स्व. पी. बलैय्या, निवासी-क्वा.नं.-20/डी, सड़क नं.-28, एवेन्यू 'बी', सेक्टर-7, भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग अन्तर्गत जूही फ्लैट क्रमांक-103 (प्रथम तल), तालपुरी रूआबांधा भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में आबंटित है। आवंटी द्वारा उक्त फ्लैट का विक्रय पत्रक उप पंजीयक कार्यालय, दुर्ग से दिनांक 01.10.2015 एवं फ्री-होल्ड दिनांक 10.07.2017 के अनुसार, उक्त फ्लैट बयनामा रजिस्ट्री दिनांक 15.05.2026 को श्रीमती महुवा भट्टाचार्जी पति श्री सुखेन भट्टाचार्जी के नाम पर विक्रय कर दिया गया है। नवीन क्रेता श्रीमती महुवा भट्टाचार्जी के द्वारा आवेदन एवं पंजीकृत दस्तावेज आधार पर उक्त फ्लैट का स्वामित्व मण्डल अभिलेख में अपने नाम पर दर्ज कराने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः नवीन क्रेता श्रीमती महुवा भट्टाचार्जी के नाम पर हस्तान्तरण/नामांतरण किया जाता है, तो किसी भी व्यक्ति, वारिसान, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था बैंक, वित्तीय निकायों इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो, इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर लिखित में आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करे बाद में प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं नामान्तरण की कार्यवाही करने के लिए मण्डल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक 04.06.2026 को जारी किया गया।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र दुर्ग (छ.ग)

कार्यालय संपदा अधिकारी
छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अटल आवास योजनांतर्गत मुनगी फेस-01, रायपुर, में स्थित भवन क्रमांक 76, श्रीमती मायादेवी विश्वकर्मा पति श्री अरूण विश्वकर्मा के नाम पर आबंटित है। उक्त भवन को दिनांक 20.07.2017 को हस्तांतरण विलेख निष्पादित करा लिया गया है। मूल आंबटी के के द्वारा भवन को दिनांक 26.08.2017 को विक्रय कर दिया गया है। उक्त भवन को केता श्रीमती रामेश्वरी श्रीवास पति स्व. श्री विरेन्द्र श्रीवास, के द्वारा इस कार्यालय के आदेश क्रमांक-224 दिनांक 09.08.2018 को नामांतरण किया गया है। नामांतरीत द्वारा उक्त भवन को क्रेता नवीन श्रीमती रामेश्वरी राठौर पति श्री कमलाकांत राठौर, निवासी-वार्ड नं.-20 सूर्यवंशी पारा ग्राम पकरिया पोस्ट पकरिया, तह. व जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग) के पक्ष में दिनांक 15.04.2026 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन क्रेता श्रीमती रामेश्वरी राठौर पति श्री कमलाकांत राठौर, द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-02 शंकर नगर रायपुर (छ.ग)

न्यूज गैलरी

खेत में पलटा ट्रैक्टर, इंजन के नीचे दबकर युवक की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली थाना क्षेत्र के जोगीडीपा गांव में ट्रैक्टर पलटने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में युवक ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दब गया था। पुलिस के अनुसार अमरकोट गढ़पारा निवासी शरद कुमार यादव (30) ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 04 डीबी 9255 को खेत से चलाकर गांव लौट रहा था। इसी दौरान जोगीडीपा स्थित एक खेत में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में शरद कुमार यादव ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण में धारा 106(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 43 वाहन चालकों पर कार्यवाही

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 05 व 06 जून थाना बेरला 01 चालान में 01 वाहन चालको, चौकी मारो 10 चालान में 10 वाहन चालको, यातायात बेमेतरा 32 चालान में 32 वाहन चालको, कुल 43 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले जैसे तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, माल वाहक में सवारी बैठाना, तेज गति, घातक तरीके से वाहन खडी करना, मौके पर कागजात पेश न करना, बिना लायसेंस वाहन चालको के विरूद्ध 43 प्रकरण में 15,800/- रूपये समन शुल्क लिया गया।

चाय दुकान की आड़ में बिक रही थी शराब, दो भाइयों पर कार्रवाई

महासमुंद/नवप्रदेश। सांकरा पुलिस ने चाय दुकान की आड़ में अवैध शराब बिक्री के कारोबार का खुलासा करते हुए दो भाइयों के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बल्दीडीह स्थित एनएच-53 किनारे संचालित राहुल टी स्टाल में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकान संचालक राहुल टंडन (27) निवासी सपोस से पूछताछ की। तलाशी के दौरान दुकान से बिक्री के लिए रखी गई 70 झिल्ली देशी महुआ शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने भाई शत्रुघ्न डड़सेना के साथ मिलकर शराब बेचता है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है।

लक्ष्मी पाण्डेय के नेतृत्व में रेल यात्रियों को शरबत पिलाया गया

भाटापारा/नवप्रदेश। सुनील माहेश्वरी फैन्स क्लब के तत्वाधान मे जिला कांग्रेस महामंत्री लक्ष्मी पाण्डेय के नेतृत्व में भीषण गर्मी को देखते हुए आमजन एवं रेल यात्रियों को कुछ राहत पहुंचाने के उदेश्य से भाटापारा रेलवे स्टेशन में ठंडा आम का पना शरबत का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के पुनीत मानिकपुरी, अय्यूब बांठिया , ओमप्रकाश यदु ,ग्रामीण अध्यक्ष अमर मंडावी, संतोष सोनी, रमेश धृतलहरे, अशोक तिवारी गिरीश पारप्यानी, नवीन बक्स,हंसराज बंसल ,गन्नू यदु प्रमिला साहू, निर्मला कोसले, सुनीता यादव इत्यादि उपस्थित थे। श्रीमती लक्ष्मी पाण्डेय के द्वारा की गई इस सेवाभाव युक्त जनहित कार्यक्रम की आम जनता के बीच भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है।

मंदिर ले जाने के बहाने पति पर चाकू से हमला, पत्नी के खिलाफ अपराध दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के विवाद से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंदिर में पूजा करने के बहाने पत्नी पति को जंगल ले गई और मौका पाकर चाकू से हमला कर दिया। घायल पति की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार जटेसिरा निवासी हरि मंडल का विवाह डुंगुरीपाली निवासी वृंदावती मंडल से हुआ था। दोनों की दो बेटियां हैं। करीब छह माह पहले सामाजिक स्तर पर दोनों का एक वर्ष के लिए विवाह विच्छेद हुआ था। 5 जून को वृंदावती मंडल ने हरि मंडल को फोन कर बन दुर्गा मंदिर में पूजा करने जाने की बात कही और बसना स्थित नीलांचल राइस मिल के पास बुलाया। इसके बाद दोनों बाइक से मंदिर के लिए निकले। रास्ते में ग्राम बोईरडीह के पास महिला ने पगडंडी मार्ग से जंगल की ओर जाने को कहा।

जंगल में एक पेड़ के नीचे बैठने के दौरान महिला ने पति से अपना सिर उसकी गोद में रखने को कहा। आरोप है कि इसी दौरान उसने अपने पर्स से चाकू निकालकर पति के गले पर दो बार वार कर दिया। हमले में हरि मंडल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी महिला अपना मोबाइल और सैंडल मौके पर छोड़कर फरार हो गई। घायल की शिकायत पर बसना पुलिस ने आरोपी वृंदावती मंडल के खिलाफबीएनएस की धारा 118(1) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

युवा कलाकारों और छात्रों के छात्रवृत्ति के लिए 15 जून तक आवेदन आमंत्रित

भटगांव/नवप्रदेश। राज्य सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा अर्थाभावग्रस्त होनहार युवा कलाकारों और छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना 2021 स्थापित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रविष्टियां कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, कोसीर रोड, कालेज के पास सारंगढ़ में कार्यालयीन समय में 15 जून 2026 तक जमा कर सकते हैं। योजना की नियमावली अनुसार गुरू शिष्य परम्परा के अंतर्गत विगत 6 माह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ऐसे 2 प्रशिक्षार्थियों की प्रविष्टियां जिलाध्यक्ष की अनुशंसा से एवं स्कूल शिक्षा या उच्च शिक्षा के अध्ययन के लिए संस्था प्रमुख की अनुशंसा अनिवार्य है।

भाजपा जिला युवा मोर्चा आरुणि दानी का मनाया जन्मदिन

धमधा/नवप्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा दुर्ग के जिला महामंत्री एवं नगर पंचायत धमधा के विधायक प्रतिनिधि श्री आरूणी दानी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 6 जून 2026 को भारतीय जनता युवा मोर्चा धमधा मंडल के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू जी के नेतृत्व में विभिन्न सेवा एवं जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शनि मंदिर में पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात मंदिर परिसर के बाहर उपस्थित लोगों को मिठाई वितरण किया गया। साथ ही धमधा के शासकीय अस्पताल में मरीजों एवं परिजनों के बीच फल वितरण किया गया।

मवेशी तस्करों पर बेरला पुलिस का शिकंजा, दो तस्कर गिरफ्तार

8 नग गौवंश (पडवा, पडिया), प्रयुक्त पीकप वाहन जुमला कीमती करीबन 4 लाख 80 हजार रुपए सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। प्रार्थी गणेश वैष्णव उम्र 34 वर्ष, निवासी कोदवा, थाना साजा जिला बेमेतरा सहित अन्य गौवंश सेवकों ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 06.06.2026 को रात्रि में अपने ग्राम कोदवा से सिलघट तारालीम होते हुए सरदा अपने साथियों के साथ जा रहे थे सिलघट के डोकरी दाई मंदिर के पास मोड में पहुचे थे कि रात्रि करीब 3:30 बजे तारालीम तरुफसे एक पीकप गाडी लहराते सिलघट सामने की ओर आ रही थी, जिसमें गौवंश भरे होने की संदेह पर पीकप गाडी को रूकवाये, उसमें से दो व्यक्ति गाडी छोडकर भाग गए। मौके पर एक व्यक्ति मिला जिसका नाम पुछने पर करण पांचे पिता टीकाराम पांचे उम्र 20 वर्ष, निवासी बडगांव थाना लांजी जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) के रहने वाला बताये। उक्त सफेद रंग के पीकप क्रमांक स्क्क50 त 2082 को देखे तो पीकअप के डाला में 08 नग छोटे-बडे गौवंश मिला जिसे बिना चारा पानी के क्रुरता पूर्वक ठुस-ठुस कर गला को बंधा हुआ पीकअप वाहन में लोड होना पाया। करण पांचे से पुछने पर बताया कि वह और चालक मुकेश हरदे पिता फेकु हरदे उम्र 28 वर्ष, निवासी खंडवा थाना लांजी जिला बालाघाट और बंटी ग्राम बगदई थाना लांजी जिला बालाघाट के सांकरा(सिमगा) नेशनल हाईवे के पास से 08 नग गौवंश को उपरोक? वाहन में भरकर कत्लखान मध्य प्रदेश में बेचने के लिए ले जाना बताये। उक्त वाहन में 08 नग गौवंश को करण पांचे, चालक मुकेश हरदे और बंटी द्वारा छ.ग. के कृषक पशुओं का वध हेतु पीकप वाहन में क्रुरता पूर्वक लोड कर परिवहन करने कि रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ अपराध सदर धारा 4,6,10 छ.ग. कृषक पशु परीक्षण अधिनियम 2004 एवं धारा 11 छ.ग. पशु क्रू0 निवारण अधि0 1990 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान* 08 नग गौवंश (पडवा, पडिया), कीमती करीबन 80,000/- रूपये, घटना में प्रयुक्त वाहन पीकप क्रमांक स्क्क50 त 2082 कीमती करीबन 4,00,000/- रूपये, कुल जुमला कीमती करीबन 04 लाख 80 हजार रूपये को जप्त किया गया।

अवैध डीजल कारोबार पर पुलिस की कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

610 लीटर डीजल जब्त

छुरिया/नवप्रदेश। चिचोला पुलिस चौकी एवं डोंगरगढ़ डिवीजन की स्पेशल टीम ने अवैध रूप से डीजल का भंडारण और बिक्री करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 610 लीटर डीजल जब्त किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी अतीक खान उर्फ जुम्मन खान अब भी फरार बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार 06 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि यूपी प्रतापगढ़ ढाबा (जुम्मन ढाबा), रामपुर (खातूटोला) स्थित पाटेकोहरा बैरियर के पास अवैध रूप से डीजल का भंडारण कर ट्रक चालकों को बेचा जा रहा है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं एसडीओपी केसरीनंदन नायक के निर्देशन में स्पेशल टीम और चिचोला पुलिस ने संयुक्त रूप से दबिश दी।

रेड के दौरान पुलिस को देखकर डीजल खरीदने आए कुछ लोग खेत और जंगल की ओर भाग निकले। मौके पर मौजूद बहादूर अली (50 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से विभिन्न जरीकेनों और प्लास्टिक केनों में भरा कुल 610 लीटर डीजल बरामद हुआ, जिसकी कीमत 62,830 रुपये आंकी गई। साथ ही डीजल बिक्री से प्राप्त 500 रुपये नकद भी जब्त किए गए। कुल जब्ती की कीमत 63,330 रुपये बताई गई है।

पूछताछ में बहादूर अली ने बताया कि वह जुम्मन ढाबा में मैनेजर के रूप में कार्य करता है तथा डीजल की खरीद-बिक्री और भंडारण का काम देखता है। डीजल के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 एवं 7 के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

गौरतलब है कि जनवरी 2026 में भी जुम्मन ढाबा का नाम कथित नकली केमिकल युक्त यूरिया निर्माण और बिक्री के मामले में सामने आया था। उस समय चिचोला पुलिस ने लगभग 3 हजार लीटर नकली यूरिया जब्त कर कार्रवाई की थी। ऐसे में एक बार फिर उसी प्रतिष्ठान का नाम अवैध कारोबार के मामले में सामने आने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अवैध कारोबार के इस नेटवर्क के तार और पहुंच काफी बड़ी बताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में यह चर्चा जरूर है कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी से कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी पर उठ रहे सवाल?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुख्य आरोपी अतीक खान उर्फजुम्मन खान अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर क्यों है? पुलिस का कहना है कि उसकी तलाश जारी है, लेकिन क्षेत्र में गिरफ्तारी में हो रही देरी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

संगीता सिन्हा के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने थामा कांग्रेस का दामन

गुरूर/नवप्रदेश। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा जी एक दिवसीय महासमुन्द जिला प्रवास पर रही। जिला महिला कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटी महासमुंद द्वारा प्रथम महासमुन्द आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष संगीता सिन्हा को भव्य स्वागत सम्मान किया। इस दौरान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष संगीता सिन्हा के नेतृत्व में तुमगांव नगर पंचायत अध्यक्ष(निर्दलीय) श्री बलराम कांत साहू की धर्मपत्नी श्रीमती राधा साहू ने क्षेत्र के दर्जनों महिला समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष संगीता सिन्हा जी ने कांग्रेस गमछा पहनाकर पार्टी में* विधिवत शामिल किया इस दौरान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष संगीता सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस की जनहितैषी नीतियों और शीर्ष नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए तुमगांव नगर पंचायत की प्रथम महिला श्रीमती राधा साहू ने अपने दर्जनों महिला समर्थकों के साथ कांग्रेस प्रवेश ,महिलाओं का पार्टी में प्रवेश इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस की विचारधारा जनसेवा और सामाजिक न्याय की नीति और जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। महिलाओं का पार्टी से जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा ,नई सोच और नई मजबूती प्राप्त होगी महिलाओं के भागीदारी बिना किसी समाज और संगीता। का विकास संभव नहीं है कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं का सम्मान अधिकार और नेतृत्व का अवसर प्रदान किया।

क्षेत्र में प्रचंड गर्मी से हाल बेहाल, भूजल स्तर भी गिरा

भाटापारा/नवप्रदेश। तेज व भीषण गर्मी के चलते शहर व क्षेत्र का तापमान रविवार को 42-43 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा जिसके कारण लोग कूलर पंखो के चलने के बावजूद चिपचिपाहट का अनुभव करते रहे। इस बीच अनेक बार बिजली गुल होने की वजह से लोगो को और अधिक परेशान होने मजबूर होना पड़ा।

भीषण गर्मी के चलते सूर्य के तीखे तेवर से लोग हलकान है जिसके कारण आम लोग प्र 11 बजे से घरो मे कैद होने लगे है वही बैंक व अन्य दफ्तरो में भीषण गर्मी में चहल-पहल कमजोर है लोगो के घरो व सरकारी अर्ध्दसरकारी दफ्तरो मे लगे कूलर पंखो से लोग राहत महसूस नही कर रहे है क्योकि हीटवेव के चलते कूलर पखें भी गर्म हवा फेक रहे है। भीषण गर्मी के मार से ट्रेन व बस में सफर कर रहे यात्री के साथ-साथ पोहा राईस दाल मिलो के कर्मचारी कृषि उपज मंडी में कार्य कर रहे रेजा हमाल कुली तौलईया व गाड़ीवान भी परेशान है इस बीच गर्मी के कारण होटल व अन्य केंटीन में चाय की बिक्री कमजोर हो गई है। शहर में ठंडे पेय पदार्थ गन्ना रस बर्फआईसक्रीम ठंडा जुस फ्लो के रस की मंहगाई के बावजूद जबरदस्त बिक्री हो रही है लोग देर रात तक ठंडे पेय पदार्थो का आनंद लेने बाजार में नजर आने लगे है।

भीषण व प्रचंड गर्मी के बीच नगर के शासकीय व तीन दर्जन से अधिक छोटे-बड़े निजी अस्पतालों में उल्टी दस्त व हाथ पैर दर्द के अलावा लू पीड़ित मरीज बड़ी तादाद मे पहुंच रहे है डॉक्टरो ने लोगो को तेज धूप मे बिना किसी सूरक्षा के नही निकलने की सलाह दी है व गर्मी से बचने अधिक से अधिक पानी व पेय पदार्थो मौसमी फ्लो के जूस सेवन पर जोर दिया है गर्मी के चलते शहर का भूजल स्तर भी नीचे जा रहा है लालबहादुर शास्त्री वार्ड के बघेल नगर मे बीती रात्रि हुए बोर खनन में लगभग 470 फीट बाद डेढ़ इंच पानी का स्त्रोत मिला। क्षेत्र की जीवन दायिनी शिवनाथ नदी का जल प्रवाह की धारा भी टुटने लगी है।

आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज को दम्पति ने भेंट किया कुलर

नगरी/नवप्रदेश। भीषण गर्मी के मौसम में समाजिक जनों को राहत प्रदान करने की भावना से नगर पंचायत नगरी के वार्ड क्रमांक 01 निवासी श्रीमती ईश्वरी ध्रुव (सेवानिवृत्त लिपिक) एवं श्री डी. एस. ध्रुव (सेवानिवृत्त लिपिक) ने आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज नगरी को एक कुलर भेंट किया। समाज के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने दम्पति के इस सराहनीय सहयोग के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। समाज ने कहा कि उनका यह योगदान सामाजिक सरोकार, जनकल्याण एवं समाज सेवा के प्रति उनकी संवेदनशील सोच का परिचायक है। समाजजनों ने दम्पति के इस प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सकारात्मक प्रयास समाज में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा अन्य लोगों को भी समाजहित में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज नगरी ने दम्पति

के उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की है।इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र ध्रुव उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोरी कोषाध्यक्ष सुरेश ध्रुव महासचिव नरेश छेदैहा सहसचिव पुरन नेताम ,मानिक ध्रुव,संरक्षक भांवत ध्रुव नगर अध्यक्ष कैलाश मरई सहित अवध मरकाम,हीरा मरकाम, चिंतामणि मरकाम, सियाराम नेताम, विरेंद्र सलाम, संतोष नेताम,टामेश नेताम, कांता कुंजाम,शैल्य नेताम, तरुणा ध्रुव, मीना देवी शांडिल्य, शशिकला ध्रुव, पुष्पा देवी मंडावी, अनीता मरकाम, दुर्गा मरई, बासन मरकाम, सविता मरकाम,हेमराज कुंजाम,मदन मरकाम, राम स्वरूप सामरथ, चिंतामणी मरकाम, बलराम कुंजाम,मदन मंडावी, चन्द्र कुमार ध्रुववंशी तथा बड़ी संख्या में समाजिक जन उपस्थित थे।

महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं संजारी-बालोद विधायक संगीता सिन्हा के महासमुंद प्रथम आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। खल्लारी विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारकाधीश यादव के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय में महिला कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संगीता सिन्हा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना के नाम पर महिलाओं को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये दे रही है, वहीं दूसरी ओर महंगाई और घरेलू गैस सिलेंडर के बढ़े दामों से उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की योजनाएं केवल चुनावी लाभ तक सीमित हैं ।

थाना भटगांव परिसर में फलदार पौधों से बढ़ी हरियाली

भटगांव/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के थाना भटगांव परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी शिव कुमार धारी के नेतृत्व में समस्त पुलिस स्टाफ द्वारा फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। थाना परिसर में लगाए गए फलदार पौधे भविष्य में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ लोगों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। थाना प्रभारी शिव कुमार धारी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण मिल सके।

पेज 1 का शेष...

अमेरिका ने होर्मुज में दो...

सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया। ईरानी फॉरेन मिनिस्ट्री का कहना है कि अमेरिका तनाव कम करने के बजाय अपनी सैन्य कार्रवाई से पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। दूसरी तरफ सेंट्रल इजराइल में आज एक पेट्रोल पंप हुए आतंकी हमले में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मेडिकल अधिकारियों के अनुसार, इनमें एक की हालत गंभीर है।

ईरान ने दागीं 7 बैलिस्टिक...

और ड्रोन हमले से एयरपोर्ट के टर्मिनल परिसर को भारी क्षति पहुंची। इस घटना में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। हमले के बाद हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ और कई उड़ानों को रद्द या डायवर्ट करना पड़ा। भारतीय दूतावास ने भी भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की है।

काली कमाई का कुबेर:...

लॉकरों से करीब 2.4 करोड़ कैश बरामद किए गए हैं। सभी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। इसे हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आय से अधिक संपत्ति की कार्रवाइयों में एक माना जा रहा है।

भुवनेश्वर में चार बहुमंजिला आलीशान मकान

भुवनेश्वर के 4 इलाकों के अलावा जाजपुर जिले के धर्मशाला स्थित पैतृक घर, रिश्तेदारों के आवास, सरकारी क्वार्टर और ऑफिस में भी तलाशी ली गई। कार्रवाई में 2 एडिशनल एसपी, 5 डीएसपी, 6 इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में अन्य अधिकारियों को लगाया गया। जांच में अब तक पांच बड़ी इमारतों का पता चला है। इनमें भुवनेश्वर स्थित नीलाद्री विहार में लगभग 10,500 वर्गफुट क्षेत्रफल वाली चार मंजिला इमारत सबसे बड़ी है।

इसके अलावा सैलश्री विहार में तीन मंजिला भवन, पटिया में दो मंजिला मकान, चंद्रशेखरपुर में दो मंजिला मकान है। जाजपुर जिले के धर्मशाला में पैतृक जमीन पर भी दो मंजिला इमारत बनी है। विजिलेंस को बेहरा और उनके परिवार के नाम पर 13 प्लॉट भी मिले हैं। इनमें 7 प्लॉट भुवनेश्वर, 5 जाजपुर जिले के धर्मशाला और एक बारिपदा में स्थित है। भुवनेश्वर में और भी जमीन होने की जानकारी सामने आई है।

धमतरी में पकड़ाया...

कोतवाली पुलिस, अर्जुनी थाना और विशेष टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए संदिग्ध वाहनों की जांच की। इसी दौरान एक कार और पिकअप वाहन से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। महासमुंद में भी तस्करों की नई तरकीब फेल हुई है। पुलिस ने कटहल के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 125 किलो गांजा जब्त किया है।

96 पैकेट में पैक थी खेप: तलाशी के दौरान पुलिस को 96 पैकेटों में पैक 400 किलो से अधिक गांजा मिला। बरामद गांजे की बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

कई आरोपी हिरासत में, पूछताछ जारी: कार्रवाई के दौरान चार से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस उनसे गांजे के स्त्रोत, सप्लाई नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

जल्द होगा बड़ा खुलासा: पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और तस्करी से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। विस्तृत पूछताछ और जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

सुपेबेड़ा को मिलेगी स्वच्छ ...

गांव-गांव जाकर किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के लाभों की जानकारी दें ताकि आधुनिक कृषि तकनीकों का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय आज गरियाबंद जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में रायपुर संभाग के जिलों की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। लगभग साढ़े तीन घंटे तक चली इस मैराथन समीक्षा बैठक में रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों के कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

राजस्व प्रकरणों का निराकरण तेजी से हो

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में तेजी लाने, टीबी मुक्त पंचायतों के निर्माण, आयुष्मान कार्डों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने, जल जीवन मिशन के कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

सुशासन तिहार जमीन हकीकत जानने का माध्यम

उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल शिकायतों के निराकरण का अभियान नहीं बल्कि शासन की योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने और जनता से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का माध्यम है। इसी उद्देश्य से वे स्वयं विभिन्न जिलों का दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं।

सुपेबेड़ा में 7 करोड़ से होगा एनीकट का निर्माण

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने गरियाबंद जिले के सुपेबेड़ा क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तेल नदी पर एनीकट निर्माण हेतु 7 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पेयजल जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मानसून महाराष्ट्र समेत 12...

चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर गया।

देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। एमपी में भोपाल समेत 4 जिलों में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

‘संडेज ऑन साइकिल’ अभियान के तहत रेल सुरक्षा बल ने निकाली साइकिल जागरुकता रैली

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ‘विश्व साइकिल दिवस-2026’ एवं ‘संडेज ऑन साइकिल’ (फिट इंडिया मूवमेंट) कार्यक्रम के अंतर्गत 7 जून को व्यापक स्तर पर साइकिल रैली एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा बल सदस्यों एवं आमजन में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरणा प्रदान करना था। विश्व साइकिल दिवस का मुख्य उद्देश्य साइकिल को एक सरल, किफायती, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधन के रूप में प्रोत्साहित करना है। साइकिल न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक है, बल्कि यह शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है। नियमित साइकिल चलाने से हृदय स्वास्थ्य में सुधार, मोटापे में कमी तथा तनाव से मुक्ति मिलती है। साथ ही यह यातायात जाम एवं प्रदूषण जैसी शहरी समस्याओं के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी क्रम में चेतन दिलीपराव जिचकार, मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, नागपुर के निर्देशन में नागपुर मंडल मुख्यालय तथा मंडल के विभिन्न रेलवे सुरक्षा बल पोस्टों एवं चौकियों में साइकिल रैलियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य बल सदस्यों में शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना, दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना था। नागपुर मंडल मुख्यालय में रेलवे सुरक्षा बल के मंडल सुरक्षा आयुक्त चेतन दिलीपराव जिचकार की उपस्थिति में एसईसीआरएसए ग्राउंड, मोतीबाग, नागपुर से साइकिल रैली का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर 13 अधिकारियों एवं 25 बल सदस्यों सहित कुल 38 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, भंडारा, नैनपुर, छिंदवाड़ा, नागभीड़ एवं उनकी अधीनस्थ चौकियों में भी साइकिल रैलियां एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गोंदिया स्टेशन पर 5 सौ लीटर जलजीरा का नि:शुल्क वितरण

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के अंतर्गत गोंदिया रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा एवं सेवा भावना को समर्पित एक सराहनीय पहल के तहत किराना तेल व्यापारी संघ, गोंदिया के सौजन्य से प्लेटफॉर्म क्रमांक 03/04 पर आने-जाने वाली गाड़ियों के यात्रियों, विशेषकर सामान्य श्रेणी (जनरल कोच) के यात्रियों तथा प्लेटफॉर्म पर उपस्थित यात्रियों के बीच लगभग 500 लीटर शीतल जलजीरा का नि:शुल्क वितरण किया गया। गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा कार्यक्रम को यात्रियों द्वारा अत्यंत सराहा गया। जलजीरा वितरण के दौरान बड़ी संख्या में यात्रियों ने इसका लाभ उठाया तथा आयोजनकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता ने इस प्रकार की जनहितकारी एवं सामाजिक सहभागिता वाली पहलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज के विभिन्न संगठनों के सहयोग से सेवा कार्यों को भी प्रोत्साहित करता है। इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने किराना तेल व्यापारी संघ, गोंदिया द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यात्रियों की सुविधा एवं कल्याण के लिए सामाजिक संगठनों का सहयोग सदैव प्रेरणादायक रहा है।

न्यूज गैलरी

नाबालिग से छेड़खानी का आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। मजदूरी पर आए मिस्त्री की बच्ची के साथ छेड़खानी करने वाले मकान मालिक को मल्हार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पूर्व में भी छेड़छाड़ की हो चुकी है कार्रवाई पीड़िता को पुणे घूमने के लिए जिद कर रहा था। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने लिखित आवेदन दिया कि अपने माता-पिता के साथ रोजी मजदूरी के लिए साथ जाती थी जहां मकान मालिक के द्वारा नाबालिग बच्चों पर 15 मई को आरोपी के द्वारा नाबालिक बच्ची को पुणे घूमने को बोलकर हाथ बाह को पकड़ कर किस कर दिया पीड़िता की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर विवेचना किया गया विवेचना पर आरोपी को तलब कर पूछताछ किया गया जो घटना को करना स्वीकार किया तथा लड़की को पुणे भागने की फिराक में था आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में विशेष योगदान उप निरीक्षक अवधेश सिंह प्रधान आरक्षक मनोज आरक्षक श्यामलाल सोनवानी की विशेष भूमिका रही।

दो शराब कोचिए पकड़ाए

बिलासपुर/नवप्रदेश। शराब की अवैध बिक्री करने ले जा रहे दो शराब कोचियों को रतनपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शराब कोचियों से 40 पाव देशी प्लेन शराब कुल 7.200 लीटर शराब कीमती 3200 रूपये व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जब्त किया है। शराब कोचिए शराब बिक्री करने रतनपुर क्षेत्र से लारीपारा कोटा लेकर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार ग्राम कलमीटार रोड में शराब रेड कार्रवाई कर मोटर सायकल सवार 2 व्यक्ति झलक पात्रे निवासी लारीपारा कोटा, संतोष भारती निवासी बीजा तखतपुर के कब्जे से 40 पाव देशी प्लेन शराब कुल 7.200 लीटर कीमती 3200 रूपये व शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल को जप्त कर आरोपीगणों पर कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

एल्युमिनियम के डेचका, तीन टुल्लू पंप सहित एक बाइक जब्त, कोटा पुलिस ने की कार्रवाई

महुआ शराब की अवैध निर्माण सामग्री व 240 लीटर शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। अवैध धनार्जन के उद्देश्य से भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब निर्माण करने वाले आरोपी को कोटा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी से 3 नग 45-45 लीटर क्षमता वाली एल्यूमिनियम के डेचका में पूरा पूरा भरा हुआ एवं 03 नग 15-15 लीटर क्षमता वाली एल्यूमिनियम के डेचका में पूरा पूरा भरा हुआ हाथ भट्ठी का बना कच्ची महुआ शराब 240 लीटर कीमती 48000 रुपए एवं तीन नग टुल्लू पंप एवं 01 नग एच एफ डीलक्स मीटर साइकिल जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार चेतना विरुद्ध नशा व प्रहार अभियान के तहत अवैध शराब बिक्री करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही हेतु उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा निर्देशित किया गया है। 6 जून को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पोड़ी थाना कोटा में आरोपियों के द्वारा अपने अपने कब्जे में भारी मात्रा में अवैध कच्ची महुआ शराब को अवैध रूप से धनार्जन करने के उद्देश्य से महुआ शराब निर्माण कर रहे है कि, उमनि व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह ने तत्काल कार्यवाही का आदेश दिया, जिनके निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मधुलिका सिंह एवं नुपूर उपाध्याय अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोटा के मार्गदर्शन में टीम गठित कर ग्राम पोड़ी के अरपा नदी किनारे तरफ स्थित कोंदा बाड़ी में बने झोपड़ीनुमा मकान के परछी में रेड कार्रवाई

करते हुये आरोपी देव प्रसाद बारले निवासी तरकीडीह महुआ भाटा, करण लहरे निवासी परसा कापा एवं अन्य आरोपी घेराबंदी के दौरान आरोपीगण नदी के तरफ भाग गए । घटना स्थल से 03 नग 45-45 लीटर क्षमता वाली एल्यूमिनियम के डेचका में पूरा पूरा भरा हुआ एवं 03 नग 15-15 लीटर क्षमता वाली एल्यूमिनियम के डेचका में पूरा पूरा भरा हुआ हाथ भट्ठी का बना कच्ची महुआ शराब कुल 240 लीटर कीमती 48000 रुपए एवं तीन नग टुल्लू पंप एवं 01 नग एच एफ डीलक्स मीटर साइकिल क्रमांक सीजी 28 जे 8216 को जप्त कर फरार आरोपियों की लगातार पता तलाश जारी है। उक्त कार्यवाही में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आकाश चौधरी, निरीक्षक निलेश पांडे, प्र उप निरीक्षक मोहित कुमार सोनकर, प्र उप निरीक्षक जय कुमार नागरे, प्र उप निरीक्षक उषा निषाद प्रधान आरक्षक 195 उमा शंकर राठौर आरक्षक 1356 संजय श्याम, आरक्षक 1040 विनोद यादव का विशेष भूमिका रही।

34 पाव शराब सहित एक आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। अवैध शराब बिक्री करने वाली महिला आरोपी को कोनी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला के कब्जे से 34 पाव देशी प्लेन मदिरा शराब, कुल 06 लीटर 120 एमएल शराब एवं बिक्री रकम 300 रुपये जब्त की है। पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा जिले में अवैध शराब, गांजा एवं नशीले पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान ‘प्रहार’ चलाकर अधिक से अधिक प्रभावी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज कुमार पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली गगन कुमार (आईपीएस) के मार्गदर्शन में थाना कोनी पुलिस द्वारा क्षेत्र में सतत निगरानी रखी जा रही है। 6 जून को थाना कोनी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सेमरताल निवासी सुमन भारती अपने किराना दुकान में अवैध रूप से देशी प्लेन मदिरा शराब रखकर बिक्री कर रही है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर तस्दीक एवं घेराबंदी की कार्यवाही की गई। तलाशी के दौरान आरोपिया के कब्जे से 34 पाव देशी प्लेन मदिरा शराब (कुल 06 लीटर 120 एमएल) तथा शराब बिक्री से प्राप्त 300 रुपये नगद बरामद कर जप्त किए गए। आरोपिया के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोनी निरीक्षक विवेक कुमार पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक उमेश उपाध्याय, आरक्षक भोपसिंह साहू, उदय पाटले, अजय सोनी एवं महिला आरक्षक सुनीता धुर्वे का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

बिलासपुर-अहमदाबाद समर स्पेशल ट्रेन 11 को चलेगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। गर्मी की छुट्टियों में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए बिलासपुर से वटवा (अहमदाबाद) के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 11 जून को एक तरफा यात्रा के लिए चलाई जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गाड़ी संख्या 08265 बिलासपुर-वटवा (अहमदाबाद) समर स्पेशल ट्रेन 11 जून को बिलासपुर से रवाना होगी। इस ट्रेन के चलने से यात्रियों को अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी और कन्फर्म टिकट मिलने में मदद मिलेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत यह ट्रेन बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और गोंदिया समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। समर स्पेशल ट्रेन में कुल 20 कोच लगाए जाएंगे। इनमें 2 एसएलआरडी कोच, 4 सामान्य (जनरल) कोच, 14 स्लीपर कोच शामिल रहेंगे। ट्रेन 11 जून को सुबह 10:45 बजे बिलासपुर से रवाना होगी। रायपुर - 12:35 बजे आगमन, 12:40 बजे प्रस्थान दुर्ग - 1:35 बजे आगमन, 1:40 बजे प्रस्थान गोंदिया - 3:23 बजे आगमन, 3:25 बजे प्रस्थान आगे इन स्टेशनों से होकर गुजरेगी ट्रेन इसके बाद ट्रेन नागपुर, वर्धा, बडनेरा, अकोला और भुसावल होते हुए गुजरात की ओर जाएगी। मुख्य स्टॉपेजः नागपुर- 5:40 बजे शाम, वर्धा- 6:48 बजे शाम, बडनेरा- 8:37 बजे रात, अकोला- 9:37 बजे रात, भुसावल- 11:45 बजे रात, अगले दिन अहमदाबाद पहुंचेगी ट्रेन अगले दिन ट्रेन जलगांव, अमलनेर, नंदूरबार, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद और नडियाद स्टेशनों से होकर गुजरेगी। लास्ट में ट्रेन सुबह 9:45 बजे वटवा (अहमदाबाद) स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की समय-सारिणी और ठहराव की जानकारी जरूर जांच लें। इसके लिए भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट का उपयोग किया जा सकता है।

एक पौधा केवल हरियाली नहीं, आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींवः सरिता

सीपत/नवप्रदेश। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सीपत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या सरिता यादव के नेतृत्व में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने शाला परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व, वृक्षों की उपयोगिता तथा बढ़ते प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि वृक्ष केवल ऑक्सीजन का स्रोत नहीं हैं, बल्कि धरती के संतुलन, जल संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती सरिता यादव ने कहा कि ‘पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवनभर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में सैकड़ों लोगों को स्वच्छ वायु, छाया और बेहतर जीवन प्रदान करेगा। यदि प्रत्येक विद्यार्थी अपने जीवन में कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षित करने का संकल्प ले, तो हम एक हरित और स्वच्छ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधारोपण को जन आंदोलन बनाने तथा अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में भी अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। पौधारोपण कार्यक्रम में प्राचार्या सरिता यादव, शिक्षिका खुशबू सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

32 साल बाद गुरुजनों और सहपाठियों ने ताजा की सुनहरी यादें

सीपत/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चपोरा विकासखंड कोटा सत्र 1993-94 में जब यह विद्यालय हाई स्कूल था, कक्षा दसवीं अध्यनरत छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने 32 वर्ष बाद 31 मई को चापी जलाशय चपोरा में सहपाठियों का भेंट मुलाकात और शिक्षकों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 52 छात्र-छात्राएं और 7 शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती माता का पूजा और वंदना किया गया, उसके पश्चात शिवनाथ यादव वर्तमान में शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला ठरकपुर विकासखंड मस्तूरी के द्वारा किस तरह से सहपाठियों को आपस में जोड़कर, ग्रुप तैयार कार्यक्रम की रूपरेखा बनाया गया, इस संबंध में जानकारी दिया गया। इसके पश्चात 1993-94 के शिक्षक जो वर्तमान में दिवंगत हो गए हैं प्राचार्य के आर गहवई, शिक्षक जेपी दुबे, श्यामजी लश्कर, भारत सिंह ठाकुर एवं लखन सिंह

ठाकुर तथा दिवंगत विद्यार्थी गेंदराम, जागेश्वर कौशिक, राजेश साहू, रामकृपा जायसवाल, सुरेश पैकरा आदि को उनकी आत्मा शांति के लिए दो मिनट का मौन व्रत रखा गया द्य तत्पश्चाप उपस्थित पूर्व शिक्षकगण पी के देहरी रिटायर्ड प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरारी विकासखंड बिल्हा, आर एस साहू व्याख्याता शासकीय हाई स्कूल खैरा, ए आर कश्यप प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक सेमरसल जिला मुंगेली, एच सी साहू सेवानिवृत्त प्रधान पाठक, बी एस पैकरा सेवानिवृत्त व्याख्याता हाईस्कूल पुडु विकासखंड कोटा, आर जगत प्राचार्य हाई स्कूल कर्रा विकासखंड कोटा एवं एस एल साहू सेवानिवृत्त व्याख्याता शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांपा जिला जांजगीर चांपा को बेंच एवं गुलदस्ता से स्वागत किया गया। पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहपाठी को स्कूल रजिस्टर के अनुसार क्रम से मंच पर आमंत्रित किये, सभी सहपाठी अपना परिचय देते हुए 10वी कक्षा के बाद आगे क्या किए अपने जीवन का संक्षिप्त जानकारी दिए, तत्पश्चात सभी सम्माननीय गुरुजनों को सम्मान स्वरूप डायरी, पेन, गमछ, नारियल फल एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। पुरुषोत्तम सिंह ठाकुर में मंच संचालन करते हुए सभी गुरुजन को संबोधन के लिए आमंत्रित किया। संबोधन करते हुए पीके देहरी ने संबोधन में कहा कि मेरे कहे कुछ शब्द आपको कठोर या अनुशासन के रूप में लगे हों। लेकिन आज, जीवन के इस पड़ाव पर, मुझे पूरा विश्वास है कि वे संस्कार और सीख आपके मार्गदर्शक बने होंगे। आरके जगत ने कहा कि एक शिक्षक का सबसे बड़ा पुरस्कार यही होता है कि उसके विद्यार्थी ज्ञान की सीढ़ियाँ चढ़कर समाज और देश के निर्माण में अपना योगदान दें। एआर कश्यप ने कहा कि आज के इस पुनर्मिलन में, हम केवल अपनी पुरानी यादों को ताज़ा नहीं कर रहे हैं, बल्कि यह देखने का भी अवसर है कि हमारा दिया हुआ ज्ञान कैसे एक वटवृक्ष बन चुका है। एस एल साहू ने कहा कि एक शिक्षक के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी और गुरु दक्षिणा यही होती है कि उसके विद्यार्थी उससे भी ऊंचे मुकाम पर पहुँचें। आर एस साहू ने कहा कि आज जब मैं आप में से किसी को डॉक्टर, किसी को इंजीनियर, किसी को सफल व्यवसायी, तो किसी को एक बेहतरीन माता-पिता या जिम्मेदार नागरिक के रूप में देखता हूँ, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है।

आयोजन: आईआईटी खड़कपुर में हुए स्पिक मैके के 11वें अधिवेशन में शामिल हुए प्रतिभागियों ने साझा किए अनुभव

सहयोग की भावना और कला परंपराओं को सीखने का मिला अवसर

बिलासपुर/नवप्रदेश। *सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंगस्ट यूथ (स्पिक मैके) द्वारा आयोजित 11वां राष्ट्रीय अधिवेशन 25 मई से 31 मई 2026 तक आईआईटी खरगपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अधिवेशन के पश्चात प्रतिभागी छात्रों, शिक्षकों एवं प्रोफेसरों ने अपने अनुभव साझा किए।* अनुभव साझा सत्र की शुरुआत आधारशीला विद्या मंदिर न्यू सैनिक स्कूल की छात्रा अद्विका खंडेलवाल ने की। उन्होंने अधिवेशन की प्रातःकालीन दिनचर्या के बारे में बताया और गुरु कोटाक्कल नंदकुमारन से कथकली की 24 मुद्राएं सीखकर उनका प्रदर्शन किया। रुचि देवांगन ने विदुषी शर्मिला विश्वास से ओडिसी, सेजल सूर्यवंशी और आराध्या तिवारी ने विदुषी वैजयंती काशी से कुचिपुड़ी नृत्य सीखने का अनुभव बताया। प्रयाग श्रीवास ने गुरु आशीष मालाकार से बंगाल की सुप्रसिद्ध शोलापीठ हस्तकला का ज्ञान प्राप्त किया। आराध्य जायसवाल ने पद्मश्री सम्मानित विद्वान आर. एन. त्यागराजन से कर्नाटक संगीत के अंतर्गत भैरवी राग सीखने का अनुभव साझा किया। ब्रिलिएंट स्कूल बहतराई की छात्रा ने भी अपने अनुभव रखे।

आधारशीला विद्या मंदिर न्यू सैनिक स्कूल की शिक्षिका अपूर्वा तिवारी ने सात्विक जीवन शैली, योग साधना, सात्विक भोजन तथा बाउल संगीत एवं ध्रुपद गायन जैसी विधाओं से प्राप्त नई जानकारी साझा की। बच्चों ने अन्य राज्यों के छात्रों से मित्रता की, सहयोग की भावना विकसित हुई और विभिन्न कला परंपराओं को सीखने का अवसर मिला। शिक्षिका रंजना दत्त ने व्यवस्थित दिनचर्या, हठ योग और गुरु बापूकान पएंग से हथकरघा बुनाई सीखने के अनुभव बताए। सम्मेलन के दौरान आधारशीला विद्या मंदिर न्यू सैनिक स्कूल के चेयरमैन अजय श्रीवास्तव ने स्पिक मैके की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने, वालंटियर बनने और इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। नृत्य धारा अकादमी की शिक्षिका आंचल पांडे एवं संकल्प लर्निंग क्लासेस के शिक्षक विकास सर उपस्थित रहे। सम्मेलन का समापन भातखंडे संगीत विवि बिलासपुर प्रोफेसर ममता चक्रवर्ती ने स्पिक मैके के साथ अपने 15 वर्ष के अनुभव साझा कर किया। उन्होंने बच्चों को स्पिक मैके के उद्देश्यों से अवगत कराया और शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य व भारतीय कलाओं के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

शादी का झांसा देकर युवती का दैहिक शोषण, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। शादी का झांसा देकर युवती की दैहिक शोषण के आरोपी को मस्तूरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उच्च अधिकारियों के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। मस्तूरी थाना क्षेत्र निवासी युवती की ग्राम खोरसी के युवत खिलावन सोनी पिता पुरन सोनी के साथ पिछले दो वर्ष से प्रेम संबंध रहा। युवती के परिवार वालों के बाहर जाने पर आरोपी उसके घर आया एवं शादी का झांसा देकर संबंध बनाया। इसके बाद वह अक्सर घर आने लगा। इस बात की जानकारी पीड़िता के परिवार वालों को हुई। इस पर पीड़िता ने

आरोपी को स्थिति की जानकारी दी एवं शादी करने को कहा। इस पर आरोपी उसे 1 मई 2026 को भगाकर रायपुर ले गया। रायपुर में अपनी बहन के घर उसे रखा था। शादी का झांसा देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाने व बाद में इंकार करने पर पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई। मस्तूरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी खिलावन सोनी को धारा 69 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया है।

शिवाजी महाराज के द्वंद्व, संघर्ष और साहस की कहानी कह गया 'शौर्य गाथा'

■ महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में बैठे सैकड़ों दर्शकों ने

रायपुर/नवप्रदेश। 'लोगों को लगता है... शिवाजी होना बहुत आसान है, आगे-पीछे भगवा लहराया और बन गए शिवाजी। उन्हें दिखता है सिर्फ रण में तलवार लिए लड़ता हुआ शिवाजी, पर उस शिवाजी का भी एक मन है, जिसे दर्द होता है... तकलीफ़ होती है... यादें सताती हैं। क्या करें वो शिवाजी, छोड़ दे सब कुछ। मैंने ये नहीं किया, तो कोई भी नहीं करेगा। रण के युद्ध जीतने से पहले, मन के युद्ध जीतने पड़ते हैं, बाजी। अपने परममित्र बाजी प्रभु देशपांडे के सामने बोला गया शिवाजी महाराज का यह संवाद दर्शकों को भीतर तक झकझोर देता है।

बात हो रही है हिंदी नाटक 'शिव शौर्य' की, जिसका मंचन शनिवार की देर शाम महाराष्ट्र मंडल में रंगप्रेमी दर्शकों से खचाखच भरे संत ज्ञानेश्वर सभागृह में कुमुदिनी वरवंडकर स्मृति रंगमंच पर किया गया। शिवाजी महाराज की केंद्रीय भूमिका में नाटक के लेखक, संगीत संयोजक व निर्देशक अभिषेक विद्याधर बक्षी खूब जमे हैं। 'शिव शौर्य' में शिवाजी महाराज के विभिन्न प्रसंगों को कड़ी दर कड़ी मंच पर बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने की अहम जिम्मेदारी सूत्रधार दीपक हटवार ने अच?छे से निभाई।

वहीं बाजी प्रभु देशपांडे की प्रभावी भूमिका में चेतन दंडवते असरदार रहे। शिवाजी महाराज के सामने बोले गए उनके डायलॉग 'मैं आपके साथ इस मुहिम पर केवल इसलिए आया हूं क्योंकि मैं अपने बेटे की नज़रों में में खोई हुई इज़्ज़त और सम्मान वापस पाना चाहता हूँ, लोगों को प्रभावित करता है। उनकी पत्नी देशपांडे बाई के रोल में श्वेता निगम ने कमाल का अभिनय किया है। अफजल खान के क्रूर किरदार में शशि वरवंडकर अपनी भारी आवाज में शिवाजी महाराज के सामने बोले गए डॉयलॉग 'अभी भी वक़्त है, शिवाजी। सल्तनत के आगे सर झुका दो, माफ़ी मिलेगी... जागीर मिलेगी... ओहदा... इज़्ज़त... सब मिलेगा, पर दर्शकों ने सीटियां... तालियां बजाई।

कीर्ति हिशीकर (शिवाजी की पत?नी सई बाई), भारती पलसोदकर (जिजाऊ माता), पाटि?ल (रविंद्र ठेंगडी), यशस?वी दंडवते (दासी केसर बाई) ने अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया। विनोद राखुंडे, पवन ओगले, पंकज सराफ, अभय भागवतकर, पराग दलाल, अक्षदा मातुरकर, योगेश दंडवते, अनुष्का टेम्बे, प्रार्थना दंडवते, अतुल गद्रे, हेमंत मोहिते, गणेशा जाधव पाटिल, ज्योतिर्मय भोसले, रवि किरण दशपुत्रे ने भी अपनी भूमिकाओं से न्याय किया। मंच सज्जा प्रवीण क्षीरसागर, रूपसज्जा दिनेश धनगर, संगीत संचालन परितोष डोनगांवकर का रहा। नेपथ्य में प्रकाश गुरव व उत्कर्ष हटवार की भूमिका नोट की गई। शिव शौर्य में विशेष सहकार्य वैभव किशोर, लोकेश साहू सहित अन्य उनके साथियों का रहा।

जल अर्पण कर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दिया जल संरक्षण का संदेश

■ दुगनपाल में हर घर जल योजना का किया निरीक्षण

जगदलपुर /नव प्रदेश। नव प्रदेशउप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मंत्री अरुण साव ने बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दुगनपाल में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम में शामिल होकर जल संरक्षण और पेयजल प्रबंधन का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत संचालित हर घर जल प्रदाय योजना का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने गांव में स्थापित स्टैंड पोस्ट पर मौली धागा बांधकर जल अर्पण किया और जल को जीवन का आधार बताते हुए इसके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है तथा इस लक्ष्य की प्राप्ति में जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने ग्रामीणों से जल स्रोतों के संरक्षण और जल के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत परिसर में वृक्षारोपण भी किया और ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा हरियाली बढ़ने से जल स्रोतों की सुरक्षा और भूजल संवर्धन में मदद मिलती है।

उन्होंने वर्षा जल संचयन को समय की आवश्यकता बताते हुए गांवों में डबरी, तालाब और अन्य जल संरचनाओं के निर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण भविष्य में पेयजल संकट की संभावनाओं को कम करने में सहायक होगा तथा भूजल स्तर को बेहतर बनाएगा।ग्रामीणों ने भी जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में उपलब्ध हो रही पेयजल सुविधाओं के संबंध में अपने अनुभव साझा किए।

एक माह प्रशिक्षण के बाद बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

■ महाराष्ट्र मंडल के बाल संस्कार शिविर के समापन समारोह में सिर्फ बच्चों की बेहतरीन प्रस्तुतियों की चर्चा

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल के बाल संस्कार शिविर में एक माह तक गुरुजनों के मार्गदर्शन में संस्कृत के श्लोकों का नियमित अभ्यास करने वाली उर्वी चंद्रवंशी ने शिव ताडंव स?त्रोत 'जटाटवीगलज्जल प्रवाहपावितस्थले गलेऽवलम्ब्य लम्बितां भुजंगतुंगमालिकाम्?' को बेहिचक, बिना अटके बोला। नन्हीं अभिज्ञा शुक्ला ने अनुभवी उद्घोषक की तरह अपने धाराप्रवाह संवादों के साथ मंच संचालन किया।

आध्यात्मिक समिति की समन्वयक आस्था काले के अनुसार आरोही अलकरी ने गणेश वंदना पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। शिविर को बच्चों की उम्र के अनुसार तीन वर्गों में विभक्त किया गया था। प्रथम वर्ग के बच्चों ने बिना कुछ देखे संस्कृत के श्लोकों का पाठ किया। इसके बाद अर्णव कुसरे, आरोही अलकरी, विधिका पंडित, प्रशस्ति? आकांत, विशाल काले, वरदा चांदे ने संस्कृत के श्लोकों का पाठ किया।

आध्यात्मिक समिति की सृष्टि दंडवते के अनुसार वर्ग दो के बच्चों ने राम रक्षा स्तोत्र और गीता के 12वें और 15वें अध्याय का पाठ किया। फिर उर्वी चंद्रवंशी ने शिव तांडव स्तोत्र का पूरे जोश के साथ बुलंद आवाज में पाठ किया। वहीं सभी बच्चों ने एक साथ मिलकर सूर्य नमस्कार कर सभी का मन मोह लिया।शिविर के सफल संचालन के लिए समिति की समन्वयक आस्था काले, प्रमुख सृष्टि दंडवते, आकांक्षा गद्रे, मंजूषा मरकले, चारूशीला देव, संध्या खंगन, मंजूषा वैशंपायन, साक्षी टोले, वर्षा चोपकर, अक्षता पंडित, रीना बाबर, रचना ठेंगड़ी, सुमीता रायजादा, शुचिता देशमुख के कार्यों की प्रशंसा कर उन?हें प्रमाण पत्र अध?यक्ष अजय काले ने दिया व इसी तरह कार्य करने के लिए उन?हें प्रेरित किया। सचिव चेतन दंडवते ने अभिभावकों को बताया कि महाराष?ट्र मंडल जल्द ही बच्चों के लिए गुरुकुल शुरू करने जा रहा है, ताकि हम अपने बच्चों को अपनी सनातन संस्कृति और संस्कार सीखा व समझा सकें।

न्यूज गैलरी

विश्व पर्यावरण दिवस: सीआरपीएफ की 80वीं बटालियन का वृक्षारोपण अभियान

जगदलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 80वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा पर्यावरण संरक्षण,हरित वातावरण के संवर्धन एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत बटालियन मुख्यालय सहित मसगांव,चांदामेटा, कोलेंग, नेतानार एवं कोलेंगनाला कैंपों में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। वृक्षारोपण अभियान में अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, हरित आवरण में वृद्धि करने तथा स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण का संदेश दिया गया। कमांडेंट जितेंद्र कुमार ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी कार्मिकों से पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा हरित और स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।कार्यक्रम में 80वीं बटालियन सीआरपीएफके कमांडेंट जितेंद्र कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी पुरुषोत्तम कुमार,सहायक कमाण्डेंट ओम कुमार गुप्ता, एसएमओ डॉ एम विनय कुमार, अधीनस्थ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहे।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहा,बल्कि पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का संदेश भी दिया गया। विभिन्न कैंपों में लगाए गए पौधों के माध्यम से हरित क्षेत्र बढ़ाने,जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया गया। अधिकारियों और जवानों ने पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया,ताकि यह अभियान दीर्घकालिक पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित कर सके।

पैराडाइज स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न ई-बुक निर्माण एवं विकास का प्रशिक्षण

जगदलपुर। सेकेण्डरी सी.बी.एस.ई. स्कूल में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार अंग्रेजी एवं अन्य विषय के साथ-साथ कम्प्यूटर एवं जी. के. के लेशन प्लान कैसे बनाये जिससे छात्र-छात्राओं में ज्यादा से ज्यादा आउट कम लर्निंग हो, शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के सहायक सामग्री बनाने हेतु एवं डिजिटल क्लास के द्वारा पाठ्य सामग्री को समझाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।यह प्रशिक्षण दिल्ली के बाल मानोवैज्ञानिक, कला समेकित शिक्षा, समीक्षात्मक सोच, के प्रशिक्षक एवं शिक्षाविद् शिखा चौधरी द्वारा प्रदान किया गया साथ ही ई. बुक निर्माण एवं विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, प्रश्नों का निर्माण प्रश्न पत्रों का प्रारूप, प्रकार आदि का भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एक सेवाभावी काम का लें संकल्प: डेका

■ महाराष्ट्र मंडल में छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा के अनावरण समारोह में राज्यपाल ने युवाओं से लेकर बुजुर्गों को तक दिया अहम संदेश

रायपर/नवप्रदेश। आज हमें अपनों के हित के लिए छोटे-छोटे कार्य करने का संकल्प लेना है। हम इस मंच से किसी एक सेवाभावी काम का संकल्प लें, चाहें फिर वह घर के बाहर फैली गंदगी की सफाई का संकल्प हो या किसी जरूरतमंदों की बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने का। किसी को शिक्षा में मदद का संकल्प भी हो सकता है। उक्ताशय के विचार राज्यपाल रमेन डेका ने महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा अनावरण समारोह में व?यक?त किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हम असम से आते हैं, असम और मराठी दोनों में ही मां को आई कहते है। मराठी और असमिया में 48 फीसद संस्कृत के शब्द है, इसलिए दोनों में काफी समानता है। उन्होंने अपने पुरानों दिनों का जिक्र करते हुए बताया कि करीब 52 साल पर जब उनके पास युवा मोर्चा की कमान हुआ करती थी, तब हम लोग शिवाजी महाराज की जयंती मनाया करते थे। शिवाजी के बलिदानों के बारे में आज हमें अपने आने वाली पीढ़ी को बताना होगा। राज्यपाल ने कहा है कि डिजिटल एडिक्शन वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनती जा रही है। इसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर भी पड़ रहा है। नई पीढ़ी को डिजिटल एडिक्शन और 'पॉपकॉर्न मेंटल स्टेटस' से बाहर निकलने की आवश्यकता है, क्योंकि यह सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर केवल कृत्रिम संतुष्टि प्रदान करता है। इससे पूर्व राज्यपाल ने महाराष्ट्र मंडल परिसर पर स्थापित शिवाजी महाराज की राजस्थान से बनकर आई संगमरमर की खूबसूरत प्रतिमा का अनारण किया। तत्पश्चात शिवाजी महाराज के किलों की चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि महाराष?ट्र मंडल आकर उन?हें सुकून मिलता है। वे शहर की प्रथम नागरिक होने नाते शहर की बड़ी समस?याओं को दूर करने का भरसक प्रयास कर रहीं हैं। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने महाराष्ट्र मंडल के सेवाभावी प्रकल्पों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सचिव चेतन दंडवते और आभार प्रदर्शन गीता दलाल ने किया।

युवाओं ने दिया तम्बाकू निषेध का संदेश, महाविद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम

■ पोस्टर और शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

जगदलपुर / नव प्रदेश। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग के अंतर्गत संचालित नवीन उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सोनारपाल, बस्तर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने तम्बाकू एवं उससे निर्मित उत्पादों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, सामाजिक दुष्परिणामों और आर्थिक नुकसान पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने भी आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टरों के माध्यम से समाज को तम्बाकू से दूर रहने का संदेश दिया।

अविनाश सिंह बने रेडक्रास सोसाइटी ब्लड बैंक उपसमिति के अध्यक्ष

■ विश्व रक्तदाता दिवस से पहले मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

■ ब्लड बैंक की गतिविधियों को अधिक सक्रिय और गतिशील बनाने पर रहेगा फोकस

जगदलपुर। नव प्रदेश। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा द्वारा ब्लड बैंक उपसमिति का गठन कर लिया गया है। समाजसेवी अविनाश सिंह गौतम को उपसमिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति आगामी 14 जून को आयोजित होने वाले विश्व रक्तदाता दिवस कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए की गई है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक द्वारा जारी आदेश के अनुसार अविनाश सिंह गौतम को ब्लड बैंक उपसमिति की गतिविधियों को अधिक सक्रिय,प्रभावी और गतिशील बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपसमिति के माध्यम से रक्तदान जागरूकता, रक्त संग्रहण तथा रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने संबंधी कार्यक्रमों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

समाजसेवा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय अविनाश सिंह गौतम विभिन्न सामाजिक और जनहितकारी गतिविधियों में अपनी सहभागिता निभाते रहे हैं। उनकी नियुक्ति को रेडक्रॉस सोसाइटी की रक्तदान सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रक्तदान जागरूकता अभियान को मिलेगी नई दिशा

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने की योजना है। ब्लड बैंक उपसमिति का उद्देश्य सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ नियमित रक्तदाताओं का नेटवर्क मजबूत करना भी रहेगा।

इस नियुक्ति पर जिला शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। जिला शाखा के चेयरमैन मनीष गुप्ता,वाइस चेयरमैन नरेश मिश्र,कोषाध्यक्ष ऋषि भटनागर,ओआईसी एलेक्जेंडर चेरियन सहित अन्य सदस्यों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में ब्लड बैंक उपसमिति नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगी।

बस्तर की लोक संस्कृति, हस्तशिल्प परंपरा और जनजातीय जीवन पर आधारित पुस्तकों को मिला मंच

वन मंत्री केदार कश्यप ने किया साहित्यकारों का सम्मान

■ तीन पुस्तकों का हुआ विमोचन

जगदलपुर / नव प्रदेश। नव प्रदेश छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के नया रायपुर स्थित निवास पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में सरस्वती बुक्स द्वारा प्रकाशित तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी साहित्यकार एवं चिकित्सक डॉ गीतेश सरस्वती बुक्स के प्रकाशक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

समारोह में बस्तर की संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्यकार Rudranarayan Panigrahi का वन मंत्री द्वारा धुरवा पटका एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही उनकी पुस्तक 'बस्तर की लोक संस्कृति' का विमोचन भी किया गया। इस दौरान डॉ संजय अलंग की पुस्तक 'छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प परंपरा एवं संस्कृति' तथा डॉ भागेश्वर की पुस्तक 'हल्बा जनजाति' का भी लोकार्पण किया गया। समारोह में साहित्य, लोक संस्कृति एवं जनजातीय विरासत के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष चर्चा हुई। उपस्थित साहित्यकारों ने इसे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। अंत में सभी साहित्यकारों एवं अतिथियों ने इस सम्मान और प्रोत्साहन के लिए वन मंत्री केदार कश्यप के प्रति आभार व्यक्त किया।

साहित्य और संस्कृति को मिला सम्मान का मंच

नया रायपुर में आयोजित इस समारोह ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और साहित्यिक सृजन को नई पहचान दी। बस्तर की संस्कृति,हस्तशिल्प परंपरा तथा हल्बा जनजाति पर केंद्रित पुस्तकों के विमोचन के साथ साहित्यकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा ऐसे प्रयास समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

चंद्राकर समाज के केंद्रीय अधिवेशन में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को धमतरी जिले के ग्राम छाती स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित चन्द्रनाहू कुर्मी-क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा बच्चों को स्वर्ण प्राशन संस्कार कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों में किए जाने वाले 16 प्रमुख संस्कारों में स्वर्ण प्राशन स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने बताया कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए जिस प्रकार वैक्सीन का उपयोग किया जाता है, उसी प्रकार आयुर्वेद में वैदिक काल से स्वर्ण प्राशन संस्कार की परंपरा रही है। यह एक प्रकार की आयुर्वेदिक प्रतिरक्षण (इम्यूनाइजेशन) प्रक्रिया है, जो बच्चों की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में सहायक मानी जाती है।

आरबीआई के फैसले के बाद आ सकता है 40 अरब डॉलर तक का कैपिटल इनफ्लो

***अगस्त में ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम, आरबीआई रख सकता है यथास्थिति**

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) द्वारा लिए गए फैसलों से देश में 40 अरब डॉलर का कैपिटल इनफ्लो देखने को मिल सकता है और इससे डॉलर के मुकाबले रुपया 92-93 के स्तर पर जा सकता है।

साथ ही कहा कि केंद्रीय बैंक अगस्त की मौद्रिक नीति में भी ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। रिपोर्ट में एसबीआई रिसर्च ने कहा, हमारा मानना है कि आरबीआई ब्याज दरों में संभावित वृद्धि पर विचार करने से पहले महंगाई के आंकड़ों का विश्लेषण करना जारी रखेगा। बाजार की उम्मीदों के विपरीत, विकास संबंधी कारक ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के चक्र को दरकिनार कर सकते हैं। हमें अगस्त में नीतिगत दरों में कोई बदलाव न होने की उम्मीद है।

एसबीआई रिसर्च ने कहा कि एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने और तटस्थ रुख जारी रखने का निर्णय लिया, जबकि विकास अनुमानों को 30 बीएसपी समायोजित करके 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही, सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान को भी 50 बीएसपी संशोधित करके अब 5.1 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया, गहन विश्लेषण के आधार पर, हमें लगता है कि मौद्रिक नीति की भाषा मुद्रास्फीति पर निगरानी और बाहरी क्षेत्र से बचाव पर केंद्रित रही है, हालांकि नीति का रुख तटस्थ है। यह विवेकपूर्ण कदम है क्योंकि यह आरबीआई की ओर से शांति और आत्मविश्वास का संकेत देता है और निराशावादी धारणाओं को रोकता है जो संभावित रूप से रुपए पर सट्टेबाजी को जन्म दे सकती हैं।

एसबीआई रिसर्च ने बताया कि आरबीआई ने नीति वक्तव्य में एक बार फिर स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर दिया गया है कि कभी-कभी रुपए की चाल मूलभूत कारकों के अनुरूप नहीं होती है। रिपोर्ट में कहा गया, इससे उन हालिया अनावश्यक आरोपों पर विराम लग जाता है कि रुपए को 100 तक भी बढ़ने दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस तरह के अनावश्यक दावे रुपए पर सट्टेबाजी को बढ़ावा देते हैं।

न्यूज गैलरी

नासा के प्रायोगिक विमान ने पहली बार ध्वनि अवरोध को किया पार

वाशिंगटन। नासा ने आधिकारिक तौर पर विमानन के एक नए युग में प्रवेश कर लिया है। उसके प्रायोगिक एक्स-59 विमान ने पहली बार ध्वनि अवरोध को सफलतापूर्वक पार कर लिया, जो भविष्य में आकाश में यात्रा करने के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। यह ऐतिहासिक उड़ान अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के क्रेस्ट मिशन के लिए एक बड़ी छलांग है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक सुपरसोनिक उड़ान के कर्कश शोर को एक हल्की-सी गड़गड़ाहट से बदलना है।

दशकों तक ध्वनि की गति से तेज उड़ान भरना, जिसे सुपरसोनिक उड़ान के रूप में जाना जाता है, कान बहरा कर देने वाले ध्वनि विस्फोट का पर्याय था। जब कोई विमान ध्वनि तरंगों की गति से अधिक तेज गति से यात्रा करता है तो वह एक दबाव तरंग उत्पन्न करता है, जो जमीन से टकराकर बिजली की कड़कड़ाने जैसी आवाज पैदा करती है। इस शोर के कारण जमीन के ऊपर सुपरसोनिक उड़ान पर वैश्विक प्रतिबंध लगे हुए हैं। एक्स-59 को इस स्थिति को बदलने के लिए डिजाइन किया गया है। तेज धमाके के बजाय यह विमान एक हल्की-सी धपकी जैसी आवाज पैदा करने का लक्ष्य रखता है, जो दूर से आती हुई कार के दरवाजे के बंद होने की आवाज से भी कम होती है। कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस में परीक्षण उड़ान के दौरान विमान ने मैक 1.1 की अधिकतम गति प्राप्त की। इसकी गति ध्वनि से 1.1 गुना अधिक करीब 1,147 किलोमीटर प्रति घंटा थी।

उद्योग जगत के दबाव के बाद ग्रीन कार्ड नीति पर नरम पड़ा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन। उद्योग जगत से जुड़े लोगों द्वारा ग्रीन कार्ड संबंधी नयी नीति को लेकर अमेरिकी सरकार पर बनाए गए जोरदार दबाव के बाद इस मुद्दे पर प्रशासन का रुख कुछ नरम पड़ा है। आव्रजन मामलों से जुड़े अधिकारियों ने उद्योग जगत के दिग्गजों को आश्वस्त किया है कि अधिकांश कार्य वीजा इस नीति से प्रभावित नहीं होंगे। यह जानकारी सूत्रों की एक रिपोर्ट में दी गई है। यह प्रतिक्रिया उस समय सामने आई जब अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने ऐसी नीति लागू की, जिसके तहत अमेरिका में काम कर रहे लोगों को स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) के लिए आवेदन करने के वास्ते अपने मूल देश लौटना अनिवार्य किया गया था। इस नीति के लागू होते ही प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्रों सहित उद्योग जगत के लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद कई प्रमुख कंपनियों, उद्योग संगठनों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस तथा गृह सुरक्षा, श्रम और विदेश मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ फोन और ईमेल के माध्यम से निजी स्तर पर कई बार बातचीत की। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी वाणिज्य मंडल उन उद्योग संगठनों में शामिल था, जिन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से इस नीति पर अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की और चेतावनी दी कि इसका उनकी कार्यशक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लोगों ने भी व्हाइट हाउस के समक्ष अपनी चिंताएं रखीं।

पुतिन ने भारत को 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की पेशकश की

मॉस्को। भारत अपनी वायुसेना के लिए 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के लिए विकल्प तलाश रहा है। अब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सुखोई एसयू-57 लड़ाकू विमान को लेकर भारत के सामने बड़ा प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि रूस उन्नत स्टील्थ क्षमताओं से लैस एसयू-57 का भारत के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करने के लिए तैयार है। पुतिन ने ये भी कहा कि वे विमान से जुड़ी तकनीकों को भी भारत के साथ साझा करेंगे। सेंट पीटर्सबर्ग में पुतिन ने कहा, जहां तक एसयू-57 की बात है, हमने अपने भारतीय दोस्तों को प्रस्ताव दिया था, हम इस 5वीं पीढ़ी की तकनीक पर मिलकर काम करने को तैयार हैं। मुझे लगता है कि यह दुनिया में सबसे बेहतरीन है। यह विमान हमारी संयुक्त परियोजना हो सकता है। हम भारत को यह विमान उपलब्ध कराने और इसका विकास जारी रखने के लिए तैयार हैं। हमें कोई समस्या या सीमा नहीं है।

वैश्विक अस्थिरता में भी तेजी से दौड़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था

7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी इकोनॉमी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत रही है, जो कि वित्त वर्ष 2024-25 के फाइनल आंकड़े 7.1 प्रतिशत से काफी अधिक है। इसकी वजह द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का अच्छा प्रदर्शन करना था। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए डेटा में दी गई।

भारत की अर्थव्यवस्था ऐसे समय पर तेजी से बढ़ रही है, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रही है। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में

भारत का रियल और नॉमिनल ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) में क्रमशः 7.9 प्रतिशत और 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सरकारी डेटा के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत रहा है। इनकी वृद्धि दर स्थिर कीमतों में क्रमशः 8.8 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत रही है। द्वितीयक क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग और तृतीयक क्षेत्र में सर्विसेज सेक्टर को शामिल किया जाता है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्राथमिक क्षेत्र की वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही है। इसमें कृषि और मछली पालन जैसे क्षेत्र शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेड, रिपेयर, होटल, ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशन और ब्रॉडकास्टिंग, स्टोरेज से जुड़े सर्विसेज और फाइनेंशियल, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सर्विसेज सेक्टर की वृद्धि दर स्थिर और मौजूदा कीमतों में दोहरे अंकों में रहा है।

इसके साथ ही, सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के चौथी तिमाही के जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान भी जारी किए। जनवरी से मार्च अवधि के दौरान देश की विकास दर 7.8 प्रतिशत रहा है। वहीं, नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 9.1 प्रतिशत रहा है। इस दौरान देश की रियल और नॉमिनल जीवीए वृद्धि दर 7.9 प्रतिशत और 9.9 प्रतिशत रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र की वृद्धि दर क्रमशः 7.9 प्रतिशत और 9.9 प्रतिशत रही है। सरकार ने पहली बार नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ जीडीपी डेटा जारी किया है, जो कि पहले 2011-12 पर था। केंद्र द्वारा 27 फरवरी, 2026 को वार्षिक और तिमाही जीडीपी डेटा के लिए नया आधार वर्ष 2022-23 अपनाया था।

अंडमान अपतटीय क्षेत्र में ऑयल इंडिया को बड़ी सफलता

ढूंढ निकाला प्राकृतिक गैस का दूसरा भंडार

नई दिल्ली (ए.)। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अंडमान अपतटीय क्षेत्र में प्राकृतिक गैस का दूसरा महत्वपूर्ण भंडार खोजने में सफलता हासिल की है। इस खोज से सीमांत बेसिन क्षेत्र के भविष्य में एक महत्वपूर्ण हाइड्रोकार्बन उत्पादक केंद्र के रूप में उभरने की संभावनाएं और मजबूत हो गई हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह खोज 'विजयपुरम-3' अन्वेषण कुएं में हुई है। यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर 355 मीटर गहरे समुद्री क्षेत्र में स्थित है। यह इस क्षेत्र में ऑयल इंडिया द्वारा खोदा गया दूसरा सफल गैस-युक्त कुआं है। ऑयल इंडिया ने बीएसई और एनएसई को दी गई सूचना में बताया कि 'ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी' के तहत 'ऑफशोर अंडमान ब्लॉक 2018/1' में इस कुएं की ड्रिलिंग की गई। कंपनी के अनुसार, फॉर्मेशन में 1,900 मीटर से अधिक गहराई पर स्थित इस कुएं की प्रारंभिक उत्पादन परीक्षण के दौरान लगातार फ्लेयरिंग से प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

कंपनी ने बताया कि परफोरेशन के बाद कुएं में दबाव तेजी से बढ़ा और गैस का प्रवाह शुरू हो गया। फिलहाल गैस के रासायनिक संघटन, कैलोरीफिक वैल्यू और उसके निर्माण की प्रक्रिया को समझने के लिए सैंपलिंग और आइसोटोप अध्ययन किए जा रहे हैं। ऑयल इंडिया के अनुसार, यह खोज क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन स्रोत, उसके प्रवास मार्ग और संभावित भंडारों की मौजूदगी का महत्वपूर्ण संकेत देती है। इससे भविष्य की खोज और उत्पादन रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

15 पदों के लिए जल्द सक्रिय होगा आवेदन लिंक

नई दिल्ली। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने देश भर में विभिन्न पोस्टिंग/स्थान के लिए फाइनेंस और अकाउंट्स स्ट्रीम में कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर जनरल मैनेजर के कुल 15 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। बीएसएनएल की ओर से जारी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 6 जून के सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 24 जून के सुबह 10 बजे तक तय की गई है। ऐसे में जो पात्र उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे बीएसएनएल के ऑफिशियल पोर्टल पर आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। वहीं, जिन अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र जमा करते समय कुछ गलती हो जाती है, उनके लिए फॉर्म में त्रुटि को सुधारने का विंडो 25 जून के सुबह 10 बजे से 28 जून के सुबह 10 बजे तक सक्रिय रहेगा। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी/संस्थान से चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) या कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए) या एमबीए (फाइनेंस) या मैनेजमेंट (फाइनेंस) में पीजी डिप्लोमा होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास प्रासंगिक क्षेत्र में 3 से 15 वर्षों का अनुभव और अन्य निर्धारित पात्रता व कौशल का होना भी अनिवार्य है। आवेदकों की अधिकतम आयु 50 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना आवेदन के अंतिम तिथि के आधार पर की जाएगी।

भारतीय गेंदबाजों ने चटकाए हैं सबसे ज्यादा विकेट

नईदिल्ली। महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम पहली बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करना चाहेगी। इस विश्व कप में भारतीय गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है। ऐसे में आइए जानते हैं महिला टी-20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज कौन

हैं? इस सूची में पहले स्थान पर पूनम यादव हैं। इस स्पिन गेंदबाज ने अपना पहला विश्व कप मुकाबला 2014 में खेला था। आखिरी बार वह 2020 में खेलती हुईं नजर आई थीं। इस खिलाड़ी ने 18 मुकाबले खेले हैं और इसकी 18 पारियों में 13.82 की औसत से 28 विकेट चटकाए हैं। उनकी इकॉनमी रेट 5.60 की रही है। इस खिलाड़ी ने एक बार 4 विकेट हॉल भी लिया है। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 4/19 का रहा है। दूसरे नंबर पर भारत की स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा हैं। उन्होंने अपना पहला टी-20 विश्व कप मुकाबला 2018 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 19 मैच खेले हैं और इसकी 19 पारियों में 26.15 की औसत से 19 विकेट चटकाए हैं।

कंगना रनौत अब नर्स बनकर दिखाएंगी दम

मुंबई (ए.)। कंगना रनौत एक बार फिर पर्दे पर अपनी दमदार अदाकारी का जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुचर्चित फिल्म भारत भाग्य विधाता की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान हो गया है। 26/11 के मुंबई हमलों के दौरान कामा अस्पताल में नर्सों और मेडिकल स्टाफ के अदम्य साहस पर आधारित इस फिल्म में कंगना एक नर्स की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। पर्दे पर कब दस्तक देगी भारत भाग्य विधाता, आइए जानते हैं। कंगना की बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत भाग्य विधाता की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान हो गया है। सच्ची घटना पर आधारित ये थ्रिलर फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मनोज तपड़िया के निर्देशन में बनी यह फिल्म 26/11 के मुंबई हमलों के दौरान कामा अस्पताल के उन अनसंग हीरोज की बहादुरी को सलाम करती है, जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर 400 लोगों को सुरक्षित बचाया था।

नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार लिया 5 विकेट

नईदिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हॉल (कुल 6 विकेट) लिया। ये उनके टेस्ट करियर का दूसरा 5 विकेट हॉल रहा। इंग्लैंड के खिलाफ उनका पहला 5 विकेट हॉल साबित हुआ। उनकी शानदार गेंदबाजी के कारण इंग्लैंड की दूसरी पारी सिर्फ 226 रन पर समाप्त हो गई। ऐसे में आइए, उनकी गेंदबाजी और आंकड़ों पर नजर डालते हैं।

स्मिथ ने 17 ओवर गेंदबाजी की और 4 मेडन के साथ 70 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी रेट 4.10 की रही। इस खिलाड़ी ने एमिलियो गे (57), जो रूट (8), जेमी स्मिथ (39), बेन स्टोक्स (0), जोश टंग (5) और ओली रॉबिन्सन (29) को अपना शिकार बनाया। पहली पारी में इस खिलाड़ी ने 10.4 ओवर में एक मेडन के साथ 38 रन देकर 3 विकेट लिए थे। इंग्लैंड दूसरी पारी में 253 रन की बढ़त हासिल कर पाई।

इंग्लैंड के खिलाफ स्मिथ ने अपना पहला टेस्ट मैच 2024 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 3 मुकाबले खेले हैं और इसकी 6 पारियों में 27.93 की औसत से 16 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उन्होंने एक बार 5 विकेट हॉल लिया है। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/70 का रहा है। इंग्लैंड के अलावा इस खिलाड़ी ने आयरलैंड, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच खेले हैं।

अमृता राव ने सादगी और अभिनय से जीता दर्शकों का दिल

'पूनम' के किरदार ने दिलाई घर-घर में पहचान

सिनेमा जगत में कई अभिनेत्रियां आईं और गईं, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी सादगी और सहज अभिनय के कारण लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बने रहते हैं। अभिनेत्री अमृता राव भी उन्हीं सितारों में शामिल हैं। खासकर फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अमृता ने अपनी अलग छाप छोड़ी। 7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के

बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी। इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आईं। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए।

साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया। वर्ष 2003 में रिलीज हुई 'इश्क विश्क' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया और दोनों की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म की सफलता के बाद अमृता युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं।

इसके बाद उन्होंने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'शिखर' और 'प्यारे मोहन' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में 'विवाह' का नाम सबसे ऊपर आता है। राजश्री प्रोडक्शंस की इस फिल्म में उन्होंने 'पूनम' का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, पारिवारिक संस्कार और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज भी कई लोग उन्हें 'पूनम' के नाम से याद करते हैं।

अमृता ने केवल हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी काम किया और अभिनेता महेश बाबू के साथ फिल्म 'अतिथि' में नजर आईं। इस फिल्म को भी दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद अमृता ने 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साहब द ग्रेट', 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया।

निजी जीवन की बात करें तो अमृता ने लंबे समय तक रेडियो जॉकी अनमोल सूद को डेट किया। दोनों ने साल 2016 में बेहद सादगी से शादी की।

अमेजन प्राइम वीडियो पर चमकी सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका की सिस्टम

बनी दुनिया की नंबर 1 गैर-अंग्रेजी फिल्म

बावेजा स्टूडियो की नई फिल्म सिस्टम ने अमेजन प्राइम वीडियो पर कमाल कर दिया है।

ये फिल्म दुनियाभर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली गैर-अंग्रेजी (नॉन-इंग्लिश) फिल्म बन गई है, जबकि सभी फिल्मों की सूची में ये ग्लोबल चार्ट पर दूसरे नंबर पर है।

अश्विनी अय्यर तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे बड़े कलाकार हैं। फिल्म की यह बड़ी कामयाबी भारतीय सिनेमा के लिए गर्व की बात है, क्योंकि अब भारतीय फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। जीओ पर मिसेज और नेटफ्लिक्स पर हक के बाद सिस्टम की इस शानदार सफलता के साथ ही बावेजा स्टूडियो ने लगातार 3 हिट फिल्में देने की हैट्रिक बना ली है। इन सभी फिल्मों की सबसे बड़ी खासियत इनकी अनोखी कहानियां हैं, जो अलग-अलग बैकग्राउंड के दर्शकों को खुद से जोड़ती हैं। इस बड़ी कामयाबी पर लेखक-निर्माता हरमन बावेजा ने कहा कि यै सफलता बेहतरीन कहानी कहने की ताकत का सबसे बड़ा सबूत है।

बच्चों की पीठ पर बोझ, पालकों की जेब पर डाका, आखिर किसके संरक्षण में चल रहा यह कारोबार?

शिक्षा माफिया का खेल: बच्चों की पीठ तोड़ो, पालकों की जेब निचोड़ो

■ शिक्षा नहीं, वसूली का सिस्टम! किताबों से लेकर यूनिफॉर्म तक हर जगह खेल

शिक्षा का मंदिर अब कारोबार का सबसे चमकदार अड्डा बनता जा रहा है। एक तरफ सरकारी स्कूल संसाधनों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के अभाव में दम तोड़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ निजी स्कूलों की ऊंची इमारतें और मोटी फीस की दीवारें लगातार खड़ी होती जा रही हैं। विद्या अब दान नहीं, बल्कि मुनाफे का सौदा बन गई है। बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का सपना देखने वाले माता-पिता हर साल किताबों, यूनिफॉर्म, कॉपियों और तरह-तरह के शुल्कों के नाम पर आर्थिक शोषण झेलने को मजबूर हैं। वहीं मासूम बच्चों के कंधों पर सिर्फ बस्ते का बोझ नहीं बढ़ रहा, बल्कि शिक्षा के नाम पर चल रहे इस कारोबार का भार भी लादा जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर बच्चों की पढ़ाई के नाम पर पालकों की जेब काटने का यह खेल कब तक चलेगा? मुख्यमंत्री के निर्देश, विभागीय आदेश और नियम-कायदों के बावजूद यदि स्कूलों, प्रकाशकों और चुनिंदा दुकानों का गठजोड़ फल-फूल रहा है, तो फिर जिम्मेदार कौन है?

किताबों की आड़ में करोड़ों डकार रहे

रायपुर/नवप्रदेश। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है और एक बार फिर शिक्षा के मंदिरों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिन स्कूलों को बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत करनी चाहिए, वहीं कई निजी स्कूलों पर किताबों, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री के नाम पर अभिभावकों की जेब काटने के आरोप लग रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों और शिक्षा विभाग के नियमों के बावजूद यह खेल खुलेआम जारी है। शहर और जिले के अनेक निजी स्कूलों में अभिभावकों को निर्धारित दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। स्कूलों द्वारा जारी की गई लंबी-चौड़ी बुक लिस्ट में ऐसी निजी प्रकाशकों की किताबें शामिल हैं, जो सामान्य बाजार में उपलब्ध ही नहीं हैं। इन पुस्तकों को केवल चुनिंदा दुकानों पर बेचा जा रहा है, जहां कीमतें भी मनमाने ढंग से वसूली जा रही हैं। सवाल यह है कि आखिर एक ही विषय की एनसीईआरटी की किताब कुछ सौ रुपये में उपलब्ध है, तो फिर निजी प्रकाशकों की किताबों के लिए अभिभावकों से हजारों रुपये क्यों वसूले जा रहे हैं?

■ **गोरधंधे का शिकार बन रहे बच्चे:** इस पूरे खेल का सबसे बड़ा शिकार बच्चे बन रहे हैं। शिक्षा को आसान और बोझमुक्त बनाने के दावों के बीच छोटे-छोटे बच्चों के कंधों पर दर्जनों किताबों से भरे भारी बस्ते लाद दिए गए हैं। नई शिक्षा नीति, बस्ते का वजन कम करने के दिशा-निर्देश और बच्चों के मानसिक-शारीरिक विकास की बातें केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही हैं। हकीकत यह है कि बच्चों का बचपन किताबों के बोझ तले दबता जा रहा है, जबकि निजी प्रकाशक और स्कूल प्रबंधन मोटा मुनाफा कमा रहे हैं।

■ **शिक्षा विभाग के अफसरों से सांठगांठ:** सबसे बड़ा सवाल शिक्षा विभाग की भूमिका को लेकर उठ रहा है। अभिभावकों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी प्रभावी कार्रवाई नहीं करते। नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की बजाय मौन सहमति का माहौल दिखाई देता है। यदि सब कुछ नियमों के अनुसार चल रहा है तो फिर हर साल किताबों और यूनिफॉर्म को लेकर इतनी शिकायतें क्यों सामने आती हैं?

नवप्रदेश विशेष

मध्य प्रदेश में कार्रवाई छत्तीसगढ़ में मौन?

पिछले वर्ष मध्य प्रदेश के कई जिलों में जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए विशेष अभियानों में निजी स्कूलों और पुस्तक विक्रेताओं के गठजोड़ की परतें खुली थीं। जांच में अनियमितताएं सामने आने के बाद कई संस्थानों पर कार्रवाई हुई, नोटिस जारी हुए और कुछ मामलों में स्कूलों की तालाबंदी तक की नौबत आई। इसके बावजूद हालात में कोई बड़ा सुधार दिखाई नहीं देता।

स्कूलों की छुट्टी फिर भी पालकों से मांग रहे फीस

कई अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि स्कूल बंद रहने या अवकाश की अवधि में भी उन्हें ट्यूशन फीस और अन्य शुल्क जमा करने के लिए लगातार दबाव बनाया जाता है। फीस जमा कराने के लिए मोबाइल पर लगातार मैसेज भी भेजे जा रहे हैं। फीस नहीं भरने पर बच्चों का नाम काटने जैसी चेतावनियां भी दी जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि शिक्षा सेवा है या फिर मुनाफे का कारोबार?

मुख्यमंत्री के आदेश को पलीता लगा रहे अफसर

अब जरूरत केवल औपचारिक आदेशों की नहीं, बल्कि सख्त और दिखाई देने वाली कार्रवाई की है। जब मुख्यमंत्री स्वयं स्कूलों में लूट नहीं होने देने की बात कह चुके हैं, तब यह देखना होगा कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग इस कथित किताब-यूनिफॉर्म सिंडिकेट पर कब और कितनी सख्ती से कार्रवाई करता है। क्योंकि यह मुद्दा सिर्फ पैसों का नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता का है।

छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा सचिव **डॉ. कमलप्रीत सिंह** ने नवप्रदेश से चर्चा करते हुए बताया कि स्कूल शुरू होने से

पहले ढाई करोड़ किताबों की जरूरत है। पुस्तकें पाठ्य पुस्तक निगम से मिलनी है। एक करोड़ से ज्यादा पुस्तकों का वितरण संकुलों को कर चुके हैं। स्कूलों में वितरण भी शुरू हो गया है। शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले बच्चों के हाथों में किताबें होंगी। जिन स्कूलों में टायलेट नहीं हैं, वहां बनाया जा रहा है। खपरैल और जर्जर स्कूलों की मरम्मत का काम भी तेजी से चल रहा है। निजी स्कूलों पर भी नजर रखी जा रही है।

निजी स्कूलों की मनमानी जारी सरकारी व्यवस्था ध्वस्त

■ किताबों और गणवेश के नाम पर अभिभावकों को बेदर्दी से लूटा जा रहा

सुशील शुक्ला

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में शिक्षा का बाजारीकरण चरम पर है। एक तरफ राज्य सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि निजी स्कूलों में निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें न चलाई जाएं और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद का पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से लागू हो, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इन आदेशों को ठेंगा दिखा रही है।

निजी स्कूल संचालक अपने व्यावसायिक लाभ के लिए निजी प्रकाशनों की महंगी किताबों को स्कूलों में अनिवार्य कर देते हैं। इसका सीधा खामियाजा अभिभावकों को उठाना पड़ता है। किताबों के साथ-साथ स्कूल बैग, गणवेश और नोटबुक के लिए भी स्कूल प्रबंधन द्वारा निर्धारित दुकानों से ही सामान खरीदने का दबाव बनाया जाता है। फीस के अतिरिक्त इन चीजों पर खर्च की जाने वाली मोटी रकम से मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट पूरी तरह चरमरा गया है। जब भी इस मनमानी पर सवाल उठाए जाते हैं, तो स्कूल प्रबंधन का रटा-रटाया जवाब होता है, सरकारी पुस्तकें शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी समय पर उपलब्ध नहीं हो पातीं। अभिभावकों का आरोप है कि कई बार तो तिमाही परीक्षा के बाद किताबें बच्चों के हाथों में आती हैं। अपनी साख बचाने और बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो, इस बहाने की आड़ में निजी स्कूल संचालक निजी प्रकाशक के साथ मिलकर अपनी जेबें भर रहे हैं। यदि सरकार को पाठ्यक्रम लागू करना है, तो उसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है?

जिला प्रशासन निर्देश जारी करके खानापूर्ति कर रहा

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के नाम पर चल रहा यह किताब और गणवेश माफिया तब तक सक्रिय रहेगा जब तक प्रशासन केवल निर्देश जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं समझेगा। जब तक एनसीइआरटी की किताबें समय पर हर बच्चे की मेज तक नहीं पहुंचतीं, तब तक निजी स्कूलों की मनमानी को रोक पाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बना रहेगा।

इस बार बदलाव किया

इस बार नियमों मे बदलाव किया गया है, अब संकुल स्तर पर किताबों का वितरण किया जाएगा। 9वीं और 10वीं की किताबों का वितरण कर दिया गया है। जल्द ही प्राथमिक स्तर की किताबों का भी वितरण कर दिया जाएगा। निजी स्कूलों से अगर शिकायतें प्राप्त होती है तो उन स्कूलों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

– एल.पी.डाहिरे,
जिला शिक्षा अधिकारी, मुंगेली

शिक्षा सत्र शुरू होने से महीनों पहले ही किताबों की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, जो कि वर्तमान में पूरी तरह नदारद है। निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगाने के लिए गठित जिला स्तरीय समितियां केवल कागजों तक सीमित हैं। क्या प्रशासन निजी स्कूलों और निजी प्रकाशकों के गठजोड़ को तोड़ने में अक्षम है? अभिभावकों का कहना है कि वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कर्ज लेकर फीस भरते हैं, लेकिन स्कूलों का व्यापारीकरण अब असहनीय हो गया है।

प्रवेश के साथ ही मिलेंगी पुस्तकें व गणवेश सरकारी स्कूलों में नए सत्र की तैयारी तेज

ईश्वर चन्द्रा

कोरबा/नवप्रदेश। जिले में 16 जून से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियां शिक्षा विभाग ने तेज कर दी हैं। इस बार स्कूल पहुंचने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश के साथ ही निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें और गणवेश एक साथ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। बच्चों को अब शाला प्रवेशोत्सव की औपचारिक तिथि का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पाठ्य पुस्तक निगम से संकुल केंद्रों में पुस्तकें और गणवेश पहुंचाने का काम शुरू हो चुका है। 10 जून तक सभी स्कूल प्रबंधनों को पुस्तकों का वितरण करने से पहले बार कोड स्कैन करना होगा।

शिक्षा मंडल से जुड़े सभी कक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी हो चुके हैं। विद्यार्थियों में नई किताबें और गणवेश मिलने को लेकर उत्साह है। प्राथमिक और मिडिल की पुस्तकें संकुल में दी जा रही हैं। वहीं हाई स्कूल की पुस्तकों को स्कूल पहुंचा कर दिया जाएगा।

संसाधन की उपलब्धता पर गौर किया जाए तो जिले के कई सरकारी स्कूल आज भी जर्जर भवन, शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। नए शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों को फिर से शिक्षकों की कमी, खेल सामग्री, प्रयोगशाला उपकरण और फर्नीचर जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ेगा। विभाग द्वारा बच्चों को एक सेट गणवेश और सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है, लेकिन स्कूलों की आधारभूत स्थिति अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रीष्म अवकाश के दौरान बंद पड़े कई स्कूलों में धूल से भरे कमरे, टपकती छतें, टूटे दरवाजे और जलभराव जैसी समस्याएं साफ नजर आ रही हैं। शिक्षा विभाग की ओर से मिलने वाली जीर्णोद्धार राशि का उपयोग अधिकांश स्कूलों में प्रभावी ढंग से नहीं हो पाया है। मरम्मत कार्य को लेकर जिला शिक्षा विभाग और शाला प्रबंधन समितियों के बीच समन्वय की कमी भी सामने आ रही है। जिले में आज भी 234 स्कूल ऐसे हैं जो खपरैल और सीट की छत वाले भवनों में संचालित हो रहे हैं।

फैक्ट फाइल

1526 प्राथमिक स्कूल

521 प्राथमिक स्कूलों में मरम्मत की जरूरत

513 मिडिल स्कूल

234 स्कूल खपरैल और सीट छत वाले

156 मिडिल स्कूल जर्जर स्थिति में

293 हाईस्कूल

83 हाईस्कूलों में मरम्मत की आवश्यकता

एकल शिक्षक स्कूलों की समस्या

शिक्षकों की पदोन्नति और स्थानांतरण के बावजूद जिले के कई प्राथमिक स्कूल अब भी शिक्षक विहीन या एकल शिक्षक व्यवस्था के भरोसे चल रहे हैं। कटघोरा विकासखंड के झोरा और भांठापारा-छुरी जैसे स्कूल अटैच शिक्षकों के भरोसे संचालित हो रहे हैं।

120 स्कूलों में बिजली नहीं

स्कूल खुलने के दौरान हर गर्मी और वर्षा के चलते उमस की स्थिति रहती है। इस समस्या से निपटने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से अभी तक पहल नहीं की गई है। तेज हवा के चलने और मौसमी बदलाव की वजह से 120 से भी अधिक स्कूलों में विद्युत आपूर्ति बाधित है। इसके अलावा 400 से अधिक स्कूल अस्थायी कनेक्शन के भरोसे संचालित हो रहे हैं।

आत्मानंद स्कूलों पर फोकस

पिछले दो वर्षों में जिले में 52 आत्मानंद स्कूल शुरू किए जा चुके हैं। निजी स्कूलों की तर्ज पर अंग्रेजी माध्यम शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने विशेष ध्यान आत्मानंद स्कूलों पर केंद्रित किया है। वहीं सामान्य सरकारी स्कूलों, विशेषकर खपरैल और सीट छत वाले स्कूलों की हालत लगातार खराब होती जा रही है।

शाला त्यागी बच्चों पर नहीं विभाग का ध्यान

शाला प्रवेशोत्सव का उद्देश्य केवल नए बच्चों का प्रवेश नहीं, बल्कि बीच में पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को भी दोबारा स्कूल से जोड़ना है। लेकिन विभाग के पास ऐसे बच्चों के वास्तविक आंकड़े तक उपलब्ध नहीं हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कम उम्र के बच्चे दुकानों में काम करते, कचरा बीनते या मवेशी चराते आसानी से देखे जा सकते हैं। शिक्षा के अधिकार और शत-प्रतिशत नामांकन के दावे जमीनी स्तर पर अधूरे नजर आ रहे हैं।

" नए शैक्षणिक सत्र के लिए पुस्तक व गणवेश का आवंटन संकुलों में शुरू हो गया है। विभागीय स्तर पर आगामी सत्र की तैयारी शुरू कर दी गई है। बच्चों की बैठक व्यवस्था और पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रवेश के साथ ही विद्यार्थियों को गणवेश और पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। जर्जर स्कूलों का मरम्मत कार्य किया जा रहा है।

– तामेश्वर उपाध्याय,
जिला शिक्षा अधिकारी, कोरबा

सरकारी स्कूल की स्थिति

क्र.	विवरण	संख्या
1.	सरकारी स्कूल	38,333
2	दर्ज संख्या	35,02,617
3	शिक्षक	1,79,425
4	संविदा शिक्षक सेजेस	6,055
5	अतिथि शिक्षक	1,509
6	गैर शिक्षणिक कर्मचारी	18,676
7	अंशकालीन स्वीपर	45,897
8.	रसोइया	86,168
9.	स्व सहायता समूह	43,366

युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया क्या?

■ 10538 शालाओं का युक्तियुक्तकरण किया गया

■ 15165 अतिशेष शिक्षकों का युक्ति-युक्करण किया गया

■ 453 शिक्षक विहीन और 4728 एकल शिक्षक शालाओं में शिक्षकों की पूर्ति की गई

स्तरवार शिक्षकों की उपलब्धता

शाला का स्तर	शिक्षकों की संख्या (शासकीय प्रबंधन)	शिक्षकों की संख्या (समस्त प्रबंधन)
प्राथमिक	74,655	83,306
पूर्व माध्यमिक	57,593	87,195
हाई स्कूल	11,169	22,134
हायर सेकेंडरी	36,008	93,582
योग	1,79,425	2,86,217

प्रदेश में संचालित सरकारी स्कूल

1.	प्राथमिक	22526
2.	पूर्व माध्यमिक	11,066
3.	हाई स्कूल	1,853
4.	हायर सेकेंडरी	2,888
	कुल	38,333

बस्ते के बोझ तले दबता बचपन खोती जा रही बच्चों की मुस्कान

जितेन्द्र नामदेव

कवर्धा/नवप्रदेश। शिक्षा के बढ़ते प्रतिस्पर्धी दौर में जहां बच्चों को बेहतर भविष्य देने की होड़ लगी हुई है, वहीं दूसरी ओर मासूम बचपन भारी स्कूल बैग के बोझ तले दबता जा रहा है। रोजाना किताबों, कॉपियों, लंच बॉक्स, पानी की बोतल और अन्य शैक्षणिक सामग्री से भरा भारी बस्ता उठाकर स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों की परेशानी किसी से छिपी नहीं है। इसके बावजूद इस गंभीर समस्या पर न तो स्कूल प्रबंधन गंभीर नजर आ रहा है और न ही संबंधित विभाग कोई ठोस पहल करता दिखाई दे रहा है।

वर्तमान समय में अधिकांश निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अनेक विषयों की किताबें और अतिरिक्त अध्ययन सामग्री अनिवार्य कर दी गई हैं। इसके कारण बच्चों के बस्तों का वजन लगातार बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि नर्सरी, प्री-नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी जैसे प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे भी अपनी क्षमता से कहीं अधिक वजन ढोने को मजबूर हैं। वहीं कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के बस्तों का वजन कई बार 10 से 15 किलोग्राम तक पहुंच जाता है।

सुबह स्कूल जाते समय और छुट्टी के बाद घर लौटते समय छोटे-छोटे बच्चों को भारी बैग लेकर हांफते हुए देखा जा सकता है। कई बार बच्चों को बैग उठाने में कठिनाई होती है और अभिभावकों को उनकी मदद करनी पड़ती है। राह चलते लोग भी यह दृश्य देखकर चिंता व्यक्त करते हैं, लेकिन व्यवस्था में बदलाव नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है।

बच्चों में रीढ़, कंधों और मांसपेशियों संबंधी परेशानी

विशेषज्ञों का मानना है कि बचपन शारीरिक और मानसिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। ऐसे में लगातार भारी वजन उठाने से बच्चों की रीढ़, कंधों और मांसपेशियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे कम उम्र में ही कमर दर्द, पीठ दर्द, गर्दन दर्द और मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा बढ़ जाता है।

प्रशासन ठोस कदम उठाए

बच्चों के बस्तों का वजन नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर शासन द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं और निगरानी के लिए समितियों का गठन भी किया गया था। हालांकि जमीनी स्तर पर इन नियमों का पालन होता नजर नहीं आता। ऐसे में आवश्यकता है कि शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन इस गंभीर विषय पर ठोस कदम उठाएं। मनमानी पर कार्रवाई करें।

स्कूल खुलते ही मिलेगी यूनिफार्म, 18 जिलों में दोनों सेट पहुंचने का दावा

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को इस बार नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ ही यूनिफॉर्म के दोनों सेट एक साथ मिलेंगे। कई वर्षों बाद ऐसी स्थिति बनी है, जब स्कूल खुलने से पहले ही बड़ी संख्या में जिलों तक यूनिफॉर्म की आपूर्ति कर दी गई है। हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ ने दावा किया है कि 16 जून से शुरू होने वाले नए शिक्षा सत्र से पहले सभी जिलों में यूनिफॉर्म की सप्लाई पूरी कर ली जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने नए सत्र की तैयारियां तेज कर दी हैं। किताबों की उपलब्धता, यूनिफॉर्म वितरण, शैक्षणिक कैलेंडर और स्कूलों की मरम्मत जैसे कार्य अंतिम चरण में हैं। विभाग के अनुसार कक्षा 9वीं और 10वीं की पाठ्यपुस्तकें पहले ही स्कूलों तक पहुंचाई जा चुकी हैं, जबकि यूनिफॉर्म वितरण का कार्य भी तेजी से जारी है। शासन ने स्कूली बच्चों के लिए यूनिफॉर्म की सिलाई और वितरण की जिम्मेदारी हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ को सौंपी है। इस बार संघ ने पिछले वर्षों की तुलना में करीब डेढ़ माह पहले ही यूनिफॉर्म की सप्लाई शुरू कर दी, जिससे दोनों सेट समय पर उपलब्ध कराने में सफलता मिली है।

18 जिलों में दोनों सेट पहुंचाने का दावा

संघ के अनुसार सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बीजापुर, कोंडागांव, बस्तर, कांकेर, बलरामपुर, कोरिया, सरगुजा, जशपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, रायगढ़ और जांजगीर-चांपा जिलों में यूनिफॉर्म के दोनों सेट भेजे जा चुके हैं। वहीं सात जिलों में पहला सेट पहुंच चुका है और शेष नौ जिलों में भी जल्द आपूर्ति पूरी किए जाने का दावा किया गया है।

50 लाख से अधिक यूनिफॉर्म की होगी आपूर्ति

हाथकरघा संघ के अनुसार नए शिक्षा सत्र के नए कुल 50 लाख 93 हजार 769 यूनिफॉर्म की मांग प्राप्त हुई है। इनमें स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से 10 लाख 90 हजार 362 तथा समग्र शिक्षा अभियान के तहत 40 लाख 3 हजार 407 यूनिफॉर्म की मांग शामिल है। अब तक 28 लाख से अधिक यूनिफॉर्म की सप्लाई की जा चुकी है।

इस साल सितंबर-अक्टूबर तक नहीं करना पड़ेगा इंतजार

पिछले वर्षों में शाला प्रवेशोत्सव के दौरान बच्चों को केवल एक सेट यूनिफॉर्म मिलता था, जबकि दूसरे सेट के लिए सितंबर या अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ता था। इस बार व्यवस्था में बदलाव करते हुए दोनों सेट एक साथ उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है। विशेष रूप से दूरस्थ और आदिवासी जिलों में पहले यूनिफॉर्म भेजी जा रही है, ताकि सत्र शुरू होते ही बच्चों को नई ड्रेस उपलब्ध हो सके।

बदलेगा यूनिफॉर्म का रंग नए लुक में दिखेंगे छात्र

नए शिक्षा सत्र में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म का रंग भी बदला जाएगा। पिछले वर्ष सरगुजा और बिलासपुर संभाग में नई यूनिफॉर्म लागू की गई थी। अब रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में भी नया ड्रेस कोड लागू होगा। इसके साथ ही प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राएं एक समान नई यूनिफॉर्म में नजर आएंगे। अब तक छात्र-छात्राएं आसमानी रंग की शर्ट और नेवी ब्लू रंग की पैंट या ट्यूनिक पहनते थे। नई यूनिफॉर्म में ब्लू चेक प्रिंट वाली शर्ट तथा स्लेटी रंग की पैंट और ट्यूनिक शामिल होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com